रायपुर। गुरुवार, 13 अगस्त, 2026
रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 12 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल कैनेडियन ओपनः बेन शेल्टन ने जैकब मेंसिक ...
@ विचार असामाजिक हो रहे सोशल मीडिया ...
@ व्यापार सेंसेक्स 188 अंक गिरकर बंद...

सीएम निवास में दिखी गांव की झलक

गेड़ी-बिल्लस जैसे पारंपरिक खेल और छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की महक

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ की मिट्टी की सोंधी महक, खेत-खलिहानों की परंपराएं, लोकगीतों की स्वर लहरियां, मांदर की थाप, गेड़ी का उल्लास और पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू - प्रदेश के प्रथम लोक पर्व हरेली तिहार पर आज नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन की जीवंत झांकी में बदल गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधि-विधान से भगवान शिव, गौमाता और कृषि औजारों की पूजा-अर्चना कर प्रदेश में अच्छी वर्षा, भरपूर फसल, किसानों की समृद्धि और सभी परिवारों की सुख-खुशहाली की कामना की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि, विभिन्न निगम-मंडल एवं आयोगों के पदाधिकारी, किसान और बड़ी संख्या में नागरिक इस उत्सव के साक्षी बने।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों, विशेषकर किसान भाई-बहनों को हरेली तिहार की गाड़ा-गाड़ा बधाई देते हुए कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति, प्रकृति और ग्रामीण जीवन के बीच आत्मीय रिश्ते का उत्सव है। यह पर्व हमें अपनी धरती, पशुधन, कृषि उपकरणों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और प्रदेश की बड़ी आबादी की आजीविका खेती-किसानी से जुड़ी है। किसान की समृद्धि ही गांव और प्रदेश की खुशहाली का मजबूत आधार है।

पारंपरिक वेशभूषा में पिंक ऑटो से पहुंचे मुख्यमंत्री

हरेली के उत्सव में मुख्यमंत्री साय पूरी तरह छत्तीसगढ़ी रंग में रंगे नजर आए। पारंपरिक वेशभूषा धारण कर वे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ महिला ऑटो चालक संगीता यादव के पिंक ऑटो में मुख्यमंत्री निवास परिसर से कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस अनूठे अंदाज ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उत्सव के माहौल में आत्मीयता का रंग घोल दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत गौरी-गणेश एवं नवग्रह पूजन के साथ हुई। मुख्यमंत्री ने मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग का अभिषेक किया और नांगर, रापा, कुदाल, फावड़ा सहित खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि औजारों की विधि-विधान से पूजा की। इसके बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को नमन किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हरेली के समय तक खेती के अनेक प्रमुख कार्य पूरे हो चुके होते हैं और किसान प्रकृति एवं अपने कृषि साधनों की पूजा कर अच्छे कृषि वर्ष की कामना करते हैं। यह परंपरा हमारे पुरखों की प्रकृति के प्रति गहरी समझ और सम्मान को दर्शाती है।

गौमाता को खिलाई पारंपरिक लोंदी, पशुधन संरक्षण का दिया संदेश

मुख्यमंत्री साय ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में निर्मित गौशाला पहुंचकर गौमाता की आरती और पूजा-अर्चना की। उन्होंने गाय और बछड़े को हरा चारा, चना-गुड़ तथा पारंपरिक 'लोंदी' खिलाई। हरेली पर पशुधन को लोंदी खिलाने की लोक परंपरा पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और रोगों से बचाव की कामना से जुड़ी है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के ग्रामीण जीवन में पशुधन परिवार और कृषि व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है। हमारी लोक संस्कृति हमें पशुओं के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और संरक्षण की सीख देती है। आधुनिकता के साथ अपनी ऐसी उपयोगी और प्रकृति-सम्मत परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी हमारी जिम्मेदारी है।

किसान की खुशहाली से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि : डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि परंपरा, संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा महत्वपूर्ण लोक पर्व है। कृषि औजारों, गौमाता और प्रकृति की पूजा हमारी कृतज्ञता की संस्कृति को अभिव्यक्त करती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर काम किया जा रहा है। किसानों को 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान का मूल्य मिल रहा है और महतारी वंदन योजना से माताओं-बहनों को आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है। किसान का घर खुशहाल और गांव मजबूत होगा।

राज्यसभा से राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम संशोधन विधेयक पारित

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 में संशोधन से संबंधित विधेयक पेश किया, जिसे सदन ने पारित कर दिया। हालांकि, विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे। विपक्ष के अधिकांश दलों ने सदन से वॉकआउट किया।

विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि देश में सहकारिता क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा में लाने का काम शुरू हो चुका है और पिछले पांच वर्षों में इस क्षेत्र में बड़ी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि आज देश में 8 लाख से अधिक सहकारी संस्थाएं काम कर रही हैं, जिनसे करीब 30 करोड़ सदस्य जुड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत का सहकारी क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े सहकारी नेटवर्क में से एक है। मोहोल ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद पिछले पांच वर्षों में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। करीब 3,000 करोड़ रुपए की लागत से देश के 80,000 प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) का कंप्यूटरीकरण किया जा रहा है। छोटे गांवों में पैक्स को सक्षम बनाने के लिए मॉडल उपनियम बनाए गए हैं और देश के सभी राज्यों ने इन्हें अपनाया है। उन्होंने कहा कि पैक्स को करीब 25 अलग-अलग प्रकार के कारोबार करने का अवसर दिया गया है। सहकारिता के विस्तार के लिए देश में 2 लाख नई बहुउद्देश्यीय पैक्स बनाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक इनमें से करीब 40,000 नई पैक्स का गठन किया जा चुका है।

छत्तीसगढ़ के लिए रेल नेटवर्क में भारी बढ़ोतरी: वार्षिक बजट आवंटन बढ़कर हुआ 7,470 करोड़

संवाददाता ■ रायपुर

रेल मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे के विकास और रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण के लिए वित्तीय आवंटन में भारी बढ़ोतरी की है, जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का वार्षिक बजट परिव्यय बढ़ाकर ?7,470 करोड़ कर दिया गया है। यह आवंटन 2009 से 2014 के बीच उपलब्ध कराए गए ?311 करोड़ के औसत वार्षिक परिव्यय की तुलना में लगभग 24 गुना अधिक है। यह जानकारी केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज लोकसभा में दुर्ग के सांसद श्री विजय बघेल के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में दी।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत, दीर्घकालिक विकास के लिए छत्तीसगढ़ के कुल 32 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिसमें से 10 स्टेशनों - अंबिकापुर, बालोद, भानुप्रतापपुर, भिलाई, चांपा, दल्लीराजहरा, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, सरोना और उरकुरा में पुनर्विकास का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है।

दुर्ग जिले में कई स्थलों पर व्यापक स्टेशन उन्नयन का काम तेजी से चल रहा है। भिलाई नगर और भिलाई पावर हाउस में स्टेशन भवन के उन्नयन, दूसरे प्रवेश द्वार, सर्कुलेटिंग एरिया और प्लेटफॉर्म शेल्टर जैसी सुविधाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि दुर्ग स्टेशन पर नए स्टेशन भवन, क्रू लॉबी और परिचालन संरचनाओं का निर्माण कार्य जारी है। रिसामा रेलवे स्टेशन पर चल रहे सुधार कार्यों में 3 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज, एक नए प्लेटफॉर्म का निर्माण और उन्नत यात्री सुविधाएं शामिल हैं।

सड़क सुरक्षा को बढ़ाने और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए, मंत्रालय ने रिसामा के पास लेवल क्रॉसिंग डीडी-19 पर एक रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) के निर्माण को मंजूरी दी है, जिसका काम वर्तमान में चल रहा है। यह परियोजना एक व्यापक बुनियादी ढांचा विस्तार का हिस्सा है, जिसके तहत छत्तीसगढ़ में 2014 से मई 2026 के बीच 192 रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज पूरे किए जा चुके हैं, साथ ही राज्य भर में लगभग ?1,693 करोड़ की लागत से 98 अतिरिक्त परियोजनाएं वर्तमान में स्वीकृत हैं।

क्षेत्र में रेल लाइन विस्तार और कनेक्टिविटी परियोजनाओं में भी तेज प्रगति देखी गई है। 95 किलोमीटर लंबी दल्लीराजहरा-रावघाट नई लाइन परियोजना ?1,628 करोड़ की लागत से पूरी हो चुकी है, जबकि 140 किलोमीटर लंबे रावघाट-जगदलपुर खंड पर भूमि अधिग्रहण और प्रारंभिक सिविल निर्माण कार्य सक्रिय रूप से चल रहे हैं।

'जहां जरूरी समझेंगे, वहां करेंगे कार्रवाई' : पुतिन

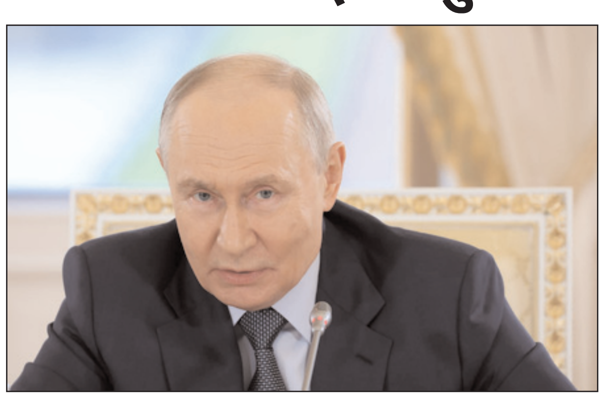

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रूसी वाणिज्यिक जहाजों को जब्त करने को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों को चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा कि रूसी जहाजों को जब्त करने की किसी भी कोशिश के खिलाफ रूस जवाबी कदम उठाएगा।

पुतिन ने साथ ही स्पष्ट किया कि रूस की यह कार्रवाई किसी एक निश्चित क्षेत्र तक सीमित नहीं होगी। हम जहां भी आवश्यक समझेंगे, वहां कार्रवाई करेंगे।

रूसी समाचार एजेंसी 'तास' की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि मॉस्को अब रूसी वाणिज्यिक जहाजों को जब्ती की घटनाओं पर सख्त कदम उठाएगा। उन्होंने कहा है कि यदि पश्चिमी देश रूसी वाणिज्यिक जहाजों को जब्त करते हैं तो इसका जवाब दिया जाएगा।

पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा, 'यदि इन योजनाओं को अमल में लाया गया, तो हमें भी उसी तरह जवाब देना होगा।

'तास' की रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन ने कहा कि यह सिर्फ उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं होगा, जहां रूसी जहाजों को जब्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जहां भी हम इसे आवश्यक और उचित समझेंगे, वहां कार्रवाई करेंगे।

अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

छात्र आंदोलन पर चर्चा को तैयार

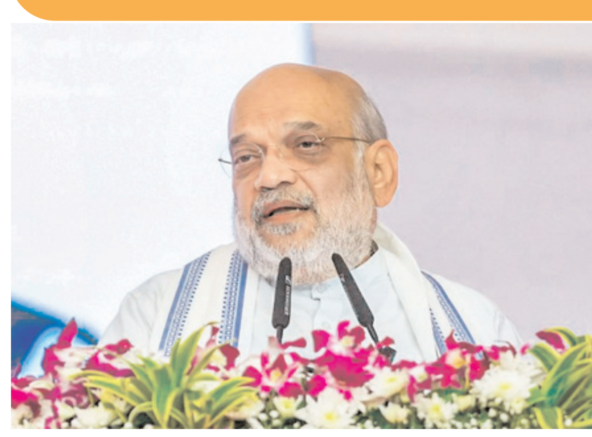

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नीट पेपर लीक पर छात्र आंदोलन को लेकर लोकसभा में चर्चा कराने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है।

स्पीकर को लिखे पत्र में अमित शाह ने कहा, 'महोदय, आपको विदित है कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बिजनेस एडवाइजरी कमिटी की बैठक में सरकार की ओर से संसद में नीट परीक्षा को लेकर हुए छात्र आंदोलन पर चर्चा के लिए सहमति दी है।'

अमित शाह ने पत्र में जिक्र किया कि विपक्ष के आग्रह से पहले ही संसद के वर्तमान सत्र में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026 पर चर्चा हो चुकी है। इसमें विपक्ष के किसी भी सांसद ने नीट के संबंध में सदन में कोई भी विचार व्यक्त नहीं किया। इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे पर पुनः चर्चा के लिए तैयार है।

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे विपक्ष से चर्चा कर आपसी सहमति से समय तय करें। पत्र में उन्होंने लिखा, 'मेरा आपसे अनुरोध है कि आप विपक्ष से चर्चा कर आपसी सहमति से आज से जितने समय, जितने घंटे आप उचित समझें, उतना समय आवंटित करने की कृपा करें। मैं निर्धारित समय के दौरान सदन में उपस्थित रहकर इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेना चाहता हूं और विपक्ष के सभी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार हूं।

अमित शाह ने लोकतांत्रिक मूल्यों का जिक्र करते हुए कहा, 'लोकतंत्र में चर्चा और संवाद से ही समाधान निकलता है। मेरा लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं में अटूट विश्वास है और मेरा यह मानना है कि यह सदन चर्चा और संवाद के लिए ही है।

उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि विपक्ष के नेताओं से चर्चा करके इस महत्वपूर्ण विषय पर एक अच्छे वातावरण में चर्चा कराने की कृपा करें, ताकि इस विषय पर पक्ष-विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने बहुमूल्य मत एवं विचार प्रस्तुत कर सकें।

तीर तेवर — सागर कुमार

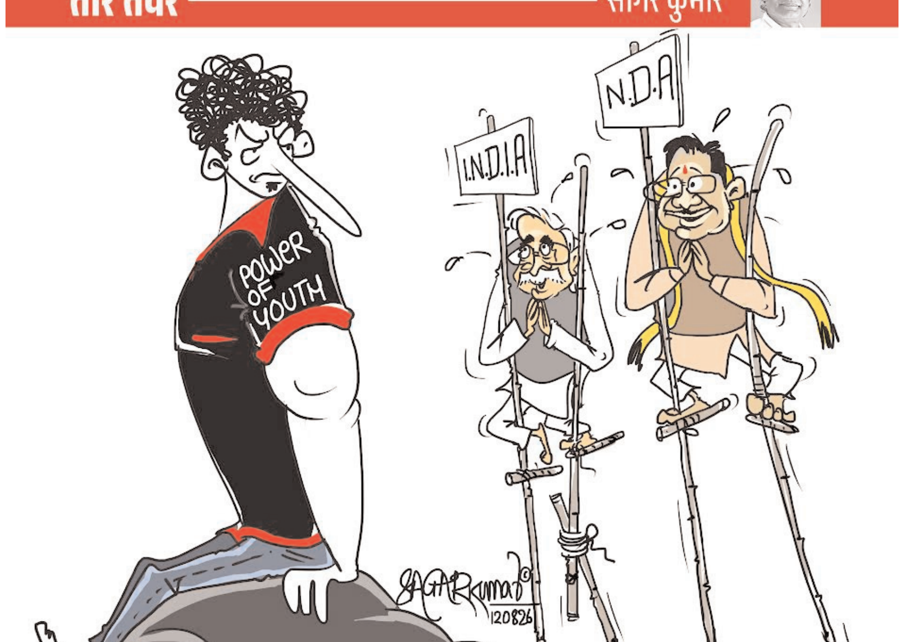

भारत में खुदरा महंगाई दर जुलाई में 4.45 प्रतिशत रही; आलू, भिंडी और मटर का दाम घटा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में खुदरा महंगाई दर जुलाई में सालाना आधार पर मामूली रूप से बढ़कर 4.45 प्रतिशत रही है, जो कि जून में 4.38 प्रतिशत थी। यह जानकारी सांख्यिकी एंव कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से बुधवार को दी गई।

मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों में बताया गया कि जुलाई में ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर 4.84 प्रतिशत रही है, जो कि शहरी इलाकों में 3.96 प्रतिशत थी।

जुलाई में खाद्य महंगाई दर 5.52 प्रतिशत रही है। जुलाई में ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई दर 5.79 प्रतिशत और शहरी इलाकों में महंगाई दर 5.05 प्रतिशत रही है।

जुलाई में आलू की कीमत सालाना आधार पर -16.56 प्रतशित घटी है। वहीं, यह जीप और मोटर कार में -6.72 प्रतिशत, भिंडी में -5.52 प्रतिशत, मटर में -5.27 प्रतिशत और टमाटर में -4.59 प्रतिशत रही है।

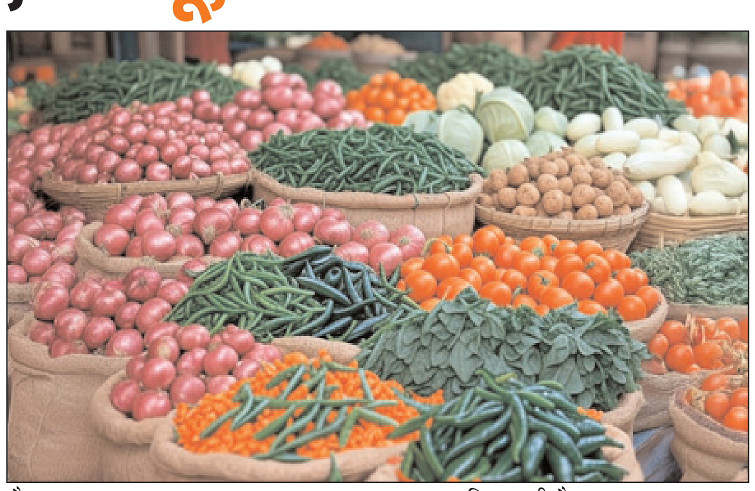

दूसरी तरफ, जुलाई में चांदी की ज्वेलरी में महंगाई दर सालाना आधार पर 109.84 प्रतिशत, अदरक में 83.62 प्रतिशत, लहसन 35.36 प्रतिशत, सोना/हीरा/प्लैटीनम ज्वेलरी में महंगाई दर 32.98 प्रतिशत और प्याज में 22.54 प्रतिशत रही है।

इसके अलावा, फूड एंड बेवरेज में महंगाई दर जुलाई में 5.24 प्रतिशत; पान, तबांकू और इनॉक्सीडेंट्स में 4.79 प्रतिशत, कपड़ा एवं जूता में 3.38 प्रतिशत, स्वास्थ्य में 1.34 प्रतिशत, परिवहन में 4.43 प्रतिशत और शैक्षणिक सेवाओं में 3.64 प्रतिशत रही है।

देश में जुलाई में जिन पांच राज्यों में सबसे अधिक खुदरा महंगाई थी, उनमें तेलंगाना 6.32 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश 5.72 प्रतिशत, तमिलनाडु 5.44 प्रतिशत, मध्य प्रदेश 4.91 प्रतिशत और कर्नाटक 4.89 प्रतिशत के साथ शामिल थे।

इस महीने की शुरुआत में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 27 के लिए खुदरा महंगाई दर 5 प्रतिशत रहने का अनुमान जारी किया है। साथ ही कहा कि वैश्विक अस्थिरता के कारण छोटी अवधि में महंगाई दर में बढ़ोतरी हो सकती है। आरबीआई एमपीसी के फैसलों का ऐलान करते हुए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि लगातार 16 महीनों तक केंद्रीय बैंक के लक्ष्य 4 प्रतिशत से नीचे रहने के बाद खुदरा महंगाई दर जून में बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा गृहमंत्री पेश करे बिल, जेपी नड्डा बोले- विपक्ष सदन को कर रहा गुमराह

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 में संशोधन करने वाले विधेयक को पेश किया। हालांकि, इस पर विपक्ष ने ऐतराज जताया। विपक्ष का कहना था कि कार्य सूची के मुताबिक, यह विधेयक गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को सदन में पेश करना चाहिए था। वहीं, सत्ता पक्ष ने विपक्ष की इस बात को खारिज किया।

सत्ता पक्ष का कहना है कि विपक्ष केवल सदन को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। संशोधन विधेयक पेश करते हुए सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि वह केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की ओर से प्रस्ताव रखते हैं कि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 में संशोधन करने वाले विधेयक को, जैसा कि लोकसभा से पारित हुआ है, विचार और पारित करने के लिए लिया जाए।

इसके बाद राज्यसभा में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 पर विचार और उसे पारित करने की प्रक्रिया शुरू हुई। हालांकि, इस बीच राज्यसभा में एक बार फिर जबरदस्त हंगामा व नारेबाजी शुरू हो गई। विपक्षी सांसद नारेबाजी करते हुए अपनी सीट से उठकर आगे आ गए और लगातार नारेबाजी करते रहे। नारेबाजी के बीच राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बोलने के लिए खड़े हुए।

उपसभापति हरिवंश ने उन्हें बोलने की अनुमति दी। हालांकि, उपसभापति ने नारेबाजी कर रहे सांसदों से कहा कि पहले वे अपनी सीटों पर जाकर बैठें। वहीं, नेता प्रतिपक्ष ने अपनी बात रखते हुए विधेयक को सहकारिता राज्य मंत्री मुरली धर मोहोल द्वारा प्रस्तुत किए जाने पर आपत्ति जताई।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगर कोई मंत्री किसी आवश्यक कार्य के कारण सदन में उपस्थित नहीं हो पाता है तो ऐसे में मंत्री का कोई साथी विधेयक पेश कर सकता है। ये सब हम जानते हैं। उन्होंने कहा कि मैं यही चाहता हूं कि जिनके नाम से यह विधेयक है, किसी कारण से अगर वे अनुपस्थित हैं तो कोई बात नहीं, लेकिन हर ऐसा रोज नहीं होना चाहिए।

खड़गे ने उपसभापति से कहा कि आप उन्हें (गृहमंत्री) को बुलाइए। खड़गे की इस टिप्पणी का केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने तुरंत खंडन किया। नड्डा का कहना था कि सरकार हर बात व हर विषय पर चर्चा को तैयार है। उन्होंने विपक्ष के आरोपों को गुमराह करने वाली बात बताया।

राज्यसभा के नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता सदन को गुमराह कर रहे हैं। नड्डा ने कहा कि सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हम हर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। नड्डा ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि चर्चा से तो उल्टा आप भाग रहे हैं।

जेन जी के प्यार को देखकर रविकिशन गदगद, कहा- मैं जेन जी के दिमाग को सलाम करता हूं

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अभिनेता और भाजपा सांसद रविकिशन ने मीडिया के साथ बातचीत में सोशल मीडिया पर जेन जी पीढ़ी से मिल रहे प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद दिया। उन्होंने युवाओं के इस जुड़ाव को एक अनमोल उपहार बताया।

रवि किशन ने कहा, 'जेन जी ने मुझे हैरान कर दिया। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंस्टाग्राम पर जेन जी का प्यार मुझे इस कदर मिलेगा। ये लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इसलिए मैं उन सभी युवा जेन जी को बुलाना चाहता हूं जो हमारे देश का भविष्य हैं और जिन्हें एक दिन इस पार्लियामेंट में भी आना है। मैं सभी जेन जी के दिमाग को सलाम करता हूं, कि वे लोग इतनी शानदार क्रिएटिविटी दिखा रहे हैं।'

रवि किशन ने अपने मीम्स पर भी रिएक्ट करते हुए कहा, 'उन्होंने मुझे, मेरी चाल, नाम और दाम को इस कदर फैलाया है, तो मुझे लगता है कि जेन जी की जगह देश की पंचायत है यानी पार्लियामेंट। भारत की जिम्मेदारी एक दिन उन सभी को अपने जिम्मे लेनी है। जेन जी की आबादी 65% है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनकी बातें सुनने के लिए खुद इंस्टाग्राम पर आते हैं। मैं ये भी बता दूं कि हमारी जेन जी की बातों पर भी बहुत गौर किया जाता है। मैं तो इस देश के सारे जेन जी को प्रणाम करता हूं। सभी को मेरा धन्यवाद कि इस गुमनाम रवि किशन को आप लोग इतना नाम दिए, मुझे जेन जी ने एक नई पहचान दी है।'

रवि किशन ने अपने धोती-कुर्ता के पहनावे को लेकर भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि वे अपने पिता की याद में धोती-कुर्ता पहनते हैं। उन्होंने कहा, 'जेन जी मुझसे अक्सर पूछते हैं कि आप धोती क्यों पहनते हैं, तो मैं उन्हें बता रहा हूं कि मेरे पिता जी उसको पहनते थे, तो जब भी मैं धोती पहनता हूं, तो वे समझ जाएं कि मैं अपने पिता को बहुत याद कर रहा हूं। वो अब इस दुनिया में नहीं हैं।'

गृह मंत्री अमित शाह के संसद में बयान देने पर राजी होने पर प्रतिक्रिया देते हुए रवि किशन ने कहा, 'इससे अच्छा संदेश पूरे देश में क्या जाएगा। अभी मैं उनसे मिलकर आया हूं ।

वरुण बेवरेजेस, अमूल, आईटीसी और हल्दीराम का यूपी पर भरोसा, खाद्य प्रसंस्करण को मिली नई उड़ान

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कृषि उत्पादों को उद्योग और रोजगार से जोड़ने की दिशा में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी 40 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी किए गए हैं। इनमें पूर्वांचल और मध्यांचल की 21 से अधिक परियोजनाएं शामिल हैं। वरुण बेवरेजेस, अमूल, आईटीसी, बालाजी वेफर्स और हल्दीराम जैसे बड़े ब्रांडों का निवेश यह संकेत दे रहा है कि प्रदेश के ये क्षेत्र तेजी से नए खाद्य प्रसंस्करण केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि पूर्वांचल में 10 परियोजनाओं के जरिए प्रयागराज, अमेठी, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, बाराबंकी और देवरिया जैसे जिलों में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। वरुण बेवरेजेस की प्रयागराज, अमेठी और गोरखपुर क्षेत्र में परियोजनाएं हैं, जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश में पेय पदार्थ निर्माण से जुड़े औद्योगिक तंत्र को मजबूती मिलने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि गोरखपुर में सीपी मिल्क एंड फूड प्रोडक्ट्स अपनी मौजूदगी का विस्तार कर रही है, जबकि बनासकांठा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन (अमूल) की वाराणसी में डेयरी परियोजना क्षेत्र में बढ़ते निवेश का अहम उदाहरण है। रसिक रिफ्रेशमेंट और फॉरएवर डिस्टिलरी की परियोजनाएं भी पूर्वांचल में खाद्य एवं पेय पदार्थ क्षेत्र के विस्तार को दर्शाती हैं। इन परियोजनाओं के जरिए किसानों, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला, परिवहन और संगठित विनिर्माण के बीच बेहतर तालमेल बनने की उम्मीद है। साथ ही, विभिन्न जिलों में निवेश पहुंचने से औद्योगिक विकास को पारंपरिक औद्योगिक केंद्रों से आगे ले जाने में मदद मिलेगी।

मध्यांचल भी खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के बड़े केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। यहां 12 परियोजनाओं को एलओसी जारी किया गया है। हरदोई में वरुण बेवरेजेस, आईटीसी, बालाजी वेफर्स और हल्दीराम जैसी कंपनियों की परियोजनाएं जिले को खाद्य प्रसंस्करण के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित कर रही हैं। कानपुर देहात में एचएल एग्रो प्रोडक्ट्स विस्तार कर रही है, जबकि सीतापुर में रेडिको खेतान और डालमिया चीनी मिल्स कृषि आधारित औद्योगिक गतिविधियों को मजबूती दे रही हैं।

इसके अलावा, यूनाइटेड ब्रेवरीज, ग्लोबस स्पिरिट्स, नील श्री शुगर और आरएसपीएल लिमिटेड की परियोजनाएं भी क्षेत्र में प्रस्तावित हैं। इन परियोजनाओं को जारी एलओसी राज्य की निवेशक-केंद्रित औद्योगिक नीति को रेखांकित करते हैं।

संसद में लगातार व्यवधान उत्पन्न करना विपक्ष की अराजक मानसिकता को करता है उजागरः नितिन नवीन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने संसद में हंगामा करने पर विपक्ष को घेरा है। नितिन नवीन ने कहा कि संसद में लगातार व्यवधान उत्पन्न करना विपक्ष की अराजक मानसिकता को उजागर करता है।

नितिन नवीन ने गृह मंत्री अमित शाह के बयान को साझा करते हुए एक्स पोस्ट में कहा, 'संसद में विपक्ष द्वारा लगातार किया जा रहा व्यवधान उनकी अराजक मानसिकता को उजागर करता है। हर अहम मुद्दे पर चर्चा करने के लिए केंद्र सरकार की बार-बार की कोशिशों के बावजूद विपक्ष चर्चा से भागता है और संसद को कामकाज करने से रोकता है। जनता सब देख रही है और अब समझ रही है कि असल में चर्चा से कौन भाग रहा है।

नितिन नवीन ने गृह मंत्री अमित शाह का बयान साझा किया है, जिसमें उन्होंने कहा, 'मोदी सरकार संसद में हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष का मकसद चर्चा करना नहीं बल्कि अराजकता फैलाना है। विपक्ष को लोकसभा अध्यक्ष को चर्चा के लिए पत्र लिखना चाहिए। हम बुधवार दोपहर 3 बजे से गुरुवार दोपहर 3 बजे तक चर्चा के लिए तैयार हैं।

इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने मीडिया से कहा, ''लापता,' 'भाग गए' और 'भगोड़े' जैसी भाषा भारत के सार्वजनिक और संसदीय जीवन में अभी-अभी सुनाई पड़ रही है। जब से सत्र शुरू हुआ, तब से मैं लगातार संसद आ रहा हूं। मैं अपने चैंबर में बैठता हूं। चूंकि विपक्ष संसद के दोनों सदनों को चलने नहीं दे रहा है, तो वहां जाकर क्या किया जा सकता है?

उन्होंने कहा, 'जहां तक चर्चा का सवाल है, सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार नीट को लेकर छात्रों के प्रदर्शन पर सभी प्रकार की चर्चा करने के लिए तैयार है। चर्चा के लिए समय सुनिश्चित किया जाए और विपक्ष तैयार हो जाए। विपक्ष इसकी मांग कर रहा था और हमने इसे स्वीकार किया।

शाह ने कहा, 'मैंने भी कह दिया है कि मैं किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूं लेकिन वो (विपक्ष) चर्चा ही नहीं होने देना चाहते हैं। अब जनता तय करे कि कौन भाग रहा है।'

पंजाबः गवर्नर से मिले सीएम मान, हवारा को मानवीय आधार पर पैरोल देने की रखी मांग

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को यहां गवर्नर गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की और मानवीय आधार पर जगतार सिंह हवारा को 10 दिन की पैरोल देने के लिए उनसे दखल देने की मांग की। उन्होंने कहा कि 31 साल बाद हवारा की बीमार मां को अपने बेटे से मिलने की नई उम्मीद जगी है।

सीएम मान ने कहा कि इस मामले में गवर्नर की सिफारिश की जरूरत है क्योंकि केस की सुनवाई दिल्ली में हो रही है। साथ ही, उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगर हवारा को पैरोल दी जाती है, तो पंजाब सरकार यह पक्का करने की पूरी जिम्मेदारी लेगी कि कानून-व्यवस्था पर कोई असर न पड़े।

गवर्नर से इस मामले पर मानवीय आधार पर विचार करने का आग्रह करते हुए सीएम मान ने कहा कि जगतार सिंह हवारा पिछले 31 सालों से चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल में बंद हैं। उनकी मां बुजुर्ग हैं, उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रही हैं और अभी अर्ध-बेहोशी की हालत में हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी बिगड़ती सेहत को देखते हुए मैंने गवर्नर से अनुरोध किया है कि वे जल्द से जल्द जगतार सिंह हवारा को 10 दिन की पैरोल देने पर विचार करें ताकि वह अपनी मां से मिल सकें।

उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ के एडमिनिस्ट्रेटर होने के नाते इस मामले में फैसला लेने के लिए गवर्नर की सिफारिश जरूरी है। इसलिए, मामले के मानवीय पहलू और जगतार सिंह हवारा की मां की बिगड़ती सेहत को देखते हुए मैंने गवर्नर से जल्द से जल्द फैसला लेने का आग्रह किया है।

पंजाब सरकार की ओर से कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी का भरोसा दिलाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जगतार सिंह हवारा के घर जाने के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति के लिए राज्य सरकार पूरी गारंटी लेती है।

असम सरकार बाढ़ राहत के लिए 72 यूट्यूबरों द्वारा इकट्ठा किए गए फंड की करेगी जांच

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार बाढ़ राहत के लिए असम और राज्य के बाहर के 72 यूट्यूबर्स द्वारा जुटाए गए फंड की जांच करेगी और यह पता लगाएगी कि क्या पैसा राज्य तक पहुंचा है और उसका इस्तेमाल कैसे किया गया है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि सरकार उन लोगों और कंटेंट क्रिएटर्स की तारीफ करती है जिन्होंने बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए संसाधन जुटाए हैं, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पारदर्शिता बनाए रखने और राहत कार्यों के दोहराव को रोकने के लिए फंड का सही हिसाब-किताब जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा, '72 यूट्यूबर्स ने राज्य के बाहर से फंड इकट्ठा किया है। हम यह पता लगा रहे हैं कि फंड राज्य तक पहुंचा है या नहीं।' उन्होंने कहा कि सरकार उन लोगों से जानकारी मांगेगी जिन्होंने चंदा इकट्ठा किया है कि पैसा किस तरह और कहां खर्च किया गया।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, 'कई लोगों ने योगदान देना शुरू कर दिया है, लेकिन हम उनसे पूछेंगे कि उन्होंने फंड का इस्तेमाल कहां किया है। हम पूछेंगे कि इसका इस्तेमाल कहां हुआ है ताकि कोई दोहराव न हो।'

उन्होंने असम के यूट्यूबर और जमीनी स्तर पर राहत कार्य करने वाले समय गोगोई की भी बाढ़ प्रभावित समुदायों की मदद करने के प्रयासों के लिए तारीफ की। सरमा ने कहा, 'समय गोगोई ने अच्छा काम किया है' और कई अन्य लोग भी राहत कार्यों में मदद के लिए आगे आए हैं।

तमिलनाडु विधानसभा ने लोकसभा की सदस्य संख्या 543 पर ही सीमित रखने का प्रस्ताव किया पारित

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा ने बुधवार को मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय द्वारा पेश एक विशेष प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव में केंद्र सरकार से आग्रह किया गया है कि भविष्य में होने वाले परिसीमन (सीमा-निर्धारण) को लेकर जताई जा रही चिंताओं के बीच लोकसभा की सदस्य संख्या को स्थायी रूप से 543 पर ही बनाए रखा जाए और राज्यों के बीच संसदीय सीटों के मौजूदा बंटवारे को सुरक्षित रखा जाए।

प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को आवंटित लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या दशकों से जनसंख्या-आधारित पुनर्वितरण से सुरक्षित रही है और 1971 की जनगणना इस लंबे समय से चली आ रही रोक का आधार रही है।

मुख्यमंत्री ने एक संवैधानिक संशोधन बिल का जिक्र किया जो अप्रैल 2026 में संसद में गिर गया था। इस प्रस्तावित कानून का मकसद परिसीमन पर लगी पाबंदियों को हटाना, 2011 की जनगणना के आधार पर चुनाव क्षेत्रों की सीमाएं फिर से तय करना और लोकसभा की सदस्य संख्या में काफी बढ़ोतरी करना था।

मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि ऐसी खबरों से कि संसद में फिर से ऐसा ही प्रस्ताव लाया जा सकता है। तमिलनाडु में चिंताएं फिर से बढ़ गई हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-: : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....34322..../ न. पा. नि. / जोन क्र.9/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026
इश्तिहार
नामंतरण प्र.क्र. 34322
वार्ड का नाम - 7 - कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR226E01105 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती NANDANI SAH पिता / पति श्री श्रीमती LOKNATH SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती पूर्णिमा यादव पिता/पति श्री कुबेर यादव ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....34249..../ न. पा. नि. / जोन क्र. 9/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026
इश्तिहार
नामंतरण प्र.क्र. 34249
वार्ड का नाम - 7 - कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR226E01010 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती OM PRAKASH, BIRBAL, CHANDRIKA, UTTAM पिता / पति श्री/श्रीमती LT.GANGARAM SARVA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / चन्द्रिका प्रसाद सार्वा / पिता/ स्व. गंगाराम सार्वा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । शपथ पत्र, आपसी बटवारा नामा, टैक्स रसीद / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....34248..../ न. पा. नि. / जोन क्र. 9/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026
इश्तिहार
नामंतरण प्र.क्र. 34248
वार्ड का नाम - 7 - कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR226E00101 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती OM PRAKASH, BIRBAL, CHANDRIKA, UTTAM पिता / पति श्री/श्रीमती LT.GANGARAM SARVA के नाम से दर्ज है जिसको श्री ओमप्रकाश सार्वा पिता/पति श्री/ स्व. गंगाराम सार्वा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, आपसी बटवारा नामा, टैक्स रसीद / वंशानुक्रम अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34191..../ न. पा. नि. / जोन क्र. 9/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34191
वार्ड का नाम - 8 - महात्मा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR226Z00529 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SAMTA SIKARWAR पिता / पति श्री श्रीमती DR. VAIBHAV JAISWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / व्हीबी बी इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर नीतू कुमारी पिता / पति श्री/श्रीमती विशाल कुमार ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा । प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

अरपा नदी में 70 नाली का गंदा पानी! उच्च न्यायालय ने सरकार से मांगा जवाब

विश्व केसरी

रायपुर/बिलासपुर। बिलासपुर की अरपा नदी के प्रदूषण पर उच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत में बताया गया कि करीब 70 नालों-नालों का बिना इलाज के पानी अरपा में पहुंचना जारी है। डोमुहानी और चिलमटी के नामांकित प्लांट से भी बिना साबुत उपचार के सीवेज नदी में जाने की याचिका सामने आई है।

कई जगहों पर नदी में कचरा और मलबा के जंगल जाने की बात भी कोर्ट में सामने आई।

अब हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव से शपथपत्र के माध्यम से पूछा है कि अरपा को प्रदूषण से बचाने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है।

सरकार ने बताया कि अरपा के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए 2,502 काम किये जा रहे हैं।

वहीं नगर निगम की करीब 103 करोड़ रुपए की कमाई है। चार एसटीपी का निर्माण अंतिम चरण में बताया गया है, जबकि अन्य जिलों में भी सीवेज प्लांट प्लांट बनाए जा रहे हैं।

कोर्ट ने नगर निगम से एसटीपी की संख्या, उनकी क्षमता, निर्माण और निर्माण की पूर्णता की तारीख की जानकारी भी नि:शुल्क है। अब अगली कार्रवाई पर नजर रहेगी।

भविष्य संवारने वाले 160 गुरुजन सम्मानित

विश्व केसरी

रायपुर । शिवानी स्मृति सेवा संस्थान द्वारा विमतारा भवन में आयोजित एक भव्य और गरिमापूर्ण समारोह में 'शिक्षादीप सम्मान समारोह 'के माध्यम से एक सौ साठ गुरुजनों का सम्मान किया गया। शिक्षा के विविध आयामों में सक्रिय प्रबुद्ध जनों को सम्मान दिया गया।इसमें न केवल स्कूल व कॉलेज के अध्यापकों का सम्मान किया गया अपितु अलग अलग विधाओं में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। साथ ही करियर काउंसलर, पेरेंटिंग कोच,प्रतियोगी परीक्षाओं के कोच भी सम्मानित किए गए। समारोह के मुख्य अतिथि केपीएस ग्रुप के कार्यकारी निदेशक आशुतोष त्रिपाठी, कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती रंजन बेन शाह, विशिष्ट अतिथि कर्नल जे.एस.कक्कड़ व छग प्रायवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता थे। अतिथियों ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि विद्यार्थियों के लिए शिक्षक के मन में हमेशा समभाव होना चाहिए। विद्यार्थियों को इस बात की शिक्षा दी जाए कि वे आपस में किसी भी प्रकार के भेदभाव को बढ़ावा ना दें। प्रारंभ में मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन पश्चात्

संस्थान के अध्यक्ष मुकेश शाह ने आयोजन की भूमिका रख स्वागत भाषण दिया। चक्रपिया नृत्य कला केंद्र की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व गुरु वंदना नृत्य प्रस्तुत किया। समारोह में विद्यार्थियों के भविष्य संवारने वाले एक सौ साठ शिक्षकों व गुरुओं को सम्मानित किया गया। जहां एक ओर कराते गुरु अजय साहू सम्मानित किए गए जो नगर निगम के पार्षद हैं तथा पिछले 40 वर्षों से कराते का प्रशिक्षण दे रहे हैं तथा पार्षद बनने के बाद भी प्रशिक्षण देना जारी है, वहीं दुसरी ओर करियर काउंसलर के रुप में वर्षा वरवंडकर व हर्षदा टिचकुले सम्मानित हुए। संगीत गुरु दीपक व्यास,तबला गुरु अशोक कुर्म,कत्थक नृत्य गुरु तरुण कुर्म,फैशन डिजाइनिंग गुरु परविंदर कौर,वकालत गुरु डॉ.देवा देवांगन,योग गुरू नीतू मूंधड़ा,ललित कला प्रशिक्षक मीनाक्षी दुबे,संगीत के जरिए गणित को आसान बनाने वाली शिक्षिका मीनाक्षी केशरवानी,म्यूरल आर्ट प्रशिक्षक अजय पोतदार,सिलाई प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को आजीविका के लिए तैयार करने वाली सिलाई गुरु निशा समदुरकर,कॉलेज में विद्यार्थियों के शिक्षा प्रदाताओं जया सिंह, डॉ.स्मृति अग्रवाल व रिचा ठाकुर समेत कोचिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए प्रेरित करने व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले शिक्षाविदों नीति सिंह यदुवंशी,मोती जैन, डॉ.कविता कुम्भज,अभिषेक खंडेलवाल, नंदकिशोर,हीमल पांडेय समेत नलिनी जैन,उन्नति शुक्ला,विशाखा तोपखानेवाले,अपूर्वा कुचनवार,संगीता पारेख,कृति शाह,साक्षी अग्रवाल,अंजलि मूंधड़ा,मधु साहू,नीलिमा बेनर्जी आदि को सम्मानित किया गया।

सट्टा-पट्टी लिखने वाला आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

कांकेर (रोहित श्रीवास्तव)। 11 अगस्त 2026 को थाना सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि अन्नपूर्णापारा कांकेर निवासी चंगेश खान द्वारा मुक्तिधाम के पास विभिन्न अंकों पर रुपये-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर सट्टा-पट्टी लिखी जा रही है। सूचना की जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियो को देकर तथा पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहसिन खान के पर्यवेक्षण में जिले में थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार साहू के आदेशानुसार उपनिरीक्षक रामेश्वर चतुर्वेदी हमराह स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर मुखबिर के बताए स्थान पर कार्रवाई करते हुए आरोपी चंगेश खान,पिता स्व.नौशाद अली,उम्र 55 वर्ष,निवासी अन्नपूर्णापारा,कांकेर, जिला कांकेर को सट्टा-पट्टी लिखते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से सट्टा-पट्टी,नीले रंग का डॉट पेन,नगदी 5,000/- रुपये तथा ओपो कंपनी का मोबाइल फोन कीमती

10,000/- रुपये कुल 15,000/- रुपये की संपत्ति बरामद कर गवाहों के समक्ष विधिवत जब्त की गई। आरोपी द्वारा विभिन्न अंकों पर रुपये-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर सट्टा खेलना एवं खिलाना पाए जाने पर उसके विरुद्ध धारा 6,7 छत्तीसगढ़ जुआ अधिनियम एवं धारा 112(2) बीएनएस के तहत अपराध क्रमांक 270/2026 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी द्वारा सट्टा खेलना एवं खिलाना स्वीकार किए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया 'हरेली तिहार'

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में छत्तीसगढ़ का प्रमुख कृषि पर 'हरेली तिहार' हर्षोल्लास से मनाया गया। कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रक्षेत्र में पारंपरिक तरीके से आयोजित हरेली तिहार उत्सव के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने बैलों, हलों एवं अन्य कृषि यंत्रों एवं उपकरणों की पूजा-अर्चना की और अच्छी फसल की कामना की। इसके उपरांत कृषि महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में विभिन्न पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं - गेड़ी दौड़, कुर्सी दौड़, फुगड़ी, पिट्ठुल, नारियल फेंक, रस्साकशी (रस्सा-कासी) एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और वहां उत्सव का माहौल निर्मित हो गया। कुलपति डॉ. चंदेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए हरेली तिहार की प्रासंगिकता तथा कृषि एवं पर्यावरण के संबंध में इसके वैज्ञानिक महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होनें कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति

और लोक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व किसानों, गौ-वंश, कृषि उपकरणों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की हमारी समृद्ध परंपरा का प्रतीक है। डॉ. चंदेल ने कहा कि विश्वविद्यालय में ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों एवं पारंपरिक कृषि विरासत से जोड़ना महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर पारंपरिक हरेली प्रसाद तथा छत्तीसगढ़ी व्यंजनों- खुरमी, ठेठरी, अईरसा, बड़ा, पीढ़िया, गुलगुला आदि का वितरण किया गया। स्वागत भाषण और धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने दिया। इस अवसर पर संचालक अनुसंधान, निदेशक विस्तार, निदेशक शिक्षण, निदेशक प्रक्षेत्र, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं अधिष्ठाता खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय सहित अनेक विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, वैज्ञानिकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त महाविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में भी हरेली तिहार का आयोजन

एम्स रायपुर और संबलपुर विश्वविद्यालय के बीच एमओयू

विश्व केसरी

रायपुर। मध्य भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं और अनुसंधान तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर और संबलपुर विश्वविद्यालय (ओडिशा) के बीच आज एक समझौता ज्ञापन (स्ब्न्) पर हस्ताक्षर किए गए। इस रणनीतिक साझेदारी का प्राथमिक उद्देश्य छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों में संयुक्त क्लिनिकल रिसर्च को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य सेवा क्षमता का विस्तार करना और सार्वजनिक स्वास्थ्य व चिकित्सा विज्ञान क्षेत्र में नवोन्मेषी समाधान विकसित करना है।

इस अंतर-संस्थानी सहयोग का मुख्य केंद्र बिना स्पष्ट कारणों के होने वाली क्रॉनिक किडनी डिजीज तथा सिकल सेल रोग जैसी गंभीर क्षेत्रीय स्वास्थ्य समस्याएं रहेंगी। संबलपुर विश्वविद्यालय के उप पंजीयक (अकादमिक) डॉ. ईश्वर बैथारू के अनुसार, ओडिशा के कई जिलों में किडनी रोग के मामलों में असामान्य वृद्धि दर्ज की गई है, जिनके लक्षण छत्तीसगढ़ के छ्यष्ठह्व प्रभावित क्षेत्रों के मरीजों से काफी मिलते-जुलते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए दोनों राज्यों में इस स्वास्थ्य चुनौती की सटीक पहचान और रोकथाम के लिए समन्वित अनुसंधान कीआवश्यकता महसूस की जा रही थी।

साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने कहा कि यह समझौता केवल अकादमिक शोध पत्र प्रकाशित करने तक सीमित नहीं रहेगा।

देशी महुआ शराब बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

कांकेर (रोहित श्रीवास्तव)। को थाना सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बारदेवरी भट्टीपारा स्थित सायकल स्टोर के पास एक व्यक्ति हाथ भट्टी से निर्मित देशी महुआ शराब को बिक्री हेतु रखकर ग्राहकों की तलाश कर रहा है। मुखबीर की सूचना को अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर तथा पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल राखेचा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहसिन खान के मार्गदर्शन में प्रधान आरक्षक कौशल साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित

कर मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी करते हुए शराब रेड की कार्रवाई की गई। पुलिस टीम को देखकर शराब खरीदने आए व्यक्ति मौके से भाग गए,जबकि एक व्यक्ति को मौके पर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम हृदय राम मण्डावी,पिता फुलचंद मण्डावी,उम्र 40 वर्ष, निवासी भट्टीपारा बारदेवरी, जिला कांकेर बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक 10 लीटर की जरकिन में 10 लीटर तथा एक 20 लीटर की लाल रंग की प्लास्टिक जरकिन में 05 लीटर,कुल 15 लीटर देशी महुआ शराब,जिसकी अनुमानित कीमत 1,500/- रुपये तथा बिक्री रकम 200/- रुपये कुल 1,700/- रुपये बरामद की गई।

आदिवासी दिवस पर भाजपा सरकार की बेरुखी दुर्भाग्यपूर्ण - बिरेश ठाकुर

विश्व केसरी

कांकेर (रोहित श्रीवास्तव)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी रायपुर के अहवान पर आज 11अगस्त 2026 को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय कांकेर में आयोजित जिला स्तरीय पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष बिरेश ठाकुर ने विश्व आदिवासी दिवस को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। श्री ठाकुर ने कहा कि 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी समाज की संस्कृति,अस्मिता,परंपरा और जल-जंगल-जमीन के अधिकारों के सम्मान का दिन है। लेकिन यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने इस महत्वपूर्ण दिवस की उपेक्षा की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के मंत्री,विधायक एवं प्रमुख नेताओं ने विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी समाज को शुभकामनाएं प्रेषित करना तक उचित नहीं समझा। इससे आदिवासी समाज के प्रति भाजपा की सोच और प्राथमिकता स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय विश्व

आदिवासी दिवस को पूरे सम्मान और गौरव के साथ मनाया जाता था तथा शासकीय अवकाश की व्यवस्था कर आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपराओं को सम्मान दिया गया था। इसके विपरीत वर्तमान सरकार के रवैये से आदिवासी समाज स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहा है। श्री ठाकुर ने कहा कि भाजपा आदिवासियों को केवल वोट बैंक के रूप में न देखे। एक ओर भाजपा आदिवासी हितैषी होने का दावा करती है,वहीं दूसरी ओर आदिवासी समाज के सबसे महत्वपूर्ण दिवस पर उसके मंत्री और विधायक शुभकामनाएं तक नहीं देते। कांग्रेस ने सवाल किया कि आखिर भाजपा सरकार और उसके जनप्रतिनिधियों को विश्व आदिवासी दिवस से इतनी दूरी क्यों है?उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं,बल्कि अपनी जड़ों, संस्कृति,पूर्वजों और अधिकारों को याद करने का दिन है। छत्तीसगढ़ की पहचान आदिवासी संस्कृति के बिना अधूरी है। बस्तर, कांकेर,सरगुजा सहित प्रदेश के आदिवासी अंचलों ने अपनी मेहनत,संस्कृति और संघर्ष से छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान बनाई है।

बस्तर जा रही मुंबई की बाइकर की मौत, ट्रेलर ने मारी टक्कर

विश्व केसरी

रायपुर। मुंबई से बस्तर घूमने निकली 24 साल की बाइकर रिद्धि ठक्कर की छत्तीसगढ़ में सड़क हादसे में मौत हो गई। 23 राइडर्स का दल रायपुर से कांकेर की ओर जा रहा था। इसी दौरान धमतरी के पास मरकाटोला

घाट में पीछे चल रही रिद्धि की बाइक को ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में रिद्धि गंभीर रूप से घायल हो गईं। साथी बाइकर्स और स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

रिद्धि मुंबई के कांदिवली की रहने वाली थीं। हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर चालक और ट्रेलर की तलाश शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव मुंबई भेजने की तैयारी की जा रही है।

हरेली पण्डुम पर गोंड समाज के नव निर्मित भवन का लोकार्पण

विधायक विक्रम मंडावी बोले- समाज को नई दिशा देने के लिए समन्वय और एकजुटता जरूरी

विश्व केसरी

बीजापुर (के. संतोष)। प्रकृति, पर्यावरण और कृषि के प्रथम पर्व हरेली पण्डुम के अवसर पर गोंड समाज के नव निर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी शामिल हुए। अतिथियों के स्वागत के पश्चात पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार कृषि औजारों की पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद विधायक विक्रम मंडावी ने भवन का लोकार्पण किया। तत्पश्चात पुरखा देवों की अर्जी कर समाज की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की कामना की गई।

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने गोंड सामाजिक भवन के निर्माण पर समाज को बधाई देते हुए कहा कि यह भवन नियमित बैठकों और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए समन्वय आवश्यक है तथा अंतिम व्यक्ति को साथ लेकर चलना होगा। समाज की पहचान उसकी एकता और संगठन से होती है, इसलिए सभी को समाज की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए।

गोंड समाज अध्यक्ष कामेश्वर दुब्बा ने कहा कि समाज के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। नव निर्मित सामाजिक भवन सामाजिक भाईचारा, एकता और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि यह भवन समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का कार्य करेगा।

सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष ललित नरेटी ने प्रकृति, पर्यावरण और आदिवासी समुदाय की सामूहिकता तथा वैज्ञानिक जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हरेली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आदर और सामूहिक जीवन शैली का प्रतीक है। उन्होंने इस परंपरा और संस्कृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का आह्वान किया। गोंडवाना समन्वय समिति के अध्यक्ष अमित कोरसा ने कहा कि जिले के सभी आदिवासी समाज न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में एकजुट होकर भागीदारी निभा रहे हैं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और समाज के हितों के लिए भी संगठित होकर कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह को कमलेश कारम, नीना रावतिया उद्दे एवं अशोक तलांडी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में समाज प्रमुखों, युवाओं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

31 पात्र बालिकाओं को साइकिल का वितरण

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुंरा विकासखंड नवागढ़ के प्राचार्य जगजीवन राम साहू, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के शिक्षिका चंद्रिका मनोत्तर को सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन संकुल कुंरा में किया गया। कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यार्थियों के द्वारा अतिथियों के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दयाल दास बघेल मंत्री खाद नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग (छत्तीसगढ़ शासन), कार्यक्रम की अध्यक्षता किए अजय साहू जिला अध्यक्ष भाजपा बेमेतरा, अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अंजू बघेल सभापति जिला पंचायत बेमेतरा, खोरबाहरा राम

साहू अध्यक्ष जनपद पंचायत नवागढ़, माया हीरा बारले जी उपाध्यक्ष जनपद पंचायत नवागढ़ के गरिमामय उपस्थिति में सेवानिवृत्त समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एवं जनप्रतिनिधियों, एसएमसी अध्यक्ष, पालक समुदाय एवं विद्यालय परिवार की ओर से शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की कामना की। विदाई बेला में जगजीवन राम साहू प्राचार्य कुंरा के द्वारा विदाई संदेश देते हुए बताया कि 42 वर्ष 4 माह के शिक्षकीय सेवा कार्य के दौरान विभिन्न पद पर भी कार्य करने का अवसर मिला। बीआरसी नवागढ़ के पद पर कार्य करते हुए शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए अधिकारी एवं कर्मचारियों के सहयोग से सफल रहे। अपने अनुभव बताते हुए बताया कि व्यक्ति को जीवन में सफलता के लिए अनुशासन, निरंतर परिश्रम और सकारात्मक सोच अत्यंत आवश्यक है। लक्ष्य के प्रति समर्पित होना चाहिए। विदाई समारोह का सफल मंच संचालन संकुल समन्वयक कुंरा जितेंद्र कुमार चौहान के द्वारा किया गया।

संपादकीय

जंतर-मंतर से झारखंड तक बदलते चेहरों का सच

आचार्य ललित मुनि

दिल्ली के जंतर मंतर से संसद तक मार्च की 20 जुलाई को शुरुआत हुई। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के बैनर तले शुरू हुआ यह आंदोलन नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक के विरोध में था, लेकिन जब भीड़ संसद भवन की ओर बढ़ी तो हालात बिगड़ गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके, बैरिकेड तोड़ने की कोशिश हुई और संसद परिसर में घुसने का प्रयास किया गया, जिसे सुरक्षा बलों ने बलपूर्वक विफल कर दिया। जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। मामला इतना गंभीर हुआ कि दिल्ली हाईकोर्ट में इस हिंसा की एनआईए जांच की मांग वाली याचिका तक दायर हो गई।

घटना के फौरन बाद कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी और वामपंथी दलों सहित लगभग पूरा विपक्ष जंतर मंतर पर उतर आया। अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से युवाओं को देशद्रोही कहना बंद करने की मांग करते हुए कॉकरोच आंदोलन को खुला समर्थन दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाने और छात्रों से माफी मांगने की मांग कर डाली। राहुल गांधी ने संसद में सरकार से सीधा जवाब मांगा। नतीजा यह हुआ कि संसद का मानसून सत्र इसी मुद्दे पर लगातार बाधित होता रहा और कार्यवाही बारबार स्थगित हुई।

यह सक्रियता स्वाभाविक भी लग सकती थी, अगर यही तेवर देश के अन्य हिस्सों में भी दिखता, जहां ठीक इसी तरह के मुद्दों पर छात्र महीनों से सड़कों पर हैं। झारखंड की राजधानी रांची में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ छात्र दो सप्ताह से ज्यादा समय से आंदोलनरत हैं। 10 अगस्त को जब छात्रों ने विधानसभा का घेराव करने की कोशिश की, तो पुलिस ने वाटर कैनन, लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोलों का लगातार इस्तेमाल किया। कई छात्र घायल हुए और दर्जनों हिरासत में लिए गए।

झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार है, जिसमें कांग्रेस भी सहयोगी दल के रूप में शामिल है। यही वजह है कि जब वहां लाठियां चलीं तो सवाल सीधे कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा दोनों पर उठे। राहुल गांधी

ने सोशल मीडिया पर एक संक्षिप्त पोस्ट के जरिए बल प्रयोग को गलत बताया और सरकार से बातचीत के जरिए हल निकालने की सलाह दी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने भी लाठीचार्ज की न्यायिक जांच की मांग की। लेकिन यह प्रतिक्रिया जंतर मंतर जैसी तीव्रता, दिल्ली में लगातार धरना, सांसदों की भीड़, संसद ठप्प करने की जिद और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगने जैसे लगातार दबाव से कोसों दूर रही। न राहुल गांधी रांची पहुंचे, न अरविंद केजरीवाल ने कोई विमान पकड़ा, न ममता बनर्जी या अखिलेश यादव की ओर से कोई ठोस सार्वजनिक बयान आया, न सीजेपी के नेता अभय दीपक वहां छात्रों के बीच नजर आए।

यही सवाल भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी सार्वजनिक मंच से उठाया, जब उन्होंने पूछा कि राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल झारखंड कब जा रहे हैं और वे राज्य के शिक्षा मंत्री तथा मुख्यमंत्री का इस्तीफा कब मांगेंगे। यह सवाल भले राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की ओर से आया हो, पर तथ्य यही है कि जंतर मंतर पर जितनी बेचैनी दिखी, रांची की सड़कों पर उतनी बेचैनी विपक्ष के बड़े चेहरों में दिखाई नहीं दी।

कर्नाटक में भी कमोबेश यही कहानी दोहराई गई। कृषि अधिकारी भर्ती परीक्षा की पात्रता शर्तों को लेकर छात्रों का गुस्सा इतना बढ़ा कि 8 और 9 अगस्त की परीक्षा ही टालनी पड़ी। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में छात्र डटे रहे। कांग्रेस शासित इस राज्य में गृह मंत्री प्रियंक खरगे का बयान भी विवादों में आया, जब उन्होंने इस्तीफे की मांग पर तीखा जवाब देते हुए कहा कि पहले लंबा अनशन और लाठीचार्ज झेलिए, तब इस्तीफे पर विचार करेंगे। बाद में उन्होंने सफाई दी कि यह बयान भाजपा की राजनीति पर था, लेकिन संदेश साफ चला गया कि अपने राज्य में सत्तारूढ़ दल के लिए वही सख्ती नहीं दिखती जो केंद्र के खिलाफ दिखाई जाती है।

केरल और पंजाब में भी परीक्षा सुधार और भर्ती प्रक्रिया को लेकर छात्र संगठन लगातार विरोध अभियान चला रहे हैं, जहां क्रमश: वामपंथी और आम आदमी पार्टी की सरकारें हैं। पर इन राज्यों में हुए विरोध प्रदर्शनों को वह राष्ट्रीय मंच, वह मीडिया कवरेज और वह संसद ठप्प करने वाला रोष कभी नहीं मिला, जो जंतर मंतर की घटना को मिला।

असामाजिक हो रहे सोशल मीडिया का नियमन जरूरी

उमेश चतुर्वेदी

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बीजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। यह आग सीरिया, यमन और लीबिया तक जा

पहुंची। वहां के पारंपरिक शासकों के खिलाफ लोगों का दबा हुआ गुस्सा निकला और कई जगह सत्ताएं बदल गई। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। फिर पंजाब में भी उसने पैठ बना ली।

इन घटनाओं को याद करना इसलिए, जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। सोशल मीडिया के बारे में कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लेकिन यह उतना ही सच है कि इस माध्यम ने लोगों की नजर का पानी उतार दिया है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसके चरित्र पर आक्षेप लगाया जा सकता है। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उम्र चाहे जितनी भी बड़ी क्यों ना हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं। भले ही अपने परिवारों में महिलाएँ और युवतियां सलीके से रहती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने और उसके जरिए कुछ कमाने के चक्कर में अपने शील और अपनी लज्जा को भी बेपर्दा कर रही हैं। सोशल मीडिया कितना असामाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका अलगोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है।

तीन साल पहले प्यू रिसर्च सेंटर ने 19 विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सोशल मीडिया को लेकर एक शोध किया था। उसके मुताबिक, आम नागरिकों की नजर में सोशल मीडिया राजनीतिक जीवन के लिए रचनात्मक और विनाशकारी दोनों है। इस अध्ययन में शामिल देशों में, औसतन 57 प्रतिशत लोगों ने माना कि सोशल मीडिया लोकतंत्र के लिए अच्छा है, लेकिन इसे विनाशकारी मानने वालों की संख्या भी कम नहीं रही। करीब 35 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का का कहना था कि सोशल मीडिया विनाशकारी साबित हो रहा है। सिर्फ 34 प्रतिशत अमेरिकियों ने ही सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए लाभकारी माना, जबकि 64 फीसद का कहना था कि इसने नकारात्मक प्रभाव ज्यादा डाला है। हाल ही में जेन जी से चर्चा के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी सोशल मीडिया को लेकर अपने विचार व्यक्त किए।

उसमें उन्होंने कहा है कि यदि सोशल मीडिया पर उनके कारण दस लाख लोग कोई गलत निर्णय लेते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी मेरी भी है। सोशल मीडिया पर सकारात्मक, उपयोगी और समाजहित की सामग्री साझा करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर केवल प्रामाणिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करना चाहिए। जेन-जी में भी यह विवेक विकसित होना चाहिए कि क्या सही है और क्या नहीं। वरिष्ठ पीढ़ी की भी जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करे तथा उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाए।

सोशल मीडिया का अनसोशल चेहरा और मंच आर्थिक कमाई का जरिया भी है। नंगई, हिंसा और व्यभिचार-अतिचार की कहानियां, दृश्य, वीडियो और फोटो को वायरल करने में उसका कोई सानी नहीं है। इस बहाने इसे प्रसारित करने वाले को सोशल मीडिया मंच आर्थिक कमाई भी कराते हैं। और तो और, वे खुद भी ऐसी घटनाओं, दृश्यों को प्रसारित-प्रचारित और वायरल करने के लिए बड़ी रकम लेते हैं।

संसदीय समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इन कोशिशों का मकसद भारत में व्यापक पैमाने पर लोगों को उत्तेजित करके अराजकता फैलाना था। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती भी दे रहे हैं। वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं। जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं।

भागवत की नजरों में जेन-जी आंदोलन का दृष्टिकोण

ललित गर्ग

जंतर-मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भारत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया।

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा।

भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार-बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है-क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी।

बोध कथा

क्षणिक और मिथ्या होते हैं सांसारिक संबंध

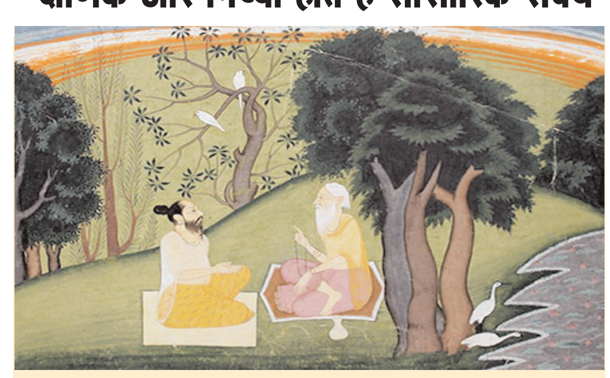

एक बार संत के पास एक सत्संगी युवक आया। संत ने उससे हाल-चाल पूछा, तो उसने स्वयं को अत्यंत सुखी बताया। वह बोला, 'मुझे अपने परिवार के सभी सदस्यों पर बड़ा गर्व है। उनके व्यवहार से मैं संतुष्ट हूँ। संत बोले, तुम्हें अपने परिवार के प्रति ऐसी धारणा नहीं बनानी चाहिए। इस दुनिया में अपना कोई नहीं होता। जहां तक मां-बाप की सेवा और पत्नी-बच्चों के पालन-पोषण का संबंध है, उसे तो कर्तव्य समझकर ही करना चाहिए। उनके प्रति मोह या आसक्ति रखना उचित नहीं।' युवक को बात जँची नहीं, बोला, आपको विश्वास नहीं कि मेरे परिवार के लोग मुझ पर अत्यधिक स्नेह करते हैं। यदि एक दिन घर न जाऊँ, तो उनकी भूख-प्यास उड़ जाती है और नींद हराम हो जाती है और पत्नी तो मेरे बिना जीवित ही नहीं रह सकती।' संत बोले, 'तुम्हें प्राणायाम तो आता ही है। कल सुबह उठने के बजाय प्राणवायु मस्तक में खींचकर निश्चेष्ट पड़े रहना। मैं आकर सब संभाल लूँगा।' दूसरे दिन युवक ने वैसा ही किया। प्राणायाम से उसने अपनी श्वास को रोक लिया और मृत समान लेटा रहा। उसे निर्जीव जान कर घर के सब लोग विलाप करने लगे। योजना के अनुसार संत उसी समय वहाँ पहुँचे।

चुटकुले

संता ने बंता से पूछा: तुम्हारी बेटी की सगाई 2 साल पहले हुई थी,

शादी क्यों नहीं की अब तक?

बंता ने कहा: यह सब लड़के की वजह से है। लड़का एक वकील है, तो जैसे ही शादी की तारीख पास आती है,

वह कोई ना कोई बहाना करके तारीख आगे बढ़ा देता है। ??

साइकल से संता ने एक आदमी को टक्कर मार दी और बोला: आप बहुत लकी हो।

घायल व्यक्ति: ओए, एक तो मुझे टक्कर मारी और ऊपर से कह रहा है कि मैं लकी हूं, कैसे?

संता: आज मेरी छुट्टी है, नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं। ??

बंता: तुम खाली पेट होने पर कितने केले खा सकते हो?

संता (कुछ पल सोचकर कहा): मैं 6 केले खा सकता हूं।

बंता ने हंसते हुए जवाब दिया: गलत जवाब दोस्त,

पहला केला खा लेने के बाद तुम्हारा पेट खाली कहां रहेगा?

इसलिए खाली पेट होने पर तुम केवल

एक ही केला खा सकते हो।

मजेदार हिंदी जोक्स

संता का बेटा बंटी ने बंता के बेटे पप्पू से पूछा: यार, तुमने स्कूल आना क्यों छोड़ दिया?

पप्पू: मेरे पापा कह रहे थे कि, एक जगह बार-बार जाने से इज्जत कम हो जाती है। ??

डॉक्टर: कल रात को क्या खाया था?

लड़की: बर्गर, पिज्जा और कोक!

डॉक्टर: देखो ये फेसबुक नहीं है, सच बताओ

लड़की: जी... बासी रोटी और टिंडे की सब्जी! ??

पप्पू: चैटिंग किसे कहते हैं?

गप्पू: पता नहीं, तुम ही बताओ!

पप्पू: जो एक दूसरे का थोबड़ा देखे बिना ही एक दूसरे को पकाते हैं।

व्यंग्य केसरी

आजादी की तलाश में आम आदमी

शर्मिला चौहान

'गुलामी की हलुआ-पूड़ी से स्वतंत्रता की घास भली' इस वाक्य ने जब बांकेलाल के हृदय में बवाल मचाया तो उसने आजादी का नारा लगाया।

शुरुआत अपने घर से की। आज पत्नी के जगाने पर तुनककर बोले, 'घर मेरा, बिस्तर मेरा, मन मेरा, जब चाहूँ उठूँ। सोने-उठने की आजादी भी अब तुमसे लेनी होगी?' पत्नी की चढ़ती त्यौरियां को इग्नोर कर उन्होंने मुँह लपेट लिया। अब आजादी के मतवाले का मुँह लपेटना, आजादी की कथित दात्री को न भाया और दिनभर पक्ष-विपक्ष कुरुक्षेत्र में तना रहा।

चाय न मिलती देख बांकेलाल ने ठंडी पड़ी रसोई और आगबबूला पत्नी को देखा, तो क्रांतिकारी आत्मा ने उनके शरीर में प्रवेश कर लिया।

'चाय नहीं तो ऑफिस नहीं। ऑफिस नहीं तो तनख्वाह नहीं और तनख्वाह नहीं तो कुछ भी नहीं।' पत्नी पर दबदबा बनाते हुए बांकेलाल ने नारा लगाया।

मौन सत्याग्रही बांकेलाल की पत्नी ने बिना कुछ कहे बोले सूटकेस सजाया और मायके फोन लगाने लगी।

घर पर गुलामी के बंधन को और कसता देख, बांकेलाल मोहल्ले में आजमाईश करने निकल पड़े।

नुक्कड़ के मोड़ पर कचरे का कुतुबमीनार देखकर, न्याय और अधिकारों के लिए तड़पते बांकेलाल के मन ने अनशन पर बैठने का निर्णय ले लिया। नुक्कड़ का हलवाई, पानवाला, कपड़े आयरन करने वाला, किराना वाला सभी को अपने अनशन में साथ देने के लिए बांकेलाल ने राजी कर लिया। अपने नेतृत्व क्षमता पर मोर की चाल से घर पहुंचे।

'अपनी मांग के लिए, हम आमरण अनशन पर बैठ रहे हैं।' बांकेलाल ने अपना कुछ सामान थैली में भरते हुए पत्नी से कहा।

'दम निकल भी जाए तो हमारे छोड़ कोई उठाने भी नहीं आएगा। चाय नहीं मिली तो सड़क पर अनशन का प्रोग्राम बना लिए।' चाय के साथ बिस्कुट खाती पत्नी बड़बड़ाई।

'चाय के लिए नहीं, कचरे के बढ़ते ढेर, दुर्गन्ध, अस्वच्छता को मुद्दा बना कर धरना देंगे हम।' बांकेलाल ने गर्व से कहा।

'और कौन सी पार्टी है तुम्हारी?' राजनीति की जानकार थी बांकेलाल की पत्नी।

'पार्टी-वार्टी नहीं है हम तो आम आदमी हैं।' बांकेलाल की बात पर उनकी पत्नी हँस पड़ी।

'बिना पार्टी, बिना झंडा कौन नेता बनता है। क,ख,ग, घ तो सीखो पहले फिर ग्रंथ लिखना।' मौन सत्याग्रह टूट गया था पत्नी का।

'हाँ, हम पाँच लोग बैठेंगे तो पंच पार्टी रख लेंगे, नाम क्या कुछ भी रखो।' शान से बांकेलाल बोले।

'फैशन, ट्रेंड कुछ मालूम है? कीड़े-मकोड़े, इल्ली, चूहा-बिल्ली के नाम से पार्टी बनती है आजकल।' पत्नी ने आँखें तरेरीं।

'अरे, वो तो बच्चों का काम है बड़े तो आज भी घड़ी, साइकिल सीटी, फूल, चश्मा, लालटेन पर ही अटके हैं।' बांकेलाल ने समझाया।

'नए जमाने के साथ कदम मिलाओ, कीड़े-मकोड़ों, सांप-बिच्छू, मक्खी-मच्छर के नाम से पार्टी बनाओ। थोड़ी गाली-गलौज की प्रेक्टिस करो, देखो तुम्हारी माँग के आगे घुटने टेक देगी दुनिया।' पत्नी ने राज की बात बताई।

इतिहास

13 अगस्त का दिन भारत और विश्व के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जैसे—भारत के पहले स्वदेशी विमान की उड़ान, बर्लिन की दीवार का निर्माण, और स्टेनलेस स्टील के आविष्कार के लिए दर्ज है।

भारत के इतिहास में 13 अगस्त की मुख्य घटनाएं:

1951: भारत में निर्मित पहले विमान 'हिंदुस्तान ट्रेनर-2' ने सफलतापूर्वक अपनी पहली उड़ान भरी थी?

1956: लोकसभा में राष्ट्रीय राजमार्ग विधेयक पारित किया गया था?

1993: भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने क्रायोजेनिक इंजन के विकास के लिए रूस के साथ समझौता किया था।

मणिपुर में पैट्रियट्स डे : मणिपुर में हर वर्ष 13 अगस्त को 'देशभक्त दिवस' मनाया जाता है।

अमर बलिदान देकर जोतूमल सिंधी ने दिलाई आजादी

स्वतंत्रता दिवस पर कांकेर संवाददाता की विशेष रपट

विश्व केसरी■

कांकेर (डॉ.दिनेश मिश्रा)। विभाजन के पूर्व वर्तमान पाकिस्तान के उपर सिंध के जिला लारकाना के कम्बर तहसील के ग्राम कम्बर में सन 1913 को जोतूमल रामराख्योमल आसवानी का जन्म हुआ। कक्षा छटवी तक शिक्षा प्राप्त जोतूमल सन 1938 में 25 वर्ष की आयु में इंडियन नेशनल कांग्रेस में शामिल हुए तथा 1940 में इंडियन नेशनल कांग्रेस के संयुक्त सचिव,कम्बर, निर्वाचित हुए,सन 1942 में पहली जेल यात्रा हुई,10 सितम्बर 1942 जेल, डिफेन्स ऑफ इंडिया रूल्स के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया,और तीन माह तक लारकाना अस्पताल जेल में रहा,गिरफ्तार कर पुलिस सबसे पहले अंग्रेज कप्तान के पास ले गयीं फिर कप्तान ने मुझे कहा कि आपने अंग्रेजी शासन के खिलाफ जो पर्ची बांटी और लोगों में सरकार विरूद्ध बातें बतायी है,आपको क्यो ना गोली मार दी जाये। लेकिन जोतूमल स्वतंत्रता का दीवाना अंग्रेज कप्तान के सामने बेखौफ खड़ा रहा,इसलिए जोतूमल को जिला कलेक्टर के पास कार्यवाही हेतु भेज दिया। सुबह जब कलेक्टर के पास पेशी में गये तो उन्होंने 1000/- रुपये जुर्माना और कोर्ट के उठते समय तक की सजा सुनाई गई। उसके बाद हमे फिर से 6 माह के लिये जेल भेज दिया गया। दो माह के बाद कलेक्टर जेल देखने आया तो मैंने अपनी बीमारी के बारे में बताया कि हमें दूसरी जगह तबादला कर दिया जाये,क्योंकि उपर वाले बंदी जिस नाली में मल मूत्र त्यागते थे वह नीचे आता था और उनकी बदबू से मेरी तबीयत खराब हो गई थी। कलेक्टर ने आदेशानुसार मुझे दूसरे दिन कोर्ट में बुलाया गया। वहां मुझे कहा गया कि यदि सरकार आपको छोड़ देती है तो सरकार के खिलाफ बगावत तो नही करोगे ? मैंने जवाब दिया जब तक हमें कांग्रेस का आर्डर है तब तक नहीं छोड़ूंगा। कलेक्टर ने मुझे फिर से जेल में भेज दिया। जब मैं जेल से बाहर आया तो बाघुटी केसवानी बोले कि अंग्रेज सरकार की नोटिस को तोड़ दो और दो लड़के हमारे साथ में दिये और पांच रूपये में टांगा कर दिया। मैं सीधे कम्बर चला गया। रात में कम्बर में रहा सुबह करीबन 9 बजे में कोमी झंडा हाथ में उठाया और शहर की ओर जा ही रह था कि पुलिस ने जोतूमल को फिर से गिरफ्तार कर लिया और जोतूमल के साथ दोनों लड़को को भी गिरफ्तार कर लिया,अंग्रेजों चल जावें हिन्दुस्थान हमारा है,हम यह नारा लगा रहे थे। पुलिस ने जोतूमल को लारकाना लाकर अस्पताल जेल में तीन दिन रखने के बाद कलेक्टर के पास पेश किया गया। कलेक्टर ने मुझे 200.00 रूपये जुर्माना या 6 माह का जेल की सजा दिया। दूसरा केस कौमी झंडा उठाने का रेजीमेंट मजिस्ट्रेट के पास चला जिसमें जोतूमल को छोड दिया गया और मेरे साथ के दोनों लड़कों को 6-6 माह के सजा हो गई। दूसरी बार पुनः 6 माह के लिये जेल भेज दिया गया। शख्खर के पुराना स्पेशल जेल में भेज दिया गया जहां सारे सिन्ध प्रान्त के बड़े नेतागण उसी जेल में थे। छः माह जेल काटने के बाद निकलते ही पुलिस ने जोतूमल को गिरफ्तार कर लिया और जोतूमल से कहा तुम पर दूसरा केस चल रहा है। रात्रि मे लारकाना जेल में रहा,सुबह मुझे रेजीमेन्ट मजिस्ट्रेट के पास पेश किया गया। वंहा से जोतूमल को छोड दिया गया। सन् 1943 में महात्मागांधी की अपील तथा एक अन्य पुस्तक जिसे सरकार द्वारा जप्त कर ली गई थी वह दोनों पुस्तकें करांची से जोतूमल के पास आई,और उसे शहर में बांटा और जिसके कारण डिप्टी सुपरिन्टेन्डेंट ने गिरफ्तार कर लिया,जिनको मैंने पुस्तकें बेची थी उन्हें भी गिरफ्तार किया गया। उसमे से काफी लोग माफी मांग कर छूट गये,जोतूमल को पुलिस फिर से एक बार लारकाना जेल में ले गई, वहां मुझे रजा कलेक्टर के पास पेश किया गया रजा कलेक्टर ने पुलिस को अपने कक्ष से बाहर भेजकर कहा कि मैं आईसीएस आफिसर हूँ, आजादी के लिए जितनी मुहब्बत तुनको है,गांधी की किताब बाटने के लिये तुमको फांसी हो सकती है या आजीवन कारावास भी हो सकता है। लेकिन मैं तुमको मजबूरी में तीन माह की सजा दे रहा हूँ,कहकर फिर से जोतूमल को 3 माह के लिये जेल भेज दिया गया। लक्सर सेंट्रल जेल में 3 महीने जेल काटने के बाद जोतूमल कम्बर शहर में आ गये। कलेक्टर रजा ने जोतूमल को बुलवाकर, कुर्सी से उठकर मुझसे बड़े मुहब्बत के साथ मिले,जेल के हाल-चाल पूछने के बाद, उन्होंने कहा कि आपके लायक जो भी सेवा हो में करने को तैयार हूँ,इस तरह जोतूमल ने तेरह माह जेल की सजा काटा। सन् 1944 में जोतूमल कांग्रेस के जनरल सेकेटरी कम्बर और जिला कांग्रेस कमेटी का मेम्बर बना,मेरा पहला काम था,हरिजन बच्चों को रात में पढाना और जोतूमल प्रति दिन उन्हें पढ़ाया करते थे।उस समय छूआछूत भी था, इसलिये कांग्रेस सेवा दल बनाया और छोटे छोटे गांवों में जाकर साफ़-सफाई का काम किया करते थे। ग्रामीणों से तकलीफों की जानकारी एकत्रित कर, रजिस्ट्रर में दाखिल करता था,प्रति सप्ताह जिला कांग्रेस की रिपोर्ट भेजता था,जिसे दुखेल नाम के अखबार प्रकाशित किया जाता था। मेरा गुजारा अखबार बेचकर चलता था मैं करांची म्युचुवल एन्सोरेन्स कंपनी का एजेंट था,जिससे जोतूमल को 300/- रूपया महीना की कमाई होती थी। चरखा चलाने का सीखाने का और कताई का काम भी करता था। ग्राम बागेदारों में जब कालरा की बीमारी हुई,तब जोतूमल कांग्रेस की ओर से दूध में सोडा मिलाकर पिलाने की सेवा किया करते थे।उस वक्त मुसलमान लोग कांग्रेस पार्टी में शामिल नहीं होते थे। जोतूमल और उन सहयोगियों ने बेर ग्राम तहसील कम्बर के 15 मुसलमान भाई को कांग्रेस में शामिल कराकर उन्हें कांग्रेस का मेम्बर बनाया। भारत-पाक विभाजन के समय सन 1947 में जोतूमल ने परिवार के साथ पाकिस्तान छोड दिया। रास्ते में लुटेरों ने जोतूमल का सारा सामान लूटरो ने लूट लिया। जनवरी 1948 को जोतूमल परिवार को लेकर भारत के दिल्ली में पहुंचा। जोतूमल के साथ अनेक लोग भी दिल्ली आये। दिल्ली से सन् 1962 में जोतूमल परिवार सहित कांकेर जिला बस्तर में आये,कांकेर आने के बाद बड़ी मुश्किल से उनके परिवार का गुजारा होता था,लेकिन किसी के आगे हाथ फैलाने के बजाय जोतूमल ने घूम-घूमकर चाय बेचना शुरू किया। उस समय सिंध समाज कांकेर के मुखी दीवान श्रीचंद केवलरामनी ने जोतूमल की स्थिति देखकर प्रयास किया और जोतूमल को स्वन्त्रता संग्राम सेनानी का दर्जा दिलवाने में सफल हुए,12 मार्च 1972 को मध्यप्रदेश सरकार ने जोतूमल को 70/- रूपये माहवार पेंशन दिया जाना स्वीकृत किया। 15 अगस्त सन् 1972 के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा दिल्ली में जोतूमल को ताम्र-पत्र देकर सम्मान किया। कांकेर के जयस्तंभ चौक में आजादी के रजत जयंती 1972 में ही रजत जयंती स्तम्भ का निर्माण कर जोतूमल रामराख्योमल आसवानी अंकित किया। जोतूमल के परिवार उनकी धर्मपत्नी दो लड़के तथा दो लड़किया थी,कांकेर के अतिरिक्त कलेक्टर ने पुराने बस स्टैंड में एक दुकान दिया गया,जंहा स्टेट बैंक से 500/- रुपये कर्ज लेकर फल की दुकान खोलकर अपना जीविकोपार्जन करने लगे। 13 जून 1979 को महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जोतूमल, रामराख्योमल आसवानी का निधन हो गया,कुछ वर्षो बाद उनकी धर्मपत्नी का भी निधन हो गया,उनका बड़ा बेटा टेऊमल आसवानी तहसील में अर्जी बनाने का काम करते है,और छोटा बेटा बलराम आसवानी अपने पिता के पदचिन्हों पर चलकर आज भी घूम-घूमकर चाय बेचने का काम कर रहा है। देश को आजाद हुए 79 वर्ष बीत चुके है,देश को आजाद कराने में जिन कर्मयोगियों ने अपने प्राण न्योछावर कर दिये,आज स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बिरले ही बचे होंगे,उनका परिवार किस हालात में है यह सुध लेने की फुर्सत ना केंद्र सरकार को है,ना ही राज्य सरकार को हैं। हम अपने सुंदर भविष्य की कल्पना को तब ही साकार कर सकते है,जब हम अपने अतीत को संभाल सके,उसकी देखरेख कर सके,वरना हमारा आजादी को पाना और रजत जयंती,स्वर्ण जयंती,हीरक(डायमंड) जयंती और अमृत (प्लेटिनम) जयंती या शताब्दी जयंती मनाने बेमानी होगा।

नीम की पत्तियों से सजे घर, कुलेश्वरनाथ में गूंजा हर-हर महादेव

छत्तीसगढ़ के प्रथम पारंपरिक लोकपर्व हरेली पर घर-घर नीम की डालियां लगाने की परंपरा, कुलेश्वरनाथ महादेव में अभिषेक और भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ माहौल

राजिम (शेखर मिश्रा)। छत्तीसगढ़ का प्रथम पारंपरिक लोकपर्व हरेली आज पूरे प्रदेश में श्रद्धा, उमंग और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। सावन की हरियाली के बीच आने वाला यह पर्व छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति, प्रकृति, लोकविश्वास और भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था का प्रतीक है। हरेली के अवसर पर जहां गांव-गांव में किसानों ने कृषि उपकरणों और पशुधन की पूजा की, वहीं घरों के मुख्य द्वार पर नीम की पत्तियां और नीम की डालियां लगाने की सदियों पुरानी परंपरा भी निभाई गई।

हरेली के दिन सुबह से ही लोगों ने अपने घरों की साफ-सफाई कर मुख्य द्वार पर नीम की हरी डालियां सजाईं। लोकमान्यता के अनुसार नीम की पत्तियां घर में नकारात्मकता और रोगों से रक्षा का प्रतीक मानी जाती हैं।

टाटामारी में हरेली तिहार की धूम, फूड फेस्टिवल में दिखी छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक

विश्व केसरी■

केशकाल। (चिराग उपाध्याय) चिराग उपाध्याय छत्तीसगढ़ के पारंपरिक एवं प्रमुख लोकपर्व हरेली तिहार के अवसर पर केशकाल के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल टाटामारी में उत्सव का रंग देखने को मिला। हरे-भरे पहाड़ों और प्राकृतिक वादियों के बीच आयोजित फूड फेस्टिवल में स्थानीय संस्कृति, परंपरा, पारंपरिक खान-पान और प्रकृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। आयोजन में पहुंचे लोगों ने जहां छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखा, वहीं हरेली की परंपरा के अनुरूप कृषि उपकरणों एवं पारंपरिक हथियारों की पूजा-अर्चना कर समृद्ध लोक संस्कृति को जीवंत किया।

पारंपरिक व्यंजनों ने जीता लोगों का दिल

फूड फेस्टिवल में स्थानीय स्तर पर तैयार किए गए विभिन्न पारंपरिक व्यंजन आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे। छत्तीसगढ़ी खान-पान की खुशबू से पूरा आयोजन स्थल महक उठा। लोगों ने पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेकर स्थानीय महिला समूहों एवं व्यंजन तैयार करने वाले लोगों का उत्साहवर्धन किया। फूड फेस्टिवल के माध्यम से स्थानीय व्यंजनों और खान-पान की परंपरा को नई पहचान देने का प्रयास भी नजर आया।

कृषि उपकरणों और पारंपरिक हथियारों की पूजा

हरेली तिहार का संबंध छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति से गहराई से जुड़ा हुआ है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आयोजन के दौरान कृषि उपकरणों के साथ-साथ पारंपरिक हथियारों की भी विधिवत पूजा-अर्चना की गई। लोगों ने सुख-समृद्धि और अच्छी फसल की कामना करते हुए हरेली पर्व की परंपराओं का निर्वहन किया।

प्राकृतिक सुंदरता के बीच उमड़ा उत्साह

टाटामारी की प्राकृतिक सुंदरता ने आयोजन में चार चांद लगा दिए। हरियाली से ढकी पहाड़ियां, मनमोहक वादियां और खुशनुमा मौसम के बीच लोगों ने प्रकृति का भरपूर आनंद लिया। फूड फेस्टिवल में पहुंचे लोगों ने टाटामारी के प्राकृतिक नजारों को निहारा और अपने यादगार पलों को कैमरे में कैद किया।

लोक संस्कृति और पर्यटन को मिला बढ़ावा

हरेली तिहार के अवसर पर आयोजित इस आयोजन ने लोक संस्कृति, पारंपरिक खान-पान और पर्यटन को एक मंच पर लाने का काम किया। ऐसे आयोजनों से स्थानीय व्यंजनों, ग्रामीण परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ टाटामारी जैसे प्राकृतिक पर्यटन स्थलों की पहचान भी मजबूत होती है।

कांति बंजारे, सविता पात्रे और मैना मांडले को मिला मिनी माता सम्मान

विश्व केसरी■

गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी रायपुर तथा राजश्री सद्भावना समिति के संयुक्त तत्वावधान में वृन्दावन हाल सिविल लाइन रायपुर में ममतामयी मिनी माता स्मृति दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री भूपेश बघेल जी, कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसूचित जाति आयोग पूर्व अध्यक्ष माननीय के. पी. खाण्डे जी, एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक पद्मा मनहर जी सारंगढ़ , कमलेश बाबाजी उत्तर प्रदेश लखनऊ रहे , अतिथियों द्वारा गुरु घासीदास बाबा जी व मिनी माता जी के छाया चित्रों की पूजा अर्चना कर आरंभ किया गया। उद्बोधन पश्चात विशिष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रदेश स्तरीय अस्सी उत्कृष्ट महिलाओं का मिनी माता सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में अतिथियों के कर कमलों बेमेतरा बाजार पारा निवासी श्रीमती कांति बाई बंजारे कवित्री समाज सेवी, पति गोकुल बंजारे चंदन , श्रीमती सविता पात्रे समाजसेविका पति मुकेश कुमार पात्रे ग्राम जरहा गांव जिला मुंगेली, श्रीमती मैना देवी मांडले समाज सेविका कवित्री, पति दिलीप कुमार मांडले ग्राम रजकुड़ी बेमेतरा को मिनी माता महिला प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया।

इन्हें सम्मान स्वरूप साड़ी श्रीफल शिल्ड, प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस दौरान उपस्थित कवियों ने कविता पेश किया। किरन भारती व हृदय आनंद ने गीत पेश की। अकादमी के कोषाध्यक्ष डॉ.जे.आर. सोनी , चेतन चंदेल मुख्य प्रवक्ता , आशा पात्रे, चंपा गेंदले , दुर्गा गेंदले, शकुन डहरिया अध्यक्ष राजश्री सद्भावना समिति, एवं समस्त पदाधिकारी गण, खेदूदास बंजारे , कवि साधु राम अनंत, बी.एल. कुर्रे कवि, डॉ. गोकुल बंजारे चंदन, प्रतिमा बार्ले सहित सतनाम भजन गायक एवं गायिकाएं कलाकार कविगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जे.आर. सोनी, व चेतन चंदेल ने किया।

प्राथमिक शाला साल्हेपुर में उत्साह और हरियाली के रंग में मनाया गया हरेली तिहार

विश्व केसरी■

बच्चों, माताओं, अभिभावकों और किसानों की सहभागिता ने बढ़ाई कार्यक्रम की रौनक

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। शासकीय प्राथमिक शाला साल्हेपुर, संकुल खिसोरा में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक कृषि एवं प्रकृति पर्व हरेली तिहार को उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ उनकी माताओं, अभिभावकों एवं गाँव के किसानों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में जिले के सर्वश्रेष्ठ प्रधान पाठक के पुरस्क से सम्मानित अंबालिका पटेल ने हरेली पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हरेली छत्तीसगढ़ का प्रमुख कृषि एवं प्रकृति पर्व है। यह पर्व अच्छी फसल, कृषि समृद्धि तथा प्रकृति और धरती के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की हमारी लोकपरंपरा का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों को कृषि, पर्यावरण संरक्षण और अपनी लोक संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया। हरेली की विशेषता उस समय और बढ़ गई, जब बच्चों की माताएँ हरे रंग की साड़ियाँ पहनकर पारंपरिक एवं उत्सवी रूप में विद्यालय पहुँचीं। माताओं की हरियाली से सजी सुंदर उपस्थिति ने पूरे विद्यालय परिसर को हरेली के रंग में रंग दिया और बच्चों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। माताओं ने बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर कार्यक्रम को जीवंत एवं यादगार बना दिया। शाला के शिक्षक डागेंद्र निषाद भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। गाँव के किसानों ने बच्चों को हल, कुदाल, फावड़ा सहित विभिन्न पारंपरिक कृषि उपकरणों का परिचय देते हुए उनके उपयोग और खेती में महत्व की जानकारी दी। बच्चों ने उत्सुकता के साथ कृषि उपकरणों को देखा और किसानों से खेती-किसानी से जुड़े सवाल पूछे। इस अवसर पर बच्चों ने 'एक बच्चा-एक हरियर साथी' अभियान के तहत पौधारोपण किया, सीड बॉल तैयार किए तथा पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करने का संकल्प लिया। गतिविधियों को स्नरह्न से जोड़ते हुए बच्चों ने बीजों की गिनती, पौधों के नाम पढ़ना-लिखना और प्रकृति से संबंधित शब्दों का अभ्यास भी किया।

माताओं, अभिभावकों और किसानों की सहभागिता ने हरेली तिहार को केवल एक उत्सव न बनाकर परंपरा, शिक्षा, पर्यावरण और सामुदायिक सहभागिता का सुंदर संगम बना दिया।

हैदराबाद में गूंजा छत्तीसगढ़ का गौरव, करमा और राउत नाचा

CCRT की राष्ट्रीय कार्यशाला में 13 राज्यों के शिक्षकों के बीच छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक प्रस्तुति को मिली खूब सराहना

विश्व केसरी■

बेमेतरा(अनिल त्रिपाठी)। सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (CCRT) हैदराबाद में 5 से 19 अगस्त 2026 तक आयोजित पुतली कला कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के 9 शिक्षकों ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की शानदार प्रस्तुति दी। 'एक छत्तीसगढ़, विश्वसनीय छत्तीसगढ़' की भावना के साथ विभिन्न जिलों से आए शिक्षकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत 'अरपा पैरी के धार' के सामूहिक गायन से की। राजकीय गीत के सम्मान में उपस्थित सभी राज्यों के प्रशिक्षु शिक्षक खड़े होकर सम्मान व्यक्त किया। और छत्तीसगढ़ के इस राजकीय गीत को अत्यंत सम्मान दिया। इसके पश्चात छत्तीसगढ़ की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षिक एवं ऐतिहासिक विशेषताओं, महान विभूतियों, राजकीय प्रतीकों, पारंपरिक व्यंजनों एवं लोकसंस्कृति का परिचय दिया गया। कार्यक्रम में करमा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। वहीं राउत नाचा की शानदार प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को उत्साह और उमंग से भर दिया। उपस्थित 13 राज्यों के शिक्षक छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की इस प्रस्तुति से अभिभूत नजर आए और टीम की मुक्त कंठ से सराहना की।

छत्तीसगढ़ी की टीम में से बेमेतरा जिले के तीन शिक्षकों में प्रतिनिधित्व किया। जिनमें हिमांशु कौशिक शासकीय प्राथमिक शाला एरमसाही (नवागढ़) प्रहलाद कुर्रे शासकीय प्राथमिक शाला बिनैका (नवागढ़) और निरंजना ठाकुर शासकीय प्राथमिक शाला हथमुड़ी (बेमेतरा) शामिल है। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के मनोज कुमार चंद्रवंशी एवं धमतरी जिले की प्रीति शांडिल्य ने किया। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाले शिक्षकों में प्रहलाद कुर्रे, हिमांशु कौशिक, जीतेश्वरी ठाकुर, उषा यादव, प्रीति शांडिल्य, प्रवीण कुमार कांछी, नीलांबर सिदार, निरंजना ठाकुर एवं मनोज कुमार चंद्रवंशी शामिल हैं। यह सांस्कृतिक प्रस्तुति छत्तीसगढ़ की लोककला, परंपरा, संस्कृति और विविधता को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर बनी।

अंतर शालेय क्षेत्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता कसडोल में समापन

कसडोल (प्रवीण धोमने)। कसडोल के शासकीय पीएमश्री सेजेस स्कूल के खेल मैदान में अंतर शालेय क्षेत्रीय बालक फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। रायपुर संभाग के पांच जिलों रायपुर, बलौदाबाजार, धमतरी, गरियाबंद एवं महासमुंद से लगभग 270 खिलाड़ी तथा 40 कोच एवं मैनेजर प्रतियोगिता में शामिल हुए। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर जनपद पंचायत कसडोल के सभापति मोरध्वज पैकरा, सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी संदीप शर्मा सहित जिले के व्यायाम शिक्षक उपस्थित रहे। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अपनी टीमों के लिए बेहतर परिणाम हासिल किए। 14 वर्ष बालक वर्ग में रायपुर की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बलौदाबाजार की टीम द्वितीय स्थान पर रही। 17 वर्ष बालक वर्ग में रायपुर ने प्रथम तथा महासमुंद ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 19 वर्ष बालक वर्ग में रायपुर की टीम प्रथम और धमतरी की टीम द्वितीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया। इस अवसर पर आलोक मिश्रा, संतोष साहू, संजीव ध्रुव, गवेश हिरवानी, असीम कुजूर, अभानुर मिंज सहित शिक्षा विभाग के सदस्य एवं स्टार लाइन स्पोर्ट्स क्लब के सदस्य उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में आयोजन समिति, व्यायाम शिक्षकों, कोच-मैनेजर एवं खेल से जुड़े सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सेंसेक्स 188 अंक गिरकर बंद, महंगाई के आंकड़ों का निवेशकों को इंतजार

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स 187.90 अंक या 0.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,966.35 और निफ्टी 35.75 अंक या 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,435.95 पर था।

बाजार पर दबाव बनाने का दाम आईटी शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 1.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप लूजर था। इसके बाद निफ्टी एफएमसीजी 0.73 प्रतिशत, निफ्टी कंजप्शन 0.50 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.45 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर 0.44 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 0.32 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 0.14 और निफ्टी कमोडिटीज 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक 2.05 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 1.05 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.70 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 0.54 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 0.38 प्रतिशत, निफ्टी इन्फ्रा 0.27 प्रतिशत और निफ्टी एनर्जी 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। व्यापक बाजार में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 180.55 अंक या 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 64,024.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 35.50 अंक या 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,821.65 पर था।

सेंसेक्स पैक में एसबीआई, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, बीईएल, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक गेनर्स थे। टीसीएस, एमएंडएम, टाटा स्टील, एलएंडटी, इटरनल, इन्फोसिस, आईटीसी, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी और एचयूएल लूजर्स थे।

जानकारों के मुताबिक, महंगाई के आंकड़ों का निवेशक इंतजार कर रहे हैं। इस बार के महंगाई के आंकड़े काफी महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि जुलाई में कच्चे तेल में बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है और निवेशक महंगाई पर इसके प्रभाव को जानने के लिए नजर बनाए हुए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल बाजार का व्यापक रुझान सकारात्मक बना हुआ है, क्योंकि सेंसेक्स और निफ्टी तो दबाव में हैं, लेकिन मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स ऑल-टाइम हाई के करीब हैं, जो दिखाता है कि निवेशकों का भारतीय बाजार पर भरोसा बना हुआ है।

वैश्विक तनावों के बीच कीमती धातुओं में रौनक बरकरार, सोना-चांदी 1.10 प्रतिशत तक उछले

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनावों के बीच घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बुधवार के सत्र में कीमती धातुओं यानी सोने और चांदी की कीमतों में अच्छी तेजी देखने को मिली। निवेशकों की नजर अमेरिकी महंगाई के प्रमुख आंकड़ों पर टिकी हुई है, क्योंकि इन आंकड़ों से अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की आगामी ब्याज दर नीति को लेकर संकेत मिल सकते हैं। इसके अलावा सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग और केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी ने भी सोने की कीमतों को सहारा दिया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर डिलीवरी वाला गोल्ड फ्यूचर्स पिछले बंद भाव 1,53,765 रुपए की तुलना में 1,182 रुपए की तेजी के साथ 1,54,947 रुपए पर खुला। कारोबार के दौरान यह 0.77 प्रतिशत यानी 1,185 रुपए की बढ़त के साथ 1,54,950 रुपए के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया, जबकि इसका निचला स्तर 1,54,323 रुपए रहा।

वहीं, खबर लिखे जाने तक सोना 895 रुपए यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,54,660 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता नजर आया।

हालांकि, सोना अभी भी अपने इस वर्ष के रिकॉर्ड उच्च स्तर 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम से काफी नीचे बना हुआ है। इसके बावजूद हालिया तेजी ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया है।

सोने के साथ-साथ चांदी में भी मजबूत खरीदारी देखने को मिली। एमसीएक्स पर सितंबर डिलीवरी वाला सिल्वर फ्यूचर्स 2,35,659 रुपए के पिछले बंद भाव से 2,314 रुपए की बढ़त के साथ 2,37,973 रुपए पर खुला।

कारोबार के दौरान चांदी ने 1.10 प्रतिशत यानी 2,612 रुपए की बढ़त के साथ 2,38,271 रुपए प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर और 2,36,500 रुपए का निचला स्तर छुआ।

तमिलनाडु के पेट्रोल पंप डीलरों ने बैंक खाता फ्रीज होने के विरोध में यूपीआई भुगतान बंद करने की दी चेतावनी

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु के पेट्रोल पंप संचालकों ने डिजिटल भुगतान, विशेषकर यूपीआई ट्रांजैक्शन, को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो राज्य भर के पेट्रोल पंप यूपीआई और अन्य कैशलेस भुगतान स्वीकार करना बंद कर सकते हैं। डीलरों का आरोप है कि साइबर अपराध जांच के दौरान उनके बैंक खातों को फ्रीज कर दिया जाता है, जबकि विवादित लेनदेन में उनकी कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं होती।

तमिलनाडु पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (टीएनपीडीए), जो राज्य के लगभग 5,000 पेट्रोल पंपों का प्रतिनिधित्व करती है, ने इस मामले में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से हस्तक्षेप की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि डिजिटल भुगतान से जुड़े बढ़ते जोखिमों के कारण पेट्रोल पंप संचालकों के लिए कैशलेस भुगतान सुविधा जारी रखना मुश्किल होता जा रहा है।

मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में टीएनपीडीए के अध्यक्ष के.पी. मुरली ने कहा कि पेट्रोल पंप संचालकों को साइबर अपराध जांच में घसीटा जा रहा है, जबकि वे केवल ग्राहकों से पेट्रोल या डीजल की बिक्री के बदले वैध भुगतान प्राप्त करते हैं।

एसोसिएशन के अनुसार, पेट्रोल पंप संचालकों के पास यह जांचने की कोई व्यवस्था नहीं होती कि यूपीआई या अन्य डिजिटल माध्यम से भुगतान करने वाला ग्राहक कौन है अथवा उसके द्वारा भेजी गई राशि पहले किसी कथित साइबर धोखाधड़ी से जुड़े खाते से होकर गुजरी है या नहीं।

राज्य में डिजिटल भुगतान का उपयोग तेजी से बढ़ा है। एक औसत पेट्रोल पंप पर प्रतिदिन 200 से 500 डिजिटल लेनदेन होते हैं, जबकि कई आउटलेट्स पर कुल आय का आधे से अधिक हिस्सा यूपीआई और अन्य कैशलेस माध्यमों से आता है।

डीलरों का कहना है कि समस्या तब पैदा होती है जब किसी ग्राहक द्वारा किया गया भुगतान बाद में साइबर अपराध जांच के दायरे में आ जाता है।

जांच एजेंसियों के निर्देश पर बैंक संबंधित राशि पर रोक लगा देते हैं या कई मामलों में पूरे बैंक खाते को फ्रीज कर देते हैं।

पेट्रोल पंप संचालकों का तर्क है कि किसी एक संदिग्ध लेनदेन के कारण पूरे कारोबारी खाते को फ्रीज करना उचित नहीं है। इससे उनके दैनिक संचालन पर गंभीर असर पड़ता है, क्योंकि ईंधन खरीदने, कर्मचारियों का वेतन देने और अन्य आवश्यक खर्चों के लिए बैंकिंग सेवाओं का निर्बाध संचालन जरूरी होता है।

भारत का वस्तु निर्यात दूसरी तिमाही में 17.6 प्रतिशत बढ़कर 131.2 अरब डॉलर हो सकता है: रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2027 की जुलाई-सितंबर तिमाही (दूसरी तिमाही) में भारत का कुल वस्तु निर्यात 131.2 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 17.6 प्रतिशत की वृद्धि है। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

इंडिया एग्जिम बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में गैर-तेल निर्यात 20.3 प्रतिशत बढ़कर 113.8 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

वहीं, गैर-तेल और गैर-रत्न एवं आभूषण निर्यात 20.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 105.8 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद निर्यात में वृद्धि का कारण भारत के निर्यात बाजारों में बढ़ता भौगोलिक विविधीकरण और प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ हालिया व्यापार समझौतों से पैदा हुई अनुकूल संभावनाएं हैं। इसके अलावा, साझेदार देशों में मजबूत मांग भी निर्यात को समर्थन दे रही है।

इंडिया एग्जिम बैंक ने कहा, 'भारत के सकारात्मक निर्यात परिदृश्य को घरेलू विनिर्माण में लगातार विस्तार और विनिमय दर में होने वाले बदलावों से मजबूती मिलने की उम्मीद है। हालांकि, भू-राजनीतिक संघर्षों और अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजारों में उतार-चढ़ाव से निर्यात पर नकारात्मक जोखिम बना हुआ है।'

बैंक अपने इन-हाउस एक्सपोर्ट लीडिंग इंडेक्स (ईएलआई) मॉडल के जरिए हर तिमाही निर्यात का अनुमान तैयार करता है। यह मॉडल बाहरी और घरेलू कारकों को मिलाकर निर्यात की गति का आकलन करता है।

वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का वस्तु निर्यात 129.6 अरब डॉलर के रिकॉर्ड तिमाही स्तर पर पहुंच गया था। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 111.6 अरब डॉलर था। इस तरह निर्यात में 16.1 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

इस सप्ताह संसद को दी गई जानकारी के अनुसार, यह आंकड़ा मासिक व्यापार घाटे में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत के निर्यात प्रदर्शन की मजबूत बुनियाद को दर्शाता है।

जून 2026 में भारत का वस्तु व्यापार घाटा 30.4 अरब डॉलर रहा, जिसे पांच महीने का उच्चतम स्तर बताया गया था। हालांकि, यह पिछले 12 महीनों के औसत 29.3 अरब डॉलर के घाटे से केवल मामूली अधिक था।

नई क्लोजिंग ऑक्शन सेशन में हेरफेर के कोई सबूत नहीं मिले, यह बाजार के लिए बड़ा सुधार: सेबी प्रमुख

विश्व केसरी

मुंबई। सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने बुधवार को कहा कि शेयर बाजारों में हाल ही में लागू किए गए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) में किसी प्रकार की हेरफेर या अनियमितता के प्रमाण नहीं मिले हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह भारतीय पूंजी बाजार की संरचना में किया गया एक महत्वपूर्ण सुधार है, जो देश के बाजारों को वैश्विक मानकों के और करीब लाता है।

मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पांडे ने कहा कि क्लोजिंग ऑक्शन सेशन भारतीय पूंजी बाजार की संरचना में किया गया एक महत्वपूर्ण सुधार है, जो भारतीय बाजारों को वैश्विक मानकों के और करीब ले जाता है।

उन्होंने कहा, 'सीएएस बाजार की माइक्रोस्ट्रक्चर में एक बहुत बड़ा सुधार है और हम इसके पीछे मजबूती से खड़े हैं। दुनिया के कई प्रमुख बाजार पहले से इस व्यवस्था को अपना चुके हैं। जापान ने इसे 2024 में लागू किया, जबकि हांगकांग, अमेरिका, जर्मनी, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में भी यह प्रणाली मौजूद है।'

सेबी प्रमुख ने बताया कि क्लोजिंग प्राइस का उचित निर्धारण बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी के आधार पर विभिन्न शेयर सूचकांकों, पैसिव निवेश उत्पादों और म्यूचुअल फंडों की नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) तय होती है।

उन्होंने कहा कि फिलहाल सबसे बड़ा फोकस इस नई व्यवस्था में बाजार सहभागिता बढ़ाने पर है। उनके अनुसार, अधिक से अधिक निवेशकों, ब्रोकरों और बाजार प्रतिभागियों को इस प्रणाली को समझने और इसमें भाग लेने की आवश्यकता है।

पांडे ने कहा, 'कई ब्रोकरों ने संकेत दिए हैं कि भागीदारी बढ़ाने की जरूरत है। सीएएस एक पूरी तरह पारदर्शी बाजार व्यवस्था है, जहां कीमतों का निर्धारण खुली प्रक्रिया के जरिए होता है। इसमें हर गतिविधि दिखाई देती है और अंत में एक निष्पक्ष मूल्य सामने आता है।'

उन्होंने बताया कि सेबी लगातार विभिन्न हितधारकों से बातचीत कर रही है और सभी सुझावों तथा फीडबैक पर विचार किया जा रहा है। यदि भागीदारी बढ़ाने या प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए किसी अतिरिक्त कदम की आवश्यकता होगी, तो उस पर भी विचार किया जाएगा।

गौरतलब है कि स्टॉक एक्सचेंजों ने पिछले सप्ताह क्लोजिंग ऑक्शन सेशन की शुरुआत की थी। इस नई व्यवस्था के तहत नियमित कारोबार के बाद 20 मिनट का विशेष सत्र आयोजित किया जाता है, जिसमें खरीद और बिक्री के ऑर्डर एकत्र किए जाते हैं।

इसके बाद उस स्तर पर क्लोजिंग प्राइस तय किया जाता है, जहां सबसे अधिक मात्रा में सौदों का मिलान संभव हो सके। इससे बाजार बंद होने के समय अधिक सटीक और निष्पक्ष मूल्य निर्धारण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है।

कोलकाता एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी के कारण एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में 6 घंटे की देरी, यात्रियों ने किया विरोध

विश्व केसरी

कोलकाता। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बुधवार सुबह यात्रियों ने विरोध प्रदर्शन किया। चेन्नई जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक फ्लाइट में तकनीकी खराबी के कारण करीब छह घंटे की देरी के चलते यात्री भड़क गए।

एयरपोर्ट के एक अधिकारी के मुताबिक, फ्लाइट को बुधवार सुबह 6:30 बजे कोलकाता से चेन्नई के लिए उड़ान भरनी थी और इसमें करीब 170 यात्री सवार थे।

यात्रियों को बोर्डिंग पास पहले ही जारी कर दिए गए थे। हालांकि, विमान के उड़ान भरने से पहले ही उसमें एक तकनीकी खराबी का पता चला। यात्री परेशान हो गए क्योंकि उन्हें इस बात की कोई साफ जानकारी नहीं मिल रही थी कि फ्लाइट कब उड़ान भरेगी और वे कई घंटों तक इंतजार करते रहे।

करीब छह घंटे की देरी और यात्रियों के विरोध-प्रदर्शन के बाद आखिरकार दोपहर 12 बजे फ्लाइट ने उड़ान भरी। यात्रियों का आरोप था कि बोर्डिंग पास जारी होने के बावजूद उन्हें तकनीकी खराबी के बारे में समय पर जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब वे कई घंटों तक एयरपोर्ट पर फंसे रहे, तो अधिकारियों ने न तो उन्हें सही मदद दी और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की। इसके बाद यात्रियों ने एयरपोर्ट परिसर में विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने कहा कि तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट तय समय पर उड़ान नहीं भर सकी। उन्होंने कहा कि कम समय में किसी दूसरी फ्लाइट का इंतजाम करना मुमकिन नहीं था। प्रभावित फ्लाइट के उड़ान भरने की घोषणा सुबह 11:30 बजे के बाद की गई। हालांकि, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने तकनीकी खराबी की प्रकृति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

इस घटना ने, यात्रियों के मन में फ्लाइट की सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा कर दी। कुछ यात्रियों ने कहा कि इतनी लंबी देरी की वजह से उनके तय कार्यक्रम बिगड़ गए।

पिछले एक दशक में टाटा संस का नेतृत्व करना एक बड़ा सम्मान और एक गहरी जिम्मेदारी रही है: एन चंद्रशेखरन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप के साथ चार दशक पूरे कर चुके एन चंद्रशेखरन ने बुधवार को समूह के प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल को एक बड़ा सम्मान और एक गहरी जिम्मेदारी बताया। टाटा संस के चेयरमैन के रूप में उन्होंने अपने कार्यकाल की समाप्ति के बाद दोबारा नियुक्ति नहीं लेने का फैसला किया है। उनका वर्तमान कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को समाप्त होगा और उन्होंने कंपनी के बोर्ड को सूचित कर दिया है कि वह इसके बाद चेयरमैन पद के लिए अपना नाम नहीं देंगे। यह फैसला टाटा संस की 18 अगस्त को होने वाली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) से पहले सामने आया है।

चंद्रशेखरन ने टाटा समूह में अपने 40 वर्षों के सफर को याद करते हुए कहा कि इस प्रतिष्ठित संस्थान का हिस्सा बनना और इसके विकास में योगदान देना उनके लिए सम्मान की बात रही है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक तक टाटा संस का नेतृत्व करना उनके जीवन की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों और उपलब्धियों में शामिल रहा है।

अपने बयान में उन्होंने कहा, 'मैंने टाटा समूह में अपने पेशेवर जीवन के 40 वर्ष पूरे किए हैं। इस प्रतिष्ठित संस्थान के विकास में योगदान देने का अवसर मेरे लिए अत्यंत संतोषजनक रहा है। पिछले एक दशक से टाटा संस का नेतृत्व करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और एक गहरी जिम्मेदारी रही है।'

उन्होंने बताया कि उनका वर्तमान कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को समाप्त हो रहा है। 'सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से मेरे अगले कार्यकाल को पांच वर्षों के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया था। इस प्रस्ताव की सिफारिश टाटा संस की नॉमिनेशन एंड रेम्यूनरेशन कमेटी और बोर्ड ने भी की थी। इसके बाद 24 फरवरी 2026 को इस प्रस्ताव को टाटा संस बोर्ड के समक्ष रखा गया था।'

चंद्रशेखरन ने आगे कहा, 'हालांकि यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका क्योंकि बोर्ड के एक सदस्य ने इसका समर्थन नहीं किया। सर्वसम्मति का समर्थन नहीं मिलने के कारण मैंने निर्णय को स्थगित करने का विकल्प चुना।

उन्होंने कहा कि उस बोर्ड बैठक को अब छह महीने हो चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है। 'टाटा संस एक बहुत बड़ा संस्थान है और समूह की कई रणनीतिक परियोजनाएं इस समय महत्वपूर्ण चरण में हैं। फरवरी 2027 के बाद समूह का नेतृत्व करने के लिए नए नेता की स्पष्टता होना आवश्यक है। यह केवल संगठन के लिए ही नहीं, बल्कि कर्मचारियों, निवेशकों, साझेदारों और अन्य हितधारकों के लिए भी महत्वपूर्ण है। अपने इस्तीफे के फैसले के बारे में उन्होंने कहा, 'इन परिस्थितियों में मैंने आज पहले टाटा संस बोर्ड को सूचित कर दिया है।

इंसानों के चेहरे पढ़ लेते हैं कुत्ते! डर, गुस्से और उदासी में भी कर सकते हैं फर्क

लंदन। इंसानों के सबसे वफादार दोस्त माने जाते हैं कुत्ते। हाल के एक नए वैज्ञानिक अध्ययन से संकेत मिले हैं कि ये सच्चे दोस्त हाव-भाव पढ़ने में भी माहिर होते हैं। इतना ही नहीं ये इंसानों के चेहरे पर छिपी भावनाओं को हमारी अपेक्षा से कहीं बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। यहां तक कि उनका दिमाग डर, गुस्से और उदासी जैसे नकारात्मक भावों में भी अंतर महसूस कर सकता है।

ऑस्ट्रिया की 'यूनिवर्सिटी ऑफ विएना' के शोधकर्ताओं ने पालतू कुत्तों के दिमाग की गतिविधियों का एमआरआई स्कैन के जरिए अध्ययन किया। शोध में शामिल कुत्तों को इस तरह प्रशिक्षित किया गया था कि वे जागते हुए और बिना बांधे एमआरआई स्कैनर में शांत होकर लेटे रह सकें। ज्यादातर कुत्ते बॉर्डर कॉली नस्ल के थे।

शोधकर्ताओं ने पहले आठ कुत्तों को खुश और सामान्य भाव वाले इंसानी चेहरों की तस्वीरें दिखाईं। स्कैन में पाया गया कि खुश चेहरे देखने पर कुत्तों के दिमाग के कुछ हिस्सों में गतिविधि बढ़ गई। ये हिस्से देखने, सामाजिक संकेतों को समझने और इनाम या सकारात्मक अनुभव से जुड़े माने जाते हैं।

इसके बाद 12 कुत्तों पर दूसरा प्रयोग किया गया। इस बार उन्हें खुश, उदास, डरे हुए और गुस्से वाले इंसानी चेहरों की तस्वीरें दिखाई गईं। शोधकर्ताओं ने मशीन लर्निंग की मदद से कुत्तों के मस्तिष्क में होने वाली गतिविधियों का विश्लेषण किया।

नतीजा खासा दिलचस्प रहा। कुत्तों के दिमाग ने खुश चेहरे को नकारात्मक भाव वाले चेहरों से अलग पहचाना। लेकिन जब केवल कुछ खास मस्तिष्क क्षेत्रों की गतिविधि देखी गई तो वे उदासी और गुस्से जैसे अलग-अलग नकारात्मक भावों में साफ फर्क नहीं कर पाए।

हालांकि, पूरे मस्तिष्क की गतिविधि का विश्लेषण करने पर तस्वीर बदल गई। शोधकर्ताओं को संकेत मिले कि कुत्ते डर और उदासी तथा डर और गुस्से के बीच अंतर कर सकते हैं। लेकिन वे गुस्से और उदासी को एक-दूसरे से अलग पहचानने में उतने सफल नहीं रहे।

शोधकर्ताओं का मानना है कि इसकी एक वजह यह हो सकती है कि कुत्तों के लिए अलग-अलग नकारात्मक भाव अलग तरह के खतरे का संकेत देते हैं। वहीं, गुस्से और उदासी को समझने के लिए केवल चेहरा पर्याप्त नहीं हो सकता। शरीर की मुद्रा और दूसरी सामाजिक संकेत भी कुत्तों के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ विएना की शोधकर्ता डॉ. लौरा कुआया के मुताबिक, यह पहला ऐसा अध्ययन है जिसमें संकेत मिले हैं कि कुत्तों का दिमाग एक ही भावात्मक श्रेणी के भीतर अलग-अलग मानवीय भावनाओं में अंतर कर सकता है।

शोधकर्ताओं ने हालांकि यह भी माना कि अध्ययन की कुछ सीमाएं हैं। नमूना छोटा था और इसमें शामिल ज्यादातर कुत्ते बॉर्डर कॉली थे। सभी कुत्ते स्वस्थ थे और उनमें व्यवहार संबंधी कोई समस्या नहीं थी। इसलिए इन निष्कर्षों को सभी नस्लों के कुत्तों पर समान रूप से लागू करने से पहले बड़े अध्ययन की जरूरत होगी।

बराक ओबामा लेकर आ रहे हैं नया पॉडकास्ट, बताएंगे किन छह किताबों ने बदल डाली उनकी सोच

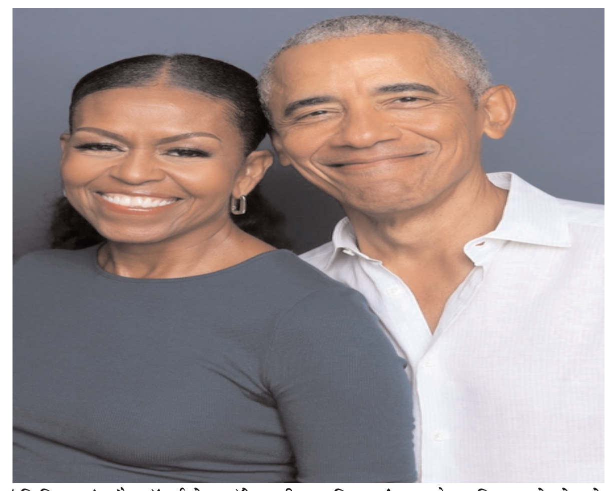

वॉशिंगटन। किताबों को यूं ही इंसानों का सच्चा दोस्त नहीं कहा जाता। जिंदगी जहां अटकती है, भटकाव आता है वहां ये संभालने का पूरा प्रयास करती हैं। ऐसा शायद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी सोचते हैं। तभी तो अब राजनीति से इतर अपने एक और पसंदीदा शगल के जरिए लोगों से जुड़ने का मन बना चुके हैं। ओबामा एक नया पॉडकास्ट शुरू करने वाले हैं, जिसमें वे उन किताबों पर चर्चा करेंगे जिन्होंने उनके सोचने के तरीके, उनके विश्वास और दुनिया को देखने के नजरिए को प्रभावित किया।

'अ ग्रेट बुक विद ओबामा' नाम का यह छह एपिसोड वाला पॉडकास्ट 24 सितंबर से ऑडिबल पर उपलब्ध होगा। इसे ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा की प्रोडक्शन कंपनी हायर ग्राउंड और ऑडिबल मिलकर तैयार कर रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने एक तस्वीर के साथ ये जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की।

इस सीरीज में ओबामा छह ऐसी चर्चित किताबों को चुनकर उनके बारे में विस्तार से बात करेंगे, जो उनके जीवन और विचारों पर गहरा असर डाल चुकी हैं। इनमें टोनी मॉरिसन की 'सॉन्ग ऑफ सोलोमन', जेम्स बाल्डविन की 'द फायर नेक्स्ट टाइम', जॉन ले कैरे की 'टिंकर टेलर सोल्जर स्पाई', कॉर्मैक मैकार्थी की 'ऑल द प्रिटी हॉर्सेस', मर्लिन रॉबिन्सन की 'गिलियड' और रॉबर्ट पेन वॉरेन की 'ऑल द किंग्स मैन' शामिल हैं।

हर एपिसोड में ओबामा एक किताब को केंद्र में रखकर एक अतिथि के साथ बातचीत करेंगे। हालांकि, मेहमानों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

ओबामा लंबे समय से किताबों के शौकीन माने जाते हैं। राष्ट्रपति पद पर रहने के दौरान भी उनकी पढ़ने की आदत और किताबों की पसंद अक्सर चर्चा में रही। वह हर साल अपनी पसंदीदा किताबों की सूची भी साझा करते हैं। हाल में जारी उनकी 2026 की समर रीडिंग लिस्ट में भी कई समकालीन लेखकों की किताबें शामिल थीं।

नए पॉडकास्ट के पीछे ओबामा की सोच सिर्फ किताबों की सिफारिश करने तक सीमित नहीं है। उनका मानना है कि कुछ किताबें केवल कहानियां नहीं सुनातीं, बल्कि इंसान के दुनिया को देखने के नजरिए को बदल देती हैं। यही वजह है कि उन्होंने उन किताबों को चुना है जो परिवार, धर्म, नस्ल, राजनीति और अमेरिका जैसे विषयों पर उनके विचारों को आकार देने में महत्वपूर्ण रही हैं।

ओबामा के लिए यह पॉडकास्ट उनकी सार्वजनिक जिंदगी का एक अलग पहलू सामने लाने का मौका भी है। राष्ट्रपति और राजनेता के रूप में उन्हें पूरी दुनिया ने देखा, लेकिन किताबों के जरिए उनकी व्यक्तिगत सोच और उन विचारों की जड़ों को समझने का यह एक अलग अवसर होगा।

ऐसे समय में जब लोग तेजी से छोटे वीडियो और सोशल मीडिया कंटेंट की ओर बढ़ रहे हैं, ओबामा का किताबों पर केंद्रित पॉडकास्ट शुरू करना अपने आप में दिलचस्प है।

कोस्टा रिका की रेबेका बन सकती हैं पहली महिला यूएन महासचिव, मजबूत दावेदार के तौर पर उभरीं

न्यूयॉर्क। कोस्टा रिका की राजनयिक और पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिन्सपैन अचानक ही वैश्विक पटल पर चर्चा के केंद्र में आ गई हैं। वो इसलिए क्योंकि रेबेका संयुक्त राष्ट्र की अगली महासचिव बनने की दौड़ में अचानक सबसे मजबूत दावेदार के रूप में उभरी हैं। अगर वो चुनी जाती हैं तो संयुक्त राष्ट्र की पहली महिला महासचिव होंगी। वर्तमान महासचिव अंतोनियो गुटेरेस का दूसरा कार्यकाल 31 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र में लंबे समय से चली आ रही अनौपचारिक क्षेत्रीय व्यवस्था के तहत इस बार लैटिन अमेरिका से उम्मीदवार आने की उम्मीद है। ग्रिन्सपैन वर्तमान में यूएनसीटीएडी की महासचिव हैं। उनके माता-पिता द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलैंड से मध्य अमेरिका पहुंचे थे। उनके नाना-नानी में से एक जोड़े को नाजी शासन के दौरान हत्या कर दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों के बीच हुए शुरुआती गोपनीय 'स्ट्रॉ पोल' में ग्रिन्सपैन को 10 समर्थन, 4 तटस्थ और केवल 1 विरोध मिला। यह उन्हें शुरुआती दौर में सबसे मजबूत स्थिति में रखता है। उनकी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी गुयाना की पूर्व संयुक्त राष्ट्र राजदूत कैरोलिन रोड्रिग्स-बर्केट रहीं, जिन्हें 9 समर्थन, 4 तटस्थ और 2 विरोधी वोट मिले। हालांकि, अंतिम तस्वीर अभी साफ नहीं है। द गार्डियन ने एक पश्चिमी राजनयिक के हवाले से बताया कि असली सवाल यह होगा कि विरोध वाले वोट किन स्थायी सदस्यों से आते हैं। यदि अमेरिका, रूस या चीन में से किसी ने किसी उम्मीदवार का विरोध किया, तो प्रक्रिया गतिरोध में फंस सकती है। ग्रिन्सपैन के चयन से एक और ऐतिहासिक पहलू जुड़ा है। वह संयुक्त राष्ट्र की पहली यहूदी महासचिव भी बन सकती हैं। गाजा युद्ध और इजरायल-फिलिस्तीन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र की भूमिका लगातार विवादों में रही है। ग्रिन्सपैन ने अपने यहूदी पारिवारिक इतिहास का उल्लेख करते हुए शांति की अहमियत पर हमेशा जोर दिया। एक बार उन्होंने महासभा में कहा था कि उनके माता-पिता द्वितीय विश्व युद्ध के शरणार्थी थे और कोस्टा रिका में उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ जीवन मिला। उनके मुताबिक, वह इस बात का उदाहरण हैं कि शांति क्या संभव बना सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी वो काफी मुखर हैं। एक्स पर लगातार वो अपने विचार साझा करती रही हैं। उनकी बहन किशोरावस्था में इजरायल चली गई थीं, जहां उन्होंने हिब्रू यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की। उनके भांजे-भांजी ने इजरायल की अनिवार्य सैन्य सेवा भी पूरी की है। ग्रिन्सपैन के नेतृत्व में यूएनसीटीएडी ने इजरायल के कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर आर्थिक प्रभाव का विस्तृत आकलन किया है।

'मैं रो पड़ी थी, मेहनत के बाद भी शरीर साथ नहीं दे रहा था', मनीषा कोइराला ने सुनाया फिटनेस सफर का संघर्ष

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपनी जिंदगी से जुड़ा खास अनुभव साझा किया है। उन्होंने खुलासा किया कि एक समय ऐसा भी आया, जब सख्त खानपान, नियमित एक्सरसाइज और पूरी मेहनत के बावजूद उनके शरीर में कोई बदलाव नहीं दिख रहा था। इस वजह से वह इतनी निराश हो गई थीं कि रो पड़ी थीं।

मनीषा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह अलग-अलग एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। इसके अलावा, उन्होंने कई तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उनके फिटनेस सफर के दौरान खाए जाने वाले पौष्टिक भोजन की झलक भी देखने को मिली।

इस पोस्ट के साथ मनीषा ने कैप्शन में लिखा, 'कई लोगों को लग सकता है कि मैं बार-बार एक्सरसाइज से जुड़ी पोस्ट साझा कर रही हूं, लेकिन मेरे लिए ये पोस्ट केवल जिम या कसरत के बारे में नहीं हैं, बल्कि अपनी जिंदगी और सेहत को दोबारा संवारने की कहानी हैं।'

अभिनेत्री ने लिखा, 'जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आए और मैं उन परिस्थितियों से जूझने में इतनी व्यस्त हो गई कि धीरे-धीरे अपनी सेहत का ध्यान रखना कम कर दिया। यह सब एक दिन में नहीं हुआ। धीरे-धीरे मेरी दिनचर्या बिगड़ती चली गई। कभी नींद कम होने लगी, कभी तनाव बढ़ गया और रोजमर्रा की अच्छी आदतें छूटती चली गईं। फिर एक दिन एहसास हुआ कि मेरा शरीर पहले जैसा नहीं रहा।'

उन्होंने कहा, 'इसके बाद मैंने खुद से एक वादा किया कि अगली फिल्म शुरू करने से पहले मैं अपनी सेहत को प्राथमिकता दूंगी। मुझे लगा कि अगर मैं पूरी मेहनत करूंगी तो सब कुछ ठीक हो जाएगा, लेकिन मेरा शरीर कुछ और ही संकेत दे रहा था।'

मनीषा ने कहा, 'मैंने अच्छा खाना खाया, नियमित रूप से एक्सरसाइज की, खाने की हर कैलोरी का हिसाब रखा, शरीर को जरूरी प्रोटीन भी पर्याप्त मात्रा में दिया और फिटनेस से जुड़ी हर सलाह का पालन किया। इसके बावजूद जब मैं रोज वजन मापती तो मुझे कोई बदलाव नजर नहीं आता था।'

उन्होंने कहा, 'एक दिन मुझे लगा कि शायद वजन मापने वाली मशीन ही खराब है, इसलिए, मैंने नई मशीन खरीद ली। लेकिन नई मशीन ने भी वही नतीजा दिखाया। आज उस बात को याद करके मुझे हंसी आती है, लेकिन उस समय मैं बेहद परेशान थी। मैं इतनी हताश हो गई थी कि रो पड़ी और बार-बार यही सोचती रही कि आखिर मेरा शरीर मेहनत का जवाब क्यों नहीं दे रहा है।'

मनीषा ने बताया, 'बाद में मेरी मुलाकात कुछ अच्छे डॉक्टरों और विशेषज्ञों से हुई, जिन्होंने मुझे समझाया कि बढ़ती उम्र के साथ शरीर में बदलाव आना बिल्कुल स्वाभाविक है। कई साल पहले जैसा शरीर था, वैसा हमेशा नहीं रह सकता। ऐसे में शरीर को सजा देने या जरूरत से ज्यादा दबाव डालने की नहीं, बल्कि उसे समझने और उसकी जरूरतों के अनुसार चलने की आवश्यकता होती है।'

उन्होंने कहा, 'इसके बाद मैंने अपनी सोच और तरीका दोनों बदल दिए। सिर्फ ज्यादा मेहनत करने के बजाय मैंने अपने शरीर की जरूरतों को समझना शुरू किया और यही बदलाव मेरी लिए सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ।'

मनीषा ने बताया, 'लगातार चार महीने तक सही तरीके से मेहनत करने के बाद अब मुझे धीरे-धीरे अच्छे नतीजे दिखाई देने लगे हैं। हालांकि मैं अभी भी अपने तय लक्ष्य तक नहीं पहुंची हूं, लेकिन अब मैं पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, स्वस्थ और उम्मीद से भरी हुई महसूस करती हूं।'

उन्होंने अपनी पोस्ट के आखिर में कहा, 'अगर मेरे पोस्ट पर इन दिनों लगातार एक्सरसाइज, पौष्टिक भोजन, हेल्दी डिश और ट्रेनर के साथ अभ्यास की तस्वीरें दिखाई दे रही हैं, तो यह दिखावे की बात नहीं, बल्कि खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से ठीक करने की एक प्रक्रिया है।'

गट माइक्रोबायोम में बदलाव से कीमोथेरेपी हो सकती है ज्यादा असरदार, नई स्टडी में खुलासाविक्रम साराभाई की जयंती : भाजपा नेताओं की श्रद्धांजलि, विज्ञान और अनुसंधान में योगदान को सराहा

नई दिल्ली। महान भौतिक विज्ञानी, उद्योगपति, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की नींव रखने और देश में परमाणु ऊर्जा के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले डॉ. विक्रम अंबालाल साराभाई की जयंती पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला सहित कई भाजपा नेताओं ने याद करते हुए नमन किया है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने एक्स पर लिखा, 'भारतीय अंतरिक्ष युग के शिल्पकार, पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. विक्रम साराभाई की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण नमन। डॉ. साराभाई का विश्वास था कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। इसी दूरदृष्टि ने भारत में आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान की मजबूत नींव रखी और अंतरिक्ष विज्ञान को राष्ट्र निर्माण का प्रभावी माध्यम बनाया। उनके नेतृत्व में स्थापित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भारत को आत्मनिर्भर, सक्षम और विश्वसनीय अंतरिक्ष शक्ति बनने की दिशा प्रदान की।'

ओम बिड़ला ने आगे कहा, 'उन्होंने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों से जोड़कर यह सिद्ध किया कि विज्ञान तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। आज चंद्रमा से लेकर सूर्य और मंगल तक भारत की ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्राएं, स्वदेशी तकनीक की सफलता, अंतरिक्ष अनुसंधान में युवाओं की सक्रियता और वैश्विक स्तर पर देश की बढ़ती वैज्ञानिक प्रतिष्ठा, डॉ. साराभाई के अमूल्य योगदान की जीवंत विरासत हैं।'

उनके आदर्श, विचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर लिखा, 'भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक, महान वैज्ञानिक, पद्म विभूषण डॉ. विक्रम साराभाई की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करता हूं! विज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान के लिए आपको सदैव याद किया जाएगा।' केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक पद्म विभूषण डॉ. विक्रम साराभाई की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन।' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक, महान वैज्ञानिक पद्म विभूषण डॉ. विक्रम साराभाई की जयंती पर शत-शत नमन।

शिवपूजन सहाय : कलम के साधक की कहानी, जिसने साहित्य और पत्रकारिता को मिशन बनाया

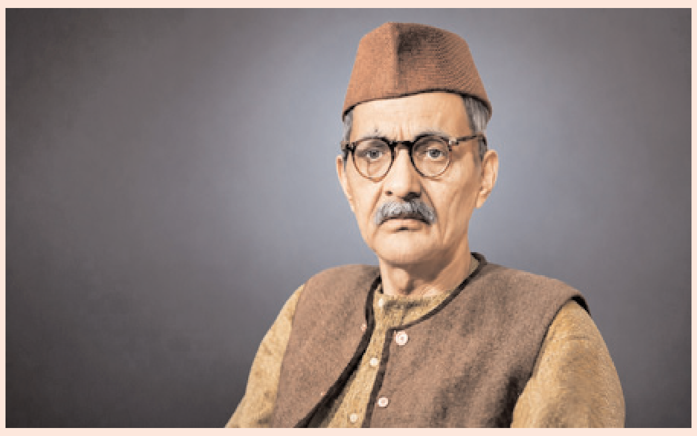

नई दिल्ली। कुछ लोग साहित्य लिखते हैं, तो वहीं कुछ लोग साहित्य को दिशा देते हैं और कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो साहित्य की सेवा में पूरी जिंदगी लगा देते हैं। 9 अगस्त 1893 को बिहार के भोजपुर जिले के उनवांस गांव में जन्मे शिवपूजन सहाय इसी तीसरी श्रेणी के साहित्य-साधक थे।

के समय उनका नाम भोलानाथ रखा गया था। 10वीं पास करने के बाद बनारस की अदालत में नकलनवीस की नौकरी से शुरू हुआ उनका सफर अध्यापन, स्वतंत्र पत्रकारिता, साहित्यिक संपादन और हिंदी भाषा की सेवा तक पहुंचा। असहयोग आंदोलन के दौर में सरकारी नौकरी छोड़कर उन्होंने जिस रास्ते को चुना, वह सिर्फ एक पेशे का बदलाव नहीं था, बल्कि साहित्य को जीवन का उद्देश्य बनाने का फैसला था।

शिवपूजन सहाय का प्रारंभिक जीवन सामान्य नौकरी और अध्यापन से जुड़ा रहा। 10वीं की परीक्षा पास करने के बाद उन्होंने बनारस की अदालत में नकलनवीस के रूप में काम किया। इसके बाद वह अध्यापन के पेशे से जुड़े। लेकिन, देश में चल रहे असहयोग आंदोलन ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। उन्होंने सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और इसके बाद साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हो गए। यह निर्णय उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। इसके बाद अलग-अलग शहरों और पत्र-पत्रिकाओं से जुड़ते हुए उनका व्यक्तित्व एक लेखक, संपादक और साहित्यिक कर्मी के रूप में लगातार विकसित होता गया।

सन 1921 में शिवपूजन सहाय कलकत्ता पहुंचे और 'मारवाड़ी सुधार' के संपादन से जुड़े। इसके बाद 1923 में 'मतवाला' पत्रिका के संपादन की जिम्मेदारी संभाली। यह दौर उनके संपादकीय जीवन के विस्तार का था। पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से साहित्यिक पत्रकारिता को उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। सन 1924 में वह लखनऊ चले गए, जहां उन्होंने 'माधुरी' पत्रिका के संपादकीय विभाग में काम किया। यही वह समय था, जब वह प्रेमचंद के कार्य-सहयोगी बने। प्रेमचंद की चर्चित रचना 'रंगभूमि' और कुछ अन्य कहानियों के संपादन में भी शिवपूजन सहाय ने योगदान दिया।

शिवपूजन सहाय के साहित्यिक जीवन की एक खास पहचान उनका संपादन-कर्म भी रहा। प्रेमचंद जैसे महत्वपूर्ण रचनाकार के साथ काम करते हुए उन्होंने उनकी रचनाओं के संपादन में सहयोग किया। लखनऊ के बाद 1925 में वह फिर कलकत्ता लौटे। यहां उन्होंने 'समन्वय', 'मौजी', 'गोलमाल' और 'उपन्यास तरंग' जैसी अल्पकालिक पत्रिकाओं का संपादन किया। इसके बाद 1926 में वह काशी चले गए और स्वतंत्र पत्रकार के रूप में कार्य करने लगे।

सन 1932 में जयशंकर प्रसाद और उनके मित्रमंडल द्वारा काशी से प्रकाशित साहित्यिक पाक्षिक 'जागरण' से शिवपूजन सहाय जुड़े। यहां भी एक बार फिर उन्हें प्रेमचंद के कार्य-सहयोगी के रूप में काम करने का अवसर मिला। वाराणसी में उनका साहित्यिक जुड़ाव केवल पत्र-पत्रिकाओं तक सीमित नहीं रहा। वह नागरी प्रचारिणी सभा और ऐसे कई अन्य साहित्यिक मंडलों के सक्रिय सदस्य भी रहे। इस तरह काशी उनके साहित्यिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बना, जहां पत्रकारिता, संपादन और साहित्यिक गतिविधियों के साथ उनका जुड़ाव और मजबूत हुआ।

सन 1935 में शिवपूजन सहाय सपरिवार लहेरिया सराय, दरभंगा चले गए। वहां वह 'बालक' पत्रिका के संपादन से जुड़े। इसके बाद 1939 में उन्हें राजेंद्र कॉलेज, छपरा में हिंदी के प्राध्यापक के रूप में नियुक्त किया गया। यहां पहुंचते-पहुंचते शिवपूजन सहाय का व्यक्तित्व कई भूमिकाओं को समेट चुका था, वह लेखक थे, संपादक थे, पत्रकार थे और अध्यापक भी।

शिवपूजन सहाय के जीवन का एक महत्वपूर्ण अध्याय वर्ष 1950 में शुरू हुआ, जब उन्हें बिहार राष्ट्र भाषा परिषद का सचिव नियुक्त किया गया। इस पद पर रहते हुए उन्होंने हिंदी संदर्भ ग्रंथों के 50 से अधिक संस्करणों का संपादन और प्रकाशन किया। बाद में वह परिषद के निदेशक भी बने। इसी दौरान उन्होंने 'हिंदी साहित्य और बिहार' शीर्षक साहित्यिक इतिहास का संकलन और संपादन किया। यह भूमिका उनके साहित्यिक जीवन के उस पक्ष को सामने लाती है, जिसमें लेखन के साथ-साथ हिंदी भाषा और साहित्य के व्यवस्थित संरक्षण, संपादन और प्रकाशन को भी महत्वपूर्ण स्थान मिला।

शिवपूजन सहाय को केवल संपादक के रूप में याद करना उनके साहित्यिक व्यक्तित्व को सीमित कर देना होगा। वह कथाकार और उपन्यासकार के रूप में भी लोकप्रिय रहे। उनके लेखन में गद्य-साहित्य की विविध विधाओं की झलक मिलती है। उनकी प्रमुख कृतियों में 'देहाती दुनिया', 'महिला-महत्व', 'विभूति', 'वे दिन वे लोग', 'बिंब-प्रतिबिंब', 'मेरा जीवन', 'स्मृतिशेष', 'हिंदी भाषा और साहित्य', 'ग्राम सुधार' और 'माता का आंचल' शामिल हैं। उनका साहित्यिक योगदान सिर्फ उनकी मौलिक रचनाओं तक सीमित नहीं था। उन्हें साहित्यिक स्मारक संस्करणों के संपादन के लिए भी याद किया जाता है।

शिवपूजन सहाय के संपादन-कर्म का दायरा काफी व्यापक रहा। उन्होंने कई महत्वपूर्ण ग्रंथों का संपादन किया। इनमें 'द्विवेदी अभिनंदन ग्रंथ', 'जयंती स्मारक ग्रंथ', 'अनुग्रह अभिनंदन ग्रंथ', 'राजेंद्र अभिनंदन ग्रंथ', 'हिंदी साहित्य और बिहार', 'अयोध्या प्रसाद खत्री स्मारक ग्रंथ', 'बिहार की महिलाएं', 'आत्मकथा' और 'रंगभूमि' प्रमुख हैं। पत्र-पत्रिकाओं के क्षेत्र में भी उनकी सक्रियता लगातार बनी रही। उनके संपादन से जुड़ी पत्र-पत्रिकाओं में 'मारवाड़ी सुधार', 'मतवाला', 'माधुरी', 'समन्वय', 'मौजी', 'गोलमाल', 'जागरण', 'बालक' और 'हिमालय' शामिल हैं।

इस लंबी सूची से उनके साहित्यिक जीवन का एक खास पहलू सामने आता है, वह सिर्फ रचनाकार नहीं थे, बल्कि साहित्यिक वातावरण और साहित्यिक संस्थानों को आकार देने वाले संपादक भी थे। शिवपूजन सहाय की रचनाओं को व्यवस्थित रूप से संकलित और प्रकाशित करने का काम भी हुआ। बाद में उनके पुत्र मंगल मूर्ति ने उनके संपूर्ण कार्य को 'शिवपूजन सहाय साहित्य समग्र' के नाम से 2011 में 10 खंडों में संपादित और प्रकाशित किया। शिवपूजन सहाय के साहित्यिक योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मान मिला। 1960 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया। उनकी स्मृति और योगदान को डाक टिकट जारी किए जाने के माध्यम से भी सम्मानित किया गया।

विश्व केसरी

सनी देओल के अभिनय को देखकर खामोश हो जाता था पूरा सेट

कनिका कपूर ने साझा किया अनुभव

'बटवारा 1947' में नजर आएंगी कनिका कपूर

मुंबई । बॉलीवुड में कदम रखने जा रहीं अभिनेत्री कनिका कपूर इन दिनों अपनी डेब्यू फिल्म 'बटवारा 1947' को लेकर चर्चा में हैं। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1947 के भारत विभाजन की कहानी और उस दौर में लोगों की जिंदगी पर आधारित है।

फिल्म में कनिका कपूर के साथ करण देओल, अली फजल, शबाना आजमी और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म को लेकर कनिका काफी उत्साहित हैं और शूटिंग से जुड़ी यादों को आईएएनएस के साथ साझा किया। इसी दौरान उन्होंने सनी देओल और प्रीति जिंटा के साथ जुड़े ऐसे अनुभव बताए, जो उनके लिए हमेशा खास रहेंगे।

मीडिया से बात करते हुए कनिका कपूर ने कहा, ''जब मैं राजवीर की डेब्यू फिल्म 'दोनों' में काम कर रही थीं, तब मुझे सनी देओल से मिलने का अवसर मिला। वह हमेशा बेहद शालीनता से पेश आते थे। उनके साथ मुलाकात और सेट पर उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए बेहद यादगार अनुभव रहा।''

सनी देओल के अभिनय को याद करते हुए कनिका ने कहा, ''मुझे याद है कि एक-दो सीन्स में मेरा छोटा-सा हिस्सा था। मैं बैठकर उन्हें अभिनय करते हुए देखा करती थी। जिस तरह से वह अपने डायलॉग्स बोलते थे, वह देखने लायक था। वह एक डायलॉग बोलते और पूरा सेट खामोश हो जाता था। हर टेक के बाद लोग तालियां बजाते थे। उन्हें अभिनय करते देखना अपने आप में एक शानदार अनुभव था।''

कनिका ने अपनी डेब्यू फिल्म 'बटवारा 1947' की शूटिंग से जुड़ी एक भावुक याद भी साझा की। उन्होंने कहा, ''इस फिल्म में काम करना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा रहा। शूटिंग के दौरान कई ऐसे पल रहे जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगी, लेकिन करण देओल के साथ किया गया एक लुक टेस्ट मेरे लिए सबसे खास बन गया।''

कनिका ने कहा, ''करण देओल के साथ फाइनल लुक टेस्ट के दिन मुझे शूटिंग शुरू होने से पहले ही एक इमोशनल सीन करने के लिए कहा गया। खास बात यह थी कि उस दिन प्रीति जिंटा और सनी देओल भी सेट पर मौजूद थे। डायरेक्टर के 'कट' कहने तक मैं पूरी तरह किरदार में थीं।

जैसे ही सीन खत्म हुआ, मेरी आंखों में आंसू थे और मैं लगातार रो रही थीं। मैं किरदार में इस कदर डूब गई थीं कि कैमरे के पीछे क्या हो रहा है, मुझे कुछ पता नहीं था।''

कनिका ने बताया, ''तभी मुझे अचानक तालियों की आवाज सुनाई दी। मैंने धुंधली नजरों से देखा, तो सेट पर मौजूद लोग खड़े होकर मेरे लिए तालियां बजा रहे थे, उनमें प्रीति जिंटा का भी चेहरा था। मुझे विश्वास नहीं हुआ, मैंने तुरंत अपने आंसू पोंछे और देखा कि वाकई में प्रीति जिंटा खड़ी होकर मेरे अभिनय की तारीफ कर रही थीं।''

कनिका ने कहा, ''वह पल मेरे लिए बहुत मायने रखता था। मैंने प्रीति जिंटा को गले लगाया। उन्होंने मुझसे कहा कि आपने शानदार अभिनय किया। उनकी यह तारीफ मेरे लिए इसलिए भी खास थी क्योंकि प्रीति जिंटा बचपन से ही मेरी पसंदीदा अभिनेत्री रही हैं। मैंने उनको 'कल हो ना हो' और 'कोई मिल गया' जैसी फिल्मों में देखा है। वह लंबे समय से मेरी आदर्श रही है। ऐसे में उनसे अपने अभिनय की तारीफ सुनना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।

'बिग बॉस 20' में होगा बड़ा बदलाव, सलमान खान ने बताया- 'एक्स्ट्रा जीवनदान से बदलेगा गेम'

विश्व केसरी

मुंबई । सलमान खान एक बार फिर छोटे पर्दे के सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस' के नए सीजन के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। 'बिग बॉस सीजन 20' को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है। अब मेकर्स ने शो का नया प्रोमो जारी कर इस सीजन के खास ट्विस्ट की झलक भी दिखा दी है। इस बार शो में 'एक्स्ट्रा जीवनदान' का कॉन्सेप्ट पेश किया जा रहा है, जो कंटेस्टेंट्स के गेम और घर में टिके रहने के तरीके को पूरी तरह बदल सकता है।

नए सीजन के प्रोमो में सलमान खान ने भी इस नए ट्विस्ट को लेकर अपनी बात रखी है। उन्होंने बताया कि 'बिग बॉस' में हर साल गेम के नियम और अंदाज में बदलाव देखने को मिलता है, लेकिन इस बार सिर्फ गेम ही नहीं, बल्कि इसे खेलने का तरीका भी बदलने वाला है।

सलमान खान ने कहा, ''बिग बॉस में हर साल गेम बदलता है। इस बार सिर्फ गेम नहीं, खेलने का तरीका भी बदलने वाला है। 'जीवनदान' सुनने में जितना सीधा लगता है, उतना है नहीं। बाकी, घर के अंदर पता चल ही जाएगा। सलमान के इस बयान ने शो के नए ट्विस्ट को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

सलमान खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शो के नए प्रोमो की झलक साझा की। शो का प्रोमो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ''सभी घरवालों के लिए दो जिंदगियों का वरदान। मेरी जान, 'बिग बॉस' 6 सितंबर से जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर शुरू हो रहा है।''

प्रोमो की शुरुआत एक अखाड़े जैसे माहौल में दो योद्धाओं के बीच जबरदस्त टकराव से होती है। दोनों के बीच मुकाबला काफी आक्रामक नजर आता है और माहौल लगातार तनावपूर्ण होता जाता है। इसी दौरान सलमान खान की दमदार एंट्री होती है। वह शो के इस सीजन के सबसे बड़े ट्विस्ट यानी कंटेस्टेंट्स के लिए मिलने वाले अतिरिक्त 'जीवनदान' का खुलासा करते हैं। प्रोमो से संकेत मिलता है कि इस बार घर में शामिल होने वाले कंटेस्टेंट्स को गेम में बने रहने का एक एक्स्ट्रा मौका मिल सकता है। यानी किसी कंटेस्टेंट के सामने ऐसी स्थिति आने पर, जहां उसका सफर खत्म होने वाला हो, वहां 'एक्स्ट्रा जीवनदान' उसकी किस्मत बदल सकता है। हालांकि, मेकर्स ने अभी यह साफ नहीं किया है कि यह जीवनदान सभी कंटेस्टेंट्स को मिलेगा या इसे हासिल करने के लिए उन्हें कोई टास्क या शर्त पूरी करनी होगी, या फिर 'एक्स्ट्रा जीवनदान' का इस्तेमाल कब और किस परिस्थिति में किया जा सकेगा।

किशोर कुमार से शादी, फिर मिथुन का साथ... किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं योगिता बाली की लव लाइफ

नई दिल्ली। बॉलीवुड की दुनिया बाहर से जितनी चमकदार दिखती है, उसके पीछे सितारों की जिंदगी में उतने ही उतार-चढ़ाव छिपे होते हैं। कुछ ऐसी ही कहानी अभिनेत्री योगिता बाली की भी है। 13 अगस्त 1952 को मुंबई में जन्मीं योगिता बाली ने 70 और 80 के दशक में अपनी खूबसूरती और अभिनय से लाखों दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। लेकिन फिल्मों से ज्यादा उनकी निजी जिंदगी सुर्खियां बंटोरी। प्यार, शादी, तलाक और फिर एक ऐसे रिश्ते की शुरुआत, जो आज भी कायम है।

योगिता बाली का संबंध भी फिल्मी परिवार से रहा। वह मशहूर अभिनेत्री गीता बाली की भतीजी हैं। ऐसे में बचपन से ही उनका फिल्मी दुनिया से जुड़ाव रहा। जब उन्होंने फिल्मों में कदम रखा तो उनकी खूबसूरती ने लोगों को दीवाना बना दिया।

साल 1971 में फिल्म 'परवाना' से उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया और अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना, देव आनंद, संजीव कुमार और सुनील दत्त जैसे बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर की।

हालांकि, योगिता को ज्यादातर फिल्मों में सहायक भूमिकाएं मिलीं, लेकिन उन्होंने करीब 60 से ज्यादा फिल्मों में काम करके अपनी अलग पहचान बनाई। 'नागिन', 'महबूबा', 'चाचा भतीजा', 'जानी दुश्मन' और 'राजतिलक' जैसी फिल्मों में उनका काम याद किया जाता है। लेकिन इसी दौरान उनकी निजी जिंदगी में भी एक बड़ा मोड़ आया।

साल 1976 में योगिता बाली ने मशहूर गायक और अभिनेता किशोर कुमार से शादी कर ली। किशोर कुमार की यह तीसरी शादी थी।

नयनतारा ने की 'टॉक्सिक' की निर्देशक गीतू मोहनदास की जमकर तारीफ, बोलीं- 'वह हर कलाकार को अपना बना लेती हैं'

विश्व केसरी

मुंबई। साउथ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में कन्नड़ सुपरस्टार यश मुख्य भूमिका में हैं, जबकि नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं।

फिल्म को लेकर चर्चा सिर्फ इसकी स्टारकास्ट और कहानी की वजह से नहीं है, बल्कि निर्देशक गीतू मोहनदास के काम करने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। अब फिल्म की अभिनेत्री नयनतारा ने गीतू की तारीफ की है।

हाल ही में 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में नयनतारा ने गीतू मोहनदास के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, ''अब तक सभी लोग गीतू की एक निर्देशक के तौर पर खूब तारीफ कर चुके हैं, लेकिन मैं उनके व्यक्तित्व के उस पहलू के बारे में बात करना चाहती हूं, जो शायद पर्दे के पीछे नजर आता है। गीतू सिर्फ कलाकारों से उनका काम नहीं करवातीं, बल्कि उनकी भावनाओं को समझती हैं और मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी भी रहती हैं।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकारों को कई तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। किसी के लिए दिन अच्छा रहा तो किसी को मुश्किल सीन का सामना करना पड़ा। ऐसे समय में गीतू ने निर्देशक होने के साथ-साथ एक मजबूत सहारे की भूमिका भी निभाई। वह हर स्थिति में उनके साथ मौजूद रहीं। यही चीज गीतू को एक अलग तरह की निर्देशक बनाती है। वह अपने कलाकारों को केवल फिल्म का हिस्सा नहीं मानतीं, बल्कि उनके साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी बनाती हैं। इस दौरान नयनतारा ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक भावुक किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया, ''एक बार शूटिंग के दौरान गीतू एक कलाकार को लेकर काफी भावुक हो गई थीं। वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं। इसके बाद वह उस कलाकार के साथ कुछ देर तक रही, ताकि उसे अकेला न महसूस हो।

'पहले पैसा देना, बाकी चीजें बाद में', काजल राघवानी ने बप्पा से की प्रार्थना

विश्व केसरी

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री काजल राघवानी इन दिनों अपनी निजी जिंदगी और बयानों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को एक खास पोस्ट शेयर की।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर पोस्ट की, जिसके जरिए उन्होंने अपने दिल की बात बयां करते हुए लिखा, 'बप्पा, अगला जन्म देना होगा तो, सबसे पहले पैसा देना, बाकी चीजें बाद में देना। क्योंकि जहां पैसा वहां सब सुनते है और अच्छा भी कहते है। जहां नहीं वहां तकलीफ ही तकलीफ होती हैं। साथ ही, उन तमाम लोगों को भी खूब सारा पैसा देना जो बस पैसा न होने के कारण आज भी अपने न्याय के लिए सालों से अदालत की चौखट पर जाकर गिड़गिड़ा रहे हैं। चाहे लड़की वालों की तरफ से हो या लड़के की तरफ से। काजल की पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और कई यूजर्स कमेंट सेक्शन पर कमेंट कर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बता दें कि अभिनेत्री ने हाल ही में रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' और उनके पुराने रिश्तों से जुड़े विवादों और इंडस्ट्री में हुए फेवरेटिज्म को लेकर खुलकर बात की, जिसके बाद विवाद बढ़ता दिख रहा है। उन्होंने शो के दौरान पवन सिंह पर शूटिंग में जबरदस्ती किसिंग सीन करवाने का आरोप लगाया, और बिना नाम लिए खेसारी लाल यादव पर धोखा, मारपीट व धमकी देने जैसे गंभीर दावे किए। साथ ही उन्होंने निरहुआ व आम्रपाली दुबे पर भी तीखे बयान दिए हैं।

शो के दौरान काजल ने आम्रपाली से डायरेक्ट सवाल किया था कि क्या आम्रपाली उनसे असहज महसूस करती हैं। साथ ही, काजल ने निरहुआ के एक पुराने बयान को लेकर निशाना साधा जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी को लेकर बात की थी। काजल ने कहा कि जो व्यक्ति अपनी पत्नी को सम्मान नहीं दे सकता, वह दूसरों को क्या इज्जत देगा।

काजल ने यह भी दावा किया कि निरहुआ के चलते उन्हें फिल्मों से हटाया गया, जिसके बाद आम्रपाली और निरहुआ ने भी पलटवार करते हुए उनके बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी।

मीनाक्षी शेषाद्रि ने रिक्रिएट किया गाना 'बहुत जताते हो, चाह हमसे'

विश्व केसरी

मुंबई । अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए फिल्म 'आदमी खिलौना है' के दिनों को याद किया। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए फिल्म में फिल्माया गया गाना 'बहुत जताते हो, चाह हमसे' के पीछे की स्टोरी बताई।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट की, जिसमें वे 'बहुत जताते हो, चाह हमसे' पर डांस कर रही हैं। वीडियो में अभिनेत्री शानदार एक्सप्रेशन और डांस मूव्स के साथ डांस कर रही हैं। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'यह बहुत ही खूबसूरत रोमांटिक गाना है। यह गाना मेरी फिल्म 'आदमी खिलौना है' से लिया गया है। महाबलेश्वर की हसीन वादियों में इस गाने को फिल्माया गया था। नदीम श्रवण का ये गीत बेहद पसंद किया गया। इसे दोबारा फिल्माने में बहुत मजा आया।'

अभिनेत्री के इस वीडियो ने फैंस को पुराने दिनों का एहसास करवा दिया।

गाना 'बहुत जताते हो, चाह हमसे' की बात करें, तो यह साल 1993 की बॉलीवुड फिल्म 'आदमी खिलौना है' का एक बेहद प्रसिद्ध रोमांटिक गाना है। इस गाने को मशहूर गायक मोहम्मद अजीज और अलका याग्निक ने अपनी आवाज दी थी और इसके बोल समीर ने लिखे थे। इसका संगीत नदीम-श्रवण की प्रसिद्ध जोड़ी ने तैयार किया था।

यह गाना प्यार, अपनेपन और दिल की गहराइयों में छिपे जज्बातों को बयां करता है। इसके बोल प्रेमी-प्रेमिका के बीच के मीठे अहसासों, शिकायत और एक-दूसरे के साथ जीने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। 90 के दशक का यह मेलोडी सॉन्ग आज भी अपने कर्णप्रिय संगीत के लिए पसंद किया जाता है।

1993 में रिलीज हुई पारिवारिक और भावनात्मक हिंदी ड्रामा फिल्म 'आदमी खिलौना है' का निर्देशन जे. ओम प्रकाश ने किया और संगीत नदीम-श्रवण ने दिया था। इस फिल्म में जितेंद्र, गोविंदा, रीना रॉय और मीनाक्षी शेषाद्रि ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

फिल्म की कहानी पारिवारिक त्याग और रिश्तों के ताने-बाने पर आधारित है। विजय (जीतेंद्र) और गंगा (रीना रॉय) एक खुशहाल जोड़ा है जो विजय के छोटे भाई शरद (गोविंदा) के साथ रहता है।

जब यह पता चलता है कि शरद की पत्नी पूनम (मीनाक्षी शेषाद्रि) बच्चे को जन्म नहीं दे सकती है, तब गंगा एक बड़ा त्याग करती है और अपना बच्चा पूनम को सौंप देती है।

इसके बाद परिवार में शुरू होने वाले भावनात्मक उतार-चढ़ाव और गलतफहमियों की कहानी ही इस फिल्म का मुख्य सार है।

स्यूटा में अवैध प्रवासियों को वापस भेजा जाएगा मोरक्को : स्पेन के विदेश मंत्री

विश्व केसरी

मैड्रिड। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस ने मंगलवार (स्थानीय समय) को स्यूटा दौरे के दौरान कहा है कि जुलाई के आखिर में स्पेन के उत्तर अफ्रीकी क्षेत्र स्यूटा में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले सभी प्रवासियों को वापस मोरक्को भेजा जाएगा।

स्पेन सरकार के अनुमान के मुताबिक, जुलाई के अंत में पड़ोसी देश मोरक्को से 70,000 से अधिक लोग अवैध रूप से सीमा पार कर इस क्षेत्र में प्रवेश कर गए थे। स्यूटा के राष्ट्रपति जुआन जीसस विवास ने पिछले गुरुवार को यूरोपीय संसद की नागरिक स्वतंत्रता, न्याय और गृह मामलों की समिति की एक विशेष बैठक में बताया था कि इस बड़े पैमाने पर हुए प्रवासी प्रवेश के दौरान करीब 100 लोगों की मौत हो गई।

विवास ने हाल ही में कहा था कि स्यूटा में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले ज्यादातर लोग स्वेच्छा से मोरक्को लौट चुके हैं, लेकिन लगभग दस हजार लोग अब भी वहां मौजूद हैं।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्री अल्बारेस ने कहा कि कुछ प्रवासी ऑनलाइन फैलाई गई गलत जानकारी के प्रभाव में आ गए थे। उन्हें यह विश्वास दिलाया गया था कि स्यूटा में प्रवेश करने के बाद उन्हें स्पेन के मुख्य भूभाग या यूरोप के अन्य हिस्सों में जाने का अधिकार मिल जाएगा। उन्होंने बताया कि शहर से कोई भी व्यक्ति स्पेन के मुख्य भूभाग में नहीं गया है। अल्बारेस ने कहा कि मोरक्को के साथ हम जो राजनयिक प्रयास कर रहे हैं, उनका उद्देश्य अनियमित तरीके से प्रवेश करने वाले सभी लोगों को वापस भेजना है। इस बीच, 15 अगस्त को एक और बड़े पैमाने पर सीमा पार करने की संभावित योजना से जुड़ी ऑनलाइन रिपोर्टों के बाद स्पेनिश अधिकारियों ने स्यूटा में तैनात सैन्य कर्मियों और सिविल गार्ड के सभी अवकाश रद्द कर दिए हैं। इससे पहले, विवास ने यूरोपीय संसद की उसी विशेष बैठक में बताया था कि स्पेन के उत्तर अफ्रीकी क्षेत्र स्यूटा में बड़े पैमाने पर सीमा पार करने की घटना के दौरान लगभग 100 लोगों की मौत हुई थी।

उन्होंने कहा कि करीब 80,000 लोग स्यूटा में दाखिल हुए थे, जिनमें से लगभग 75,000 बाद में स्वेच्छा से लौट गए।

विवास के अनुसार, अभी भी 3,000 से 5,000 प्रवासी स्यूटा में मौजूद हैं। इससे वहां के स्वागत केंद्रों पर भारी दबाव पड़ रहा है और गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, प्रवासियों के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराने और यूरोपीय संघ की एजेंसियों से ज्यादा सहयोग देने की मांग की।

होर्मुज पर निर्भरता घटाने की तैयारी में जापान, कनाडा से पहुंची कच्चे तेल की पहली खेप

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जापान ने मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के बीच कनाडा से कच्चे तेल की पहली खेप हासिल की है। इस मौके पर जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने कनाडा को एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए इस प्रयास को दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग की दिशा में बड़ी सफलता बताया।

जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'बुधवार को मध्य पूर्व की स्थिति बिगड़ने के बाद पहली बार कनाडा का कच्चा तेल लेकर एक टैंकर जापान पहुंचा है। कनाडा आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में जापान का एक महत्वपूर्ण साझेदार है, और यह ऐसा क्षेत्र है जिसे बढ़ावा देने पर मैं स्वयं भी विशेष जोर दे रही हूं।'तकाइची ने बताया कि इस वर्ष छह मार्च को जब कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी जापान आए थे, तब हमने दोनों देशों के संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के नए स्तर तक ले जाने पर सहमति जताई थी। साथ ही, हमने 'जापान-कनाडा शिखर सम्मेलन संयुक्त वक्तव्य' पर हस्ताक्षर किए थे, जो दोनों देशों के बीच पहला ऐसा शिखर दस्तावेज था।

खास तौर पर कच्चे तेल के मुद्दे पर, प्रधानमंत्री कार्नी के साथ हुई बैठक में हमने 'कनाडाई कच्चे तेल की खरीद' को जापान-कनाडा रणनीतिक साझेदारी के एक ठोस उदाहरण के रूप में चर्चा का विषय बनाया था। उन्होंने बताया कि कच्चे तेल की यह आपूर्ति ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में जापान और कनाडा के बीच सहयोग की एक बड़ी सफलता है। इससे पहले दोनों देश एलएनजी (एलएनजी) और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के क्षेत्र में भी सहयोग कर चुके हैं। यह हमारे लिए बेहद खुशी की बात है और जापान की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिहाज से इसका विशेष महत्व है। तकाइची ने कहा, 'कनाडा, जो 'मुक्त और खुला इंडो-पैसिफिक' को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी साझा करने वाला एक भरोसेमंद सहयोगी देश है, आगे भी हमारे साथ मिलकर काम करता रहेगा।

पीएम तकाइची ने कहा कि? कच्चे तेल की वैकल्पिक आपूर्ति के बारे में बात करें तो सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर ऐसी आपूर्ति व्यवस्थाएं विकसित करने में पूरी कोशिश कर रहे हैं जो होर्मुज स्?ट्रेट पर निर्भर न हों। अगस्त महीने के लिए भी फिलहाल हमारा अनुमान है कि बिना तेल भंडार से तेल निकाले, पिछले वर्ष के औसत मासिक स्तर के करीब 100 प्रतिशत आपूर्ति हासिल की जा सकती है।

संक्षिप्त खबर

बांग्लादेश में बढ़ रही बेरोजगारी, अवसरों की कमी से युवा निराश

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश के युवा बढ़ते रोजगार संकट का सामना कर रहे हैं। ऐसे युवाओं की तादाद अच्छी खासी है जिनके पास टैलेंट तो है लेकिन अवसरों की कमी के कारण खाली बैठे हुए हैं। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को एक देशव्यापी सर्वे का हवाला देते इसकी जानकारी दी। इस सर्वे के नतीजों से पता चलता है कि बेरोजगारी देश भर के युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर उभरी है। 'बांग्लादेश में युवाओं की समस्याएं और संभावित समाधान' शीर्षक वाले इस सर्वे में, बांग्लादेश के युवाओं के बीच बेरोजगारी, कौशल की कमी, मानसिक तनाव, डिजिटल लत, ऑनलाइन गैंबलिंग और ड्रग्स का इस्तेमाल बड़ी परेशानी का कारण बने हैं। बांग्लादेशी अखबार ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, यह आकलन सामाजिक सरोकारों से जुड़े संगठन शोपनपुरी कल्याण संस्था और बांग्लादेश को-क्रिएशन ने मिलकर इंटरनेशनल यूथ डे 2026 को मनाने के लिए किया था। इंटरनेशनल यूथ डे बुधवार को यूनाइटेड नेशंस की थीम 'अलग-अलग हालात, एक जैसी उम्मीदें' के तहत मनाया जाता है। हर साल 12 अगस्त को मनाया जाने वाला यह दिन दुनिया भर के युवाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और मौकों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है और सतत विकास में जरूरी साझेदार के तौर पर उनकी भूमिका को रेखांकित करता है। सर्वे में बांग्लादेश भर से छात्रों, युवा आयोजकों, वॉलंटियर्स, समाज सेवा से जुड़े लोगों, और युवा नवाचारों से जुड़े प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

इंडोनेशिया : पैसेंजर फेरी में आग लगने से एक की मौत, 106 को सुरक्षित निकाला गया

विश्व केसरी

जकार्ता। इंडोनेशिया के वेस्ट नुसा तेंगारा प्रांत के लोम्बोक स्ट्रेट के पास बुधवार सुबह एक पैसेंजर फेरी 'पुत्री यास्मिन' में आग लग गई। इस हादसे में एक शख्स की मौत हो गई जबकि 106 को सुरक्षित निकाल लेने का दावा रेस्क्यू टीम ने किया है। स्थानीय बचाव दल, मातारम सर्च एंड रेस्क्यू (एसएआर) टीम के अनुसार बचाए गए सवारों को लोम्बोक के लेम्बर बंदरगाह और बाली के पदांगबाई बंदरगाह तक पहुंचाया गया।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने एसएआर प्रमुख मुहम्मद हरियादी के हवाले से बताया कि यात्रियों को एसएआर एजेंसी, इंडोनेशियन नेवी, केएमपी पोर्ट लिंक के जहाजों और स्थानीय मछुआरों ने मिलकर बचाया। यह फेरी नियमित तौर पर लेम्बर पोर्ट-पदांगबाई पोर्ट रूट पर चलती है। बचे हुए लोगों में से एक ऑस्ट्रेलियाई और बाकी इंडोनेशियाई थे। हरियादी ने कहा कि उन्हें कई जहाजों का इस्तेमाल करके बाली और लोम्बोक के पोर्ट पर निकाला गया। रेस्क्यू ऑपरेशन में 200 से अधिक लोगों को लगाया गया था, जबकि लापता यात्रियों की तलाश जारी थी।

इंडोनेशिया की अंतारा न्यूज एजेंसी के अनुसार, हरियादी ने कहा, 'हमने लोगों को निकालने और आस-पास के दूसरे जहाजों के साथ कोऑर्डिनेट करने के लिए केएन 220 मातारम, एक रिजिड इन्फ्लेटेबल बोट (आरआईबी), और एक रिजिड बॉयेंसी बोट (आरबीबी) को उस जगह पर भेजा।' उन्होंने बताया कि 30 सवारों को केएमपी पोर्ट लिंक से पदांगबाई तक निकाला गया, 59 को केएन एसएआर अर्जुन 220 से लेम्बर पोर्ट तक और 17 को नेवी के एक जहाज से लेम्बर तक निकाला गया।

मातारम एसएआर कार्यालय ने डेनपसार एसएआर के साथ मिलकर काम किया। डेनपसार एसएआर ने ही ऑपरेशन में मदद के लिए केएन एसएआर अर्जुन को भेजा था। इस बीच, एसजीआई एयर बाली ने हवाई निगरानी और सर्चिंग के कामों के लिए एक हेलीकॉप्टर तैनात किया है।

रूस के साइबेरिया तक पहुंचा यूक्रेन का हमला, 2500 किलोमीटर दूर तेल रिफाइनरी को बनाया निशाना

विश्व केसरी

नई दिल्ली। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने लंबी दूरी की मारक क्षमता हासिल करते हुए रूस के अहम ठिकानों को तबाह करने का दावा किया है। यूक्रेन ने रूस के साइबेरिया क्षेत्र में 2,500 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित तेल रिफाइनिंग सुविधा को निशाना बनाने का दावा किया है। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि रूस के रणनीतिक ठिकानों तक उसकी पहुंच बढ़ रही है।

यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'यूक्रेन की लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता ने एक नया मुकाम हासिल किया है। यूक्रेन की रक्षा सेनाओं ने रूस के तेल रिफाइनिंग उद्योग की एक और महत्वपूर्ण सुविधा को निशाना बनाया है। इस बार हमला साइबेरिया के टोबोल्स्क शहर में किया गया, जो यूक्रेन से 2,500 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर है।''

मंत्रालय ने कहा कि रूस के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि उसके पास अब पूरी तरह सुरक्षित रणनीतिक पिछला क्षेत्र (स्ट्रेटेजिक रियर) नहीं बचा है। यूक्रेन की लगातार बढ़ती लंबी दूरी के हमले करने की क्षमता के कारण रूस के युद्ध को समर्थन देने वाले अधिक से अधिक बुनियादी ढांचे अब उसकी पहुंच में आ रहे हैं।

मंत्रालय ने कहा कि आगे भी गहरे और लंबी दूरी के हमले करता रहेगा। इसका उद्देश्य साफ है, रूस को यह समझाना कि युद्ध जारी रखने की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है और आखिरकार शांति ही एकमात्र रास्ता है। रूस और यूक्रेन में दोनों ओर से हमले जारी हैं। मंगलवार को भी रूस ने यूक्रेनी सैन्य ठिकानों और ड्रोन नियंत्रण केंद्रों को निशाना बनाया।

न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन ने जीता विश्वास मत, बने रहेंगे नेशनल पार्टी के नेता

विश्व केसरी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने बुधवार को कॉकस में हुए विश्वास मत में समर्थन हासिल कर लिया। वह सत्तारूढ़ नेशनल पार्टी के नेता बने रहेंगे। यह फैसला राजधानी वेलिंगटन में कई घंटों तक चली कॉकस बैठक के बाद सामने आया। लक्सन ने संसद में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्हें अपनी पार्टी के सांसदों का 'पूरा समर्थन' मिला है और वह नेशनल पार्टी के नेता के पद पर बने रहेंगे। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह विश्वास मत न्यूजीलैंड के आम चुनाव से 90 दिन से भी कम समय पहले हुआ है। ऐसे में चुनावी अभियान की तैयारी कर रही सत्तारूढ़ पार्टी के लिए, लक्सन के नेतृत्व पर फिर से ध्यान केंद्रित हो गया है। लक्सन ने यह बैठक उस समय बुलाई जब उनके नेतृत्व को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। हाल के महीनों में उनकी कुछ टिप्पणियों और फैसलों को लेकर विवाद हुए थे। इनमें व्यवसायों को लेकर दिया गया उनका 'माता-पिता और बच्चे' वाला बयान, ऑकलैंड की यात्रा के लिए सैन्य विमान का इस्तेमाल, और दोबारा चुने जाने पर मिश्रित-सदस्य आनुपातिक चुनाव प्रणाली पर जनमत संग्रह कराने का प्रस्ताव शामिल था। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह दूसरा मौका था जब लक्सन को विश्वास मत का सामना करना पड़ा। इससे पहले अप्रैल में भी ऐसा मतदान हुआ था।

न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क मनाएगा 'इंडियन इंडिपेंडेंस डे', गवर्नर मिकी शेरिल और कैथी होचुल का ऐलान

विश्व केसरी

न्यू जर्सी। अमेरिका के दो प्रमुख राज्य न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क 15 अगस्त 2026 को 'इंडियन इंडिपेंडेंस डे' मनाएंगे। न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल और न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने इसका ऐलान किया। दोनों ने भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर एक आधिकारिक उद्घोषणा जारी करते हुए भारत की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के योगदान को सम्मान दिया।

न्यू जर्सी के गवर्नर ने उद्घोषणा में कहा है कि 15 अगस्त 2026 भारत की स्वतंत्रता की 79वीं वर्षगांठ है। यह अवसर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की करीब आठ दशकों की यात्रा तथा स्वतंत्रता, आत्मनिर्णय और प्रतिनिधि शासन के मूल्यों का उत्सव है। गवर्नर ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वाले अनगिनत लोगों के साहस, दूरदृष्टि और बलिदान को भी याद किया। उन्होंने कहा कि भारत का शांतिपूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन दुनिया भर की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना और न्याय, समानता तथा मानवीय गरिमा के सार्वभौमिक सिद्धांतों को मजबूत किया।

न्यू जर्सी में बसे भारतीय-अमेरिकी समुदाय की विशेष रूप से सराहना करते हुए आगे कहा गया है कि राज्य में रहने वाला भारतीय-अमेरिकी समुदाय समाज के लगभग हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान, इंजीनियरिंग, कारोबार, सार्वजनिक सेवा, सेना, कला और सामुदायिक नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में

बीएलए का दावा, 32 पाकिस्तानी सैनिकों को 38 हमलों में मार गिराया

विश्व केसरी

क्वेटा। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाकर किए गए 38 हमलों की जिम्मेदारी ली है, जिसमें 32 से ज्यादा सैन्यकर्मी और उनके सहयोगी मारे गए तो बड़ी संख्या में लोग घायल हुए।

मंगलवार को जारी बयान में बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि ये हमले 1 से 8 अगस्त के बीच किए गए। सशस्त्र समूह ने पाकिस्तानी सैन्य काफिलों, कैंप, पैदल दस्तों, पुलों, रेलवे लाइनों, पुलिस चेक पोस्ट और सामान ढो रहे वाहनों को निशाना बनाया। बयान के अनुसार,बीएलए के लड़ाकों ने कई सैन्य वाहनों, क्वाडकॉप्टर, पुलों और रेलवे ट्रैक को उड़ाया। समूह ने सैन्य उपकरण जब्त किया और पाकिस्तानी सेना के इंटेलिजेंस ऑपरेटिव को मार दिया गया। बयान में बताया गया है कि पहला हमला 1 अगस्त को कलात जिले के दश्त इलाके में हुआ। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना की बख्तरबंद गाड़ियों पर रॉकेट और दूसरे भारी हथियारों से हमला किया गया, जिससे बहुत नुकसान हुआ।

ग्रुप ने दावा किया कि उसी रात मस्तुंग के कुंड उमरानी इलाके में एक पैदल गश्ती दल पर किए हमले में पाकिस्तानी सेना के दो जवान मारे गए और कई घायल हो गए।

बीएलए ने आगे कहा कि, 2 अगस्त को उसके लड़ाकों ने वाशुक जिले के सेची इलाके में घुसने की कोशिश कर रही पाकिस्तानी सेना पर हमला किया, जिसमें दो जवान मारे गए।

उसने आगे कहा कि उसके लड़ाकों ने अगले दिन कई हमले किए, जिसमें क्वेटा-कराची हाईवे पर बेला के नामी इलाके में एक पुलिस चेकपॉइंट पर कब्जा करना भी शामिल था।

कोलंबिया भूकंपः मरने वालों की संख्या बढ़कर 188 पहुंची, 1677 घायल

विश्व केसरी

बोगोटा। पश्चिमी कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 188 हो गई है, जबकि 1,677 लोग घायल हुए हैं। कुल मृतकों में से 95 लोगों की मौत और 997 लोगों के घायल होने की रिपोर्ट काली शहर से आई है, जबकि पेरेरा में 79 लोगों की मौत और 278 लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। यह जानकारी कोलंबियाई राजधानी शहरों के संघ (एसोकापिटेल्स) ने दी है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कोलंबिया के राष्ट्रपति अबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला ने पहले बताया था कि भूकंप से 1,575 घरों को नुकसान पहुंचा है। साथ ही छह हवाई अड्डों का बुनियादी ढांचा भी प्रभावित हुआ है, जिसके चलते वहां वाणिज्यिक उड़ान सेवाएं फिलहाल रोक दी गई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने सोमवार को राष्ट्रीय आपदा की घोषणा कर दी थी। कोलंबियन जियोलॉजिकल सर्विस के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 7:34 बजे पश्चिमी कोलंबिया में आया। इसका केंद्र चोको विभाग के सैन जोस देल पाल्मार के पास था और इसकी गहराई 96 किलोमीटर दर्ज की गई। संगठन ने कहा कि वह प्रभावित विभागों की राजधानियों के साथ लगातार संपर्क में है।

दक्षिण कोरियाः राष्ट्रपति कार्यालय ने प्योंगयांग के मिसाइल प्रक्षेपण को बताया उकसावे वाली कार्रवाई

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने उत्तर कोरिया के बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च को उकसावे की कार्रवाई करार दिया है। बुधवार को इमरजेंसी मीटिंग में इसे रोकने की अपील की गई।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि चियोंग वा डे (राष्ट्रपति कार्यालय) के राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय की आपातकालीन सुरक्षा समीक्षा बैठक, उत्तर कोरिया के पूर्वी सागर की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागने के कुछ ही देर बाद संपन्न हुई। चियोंग वा डे ने बताया कि बैठक में ऑफिस ने मिसाइल लॉन्च पर सोल के रुख पर चर्चा की, राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके असर का आकलन किया और अधिकारियों को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए।

कार्यालय ने उत्तर कोरिया के लगातार बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च पर भी चिंता जताई। कहा कि प्योंगयांग की ओर से दागे जा रहे बैलिस्टिक मिसाइल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का स्पष्ट उल्लंघन हैं और ऐसे लॉन्च को तुरंत रोकने की जरूरत है। उत्तर कोरिया ने बुधवार सुबह एक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, मिसाइल को उत्तर कोरिया के पूर्वी तट स्थित वॉनसान क्षेत्र से करीब सुबह 6 बजे दागा गया और उसने 700 किलोमीटर से अधिक दूरी तय की। मिसाइल का सटीक प्रकार अभी निर्धारित नहीं किया गया है, लेकिन उड़ान दूरी के आधार पर इसके कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल होने की संभावना जताई जा रही है।

यह एक सप्ताह से भी कम समय में उत्तर कोरिया का दूसरा मिसाइल प्रक्षेपण है। इससे पहले पिछले गुरुवार को भी प्योंगयांग ने पूर्वी सागर की ओर एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी। इस ताजा परीक्षण का समय खास तौर पर महत्वपूर्ण है।

शिवराज चौहान की पहल पर हरियाली अमावस्या पर 31 राज्यों में लगाए गए 50 हजार से ज्यादा पौधे

विश्व केसरी

नई दिल्ली। हरियाली अमावस्या के अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में 'वृक्ष मित्र परिवार' के साथ 31 राज्यों में 50,000 से ज्यादा पेड़ लगाए गए। कार्यक्रम की शुरुआत पौधों में जल अर्पण और वंदे मातरम् के साथ हुई और सामूहिक पौधारोपण किया गया।

दिल्ली के अलावा देशभर के गांवों, कस्बों, पंचायतों और संस्थानों में भी लोगों ने उत्साह से पौधे लगाए। इस पूरे अभियान में वृक्ष मित्र परिवार ने अहम भूमिका निभाई और हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाली अमावस्या सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता जताने का अवसर है। भारतीय संस्कृति में मनुष्य, पशु, पक्षी, नदियां, पर्वत और पेड़-पौधे सब एक ही चेतना से जुड़े हैं। उनके अनुसार, जब हम पेड़ लगाते हैं तो सिर्फ हरियाली नहीं बढ़ाते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पेड़ लगाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उनके संरक्षण और देखभाल का संकल्प लेना।

शिवराज सिंह चौहान ने लोगों से अपील की कि हर नागरिक साल में कम से कम एक पेड़ जरूर लगाए और अपने साथ पांच और लोगों को इस मुहिम से जोड़े। उन्होंने कहा कि जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, बच्चों के जन्म और माता-पिता की पुण्य स्मृति जैसे अवसरों को 'वृक्ष पर्व' के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने पंचायतों, नगर निकायों और संस्थानों से भी कहा कि पौधारोपण के लिए तय स्थान बनाए जाएं, ताकि पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल सुनिश्चित हो सके। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पर्यावरण बिगड़ने का असर सीधे खेती, पानी, मिट्टी और लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि किसान के लिए आज सबसे बड़ा मुद्दा सिर्फ बीज और खाद नहीं, बल्कि पानी की उपलब्धता और जमीन की सेहत भी है। उन्होंने कहा कि मिशन लाइफ, ऊर्जा बचत और प्लास्टिक मुक्त जीवन को अपनाकर ही पर्यावरण की रक्षा की जा सकती है। उनके अनुसार, प्रकृति का शोषण नहीं, बल्कि संतुलित उपयोग और संरक्षण ही सही रास्ता है।

दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान की इस मुहिम से दिल्ली सरकार ने बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के 1 लाख से ज्यादा लोगों को इस अभियान से जोड़ा गया है ।

आंध्र प्रदेश सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए प्रतिबद्धः चंद्रबाबू नायडू

विश्व केसरी

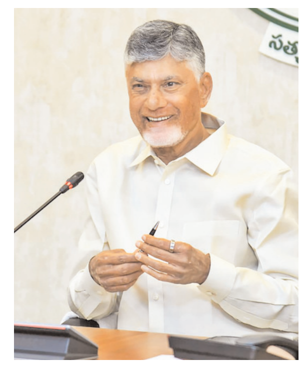

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस की भी बधाई दी।

चंद्रबाबू नायडू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मेरे युवा दोस्तों, आप ??हमारी ऊर्जा हैं। आप हमारी ताकत हैं। आप आने वाले कल की उम्मीद और भरोसा हैं। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर मैं एक ऐसा भविष्य बनाने के हमारे संकल्प को दोहराता हूं, जहां हर युवा को अपना रास्ता चुनने और अपनी पसंद की जिंदगी जीने की स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और अवसर मिले। उन्होंने आगे लिखा, 'आज हम जो कुछ भी कर रहे हैं, उसका मकसद आखिरकार आपके लिए एक बेहतर भविष्य बनाना है। एक ऐसा भविष्य जहां आपके पास अधिक अवसर हों, सपने देखने की स्वतंत्रता हो और उन सपनों को सच करने के लिए जरूरी सहयोग मिले। मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं और इस भविष्य को मिलकर आकार देने में मेरे साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं।'

राज्य के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने भी अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'युवा सिर्फ भारत का भविष्य ही नहीं हैं। वे उस ऊर्जा, साहस और कल्पना-शक्ति का स्रोत हैं जो भारत के वर्तमान को आकार दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर मैं उन युवा सोच वाले लोगों को प्रणाम करता हूं जो आम सोच से हटकर सपने देखने, असंभव लगने वाली चीजों पर सवाल उठाने और विचारों को हकीकत में बदलने का साहस रखते हैं।'

पवन कल्याण ने आगे कहा, 'जिस युवा के मन में ज्ञान, दिल में साहस और कर्म में चरित्र हो, वह एक परिवार, एक समुदाय और अंततः पूरे देश को बदल सकता है। हर नवाचार, हर नया विचार, साहस का हर काम और लक्ष्य के साथ उठाया गया हर कदम हमें उस भारत के करीब ले जाता है, जिसे बनाने का हम सपना देखते हैं।'

जनसेना पार्टी के प्रमुख ने पोस्ट में लिखा, 'मैं अपने देश के युवाओं से कहता हूं कि बड़े सपने देखें। लगातार सीखते रहें। निडर होकर नई चीजें बनाएं। सही चीज के लिए मजबूती से खड़े रहें। आपका हुनर ही आपकी ताकत है।आपके विचार ही आपकी शक्ति हैं।

संक्षिप्त खबर

राजस्थान में एचपीसीएल पाइपलाइन से कच्चा तेल चुराने के आरोप में आठ लोग गिरफ्तार

विश्व केसरी

जयपुर। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर एक अंतर-राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह बालोतरा जिले की पचपदरा तहसील से गुजरने वाली एचपीसीएल पाइपलाइन से कच्चा तेल चोरी करने में शामिल बताया जा रहा है। इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गुजरात एटीएस के अनुसार, इस गिरोह ने कथित तौर पर कलुडी गांव के पास बंजर जमीन में एक गहरा गड्ढा खोदकर एक वॉल्व लगाकर और गैरकानूनी तरीके से पाइपलाइन से कनेक्शन जोड़कर कच्चा तेल चुराने के लिए पाइपलाइन में सेंध लगाई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर एक हफ्ते के अंदर कच्चे तेल के दो टैंकर जिनमें से हर एक की क्षमता 10 टन थी। चोरों ने दोनों टैंकरों से तेल चुराने और चोरी का तेल बेचने की बात कबूल की। खबरों के मुताबिक, गुजरात एटीएस को जानकारी मिली थी कि गुजरात और राजस्थान के कुछ लोग मिलकर एचपीसीएल पाइपलाइन से कच्चा तेल चुरा रहे थे और उसे अहमदाबाद-राजकोट हाईवे पर बेच रहे थे। जानकारी की पुष्टि करने के बाद एटीएस की टीम ने अहमदाबाद-राजकोट हाईवे पर कुवाडवा के पास सोखडा गांव जाने वाली सड़क पर जयराज सिंह को हिरासत में ले लिया।

पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने आईएसआई से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक समेत दो को किया गिरफ्तार

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पाकिस्तान की मिलिट्री इंटेलिजेंस एजेंसी, इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से संबंध होने के शक में दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा से गिरफ्तार किए गए दो लोगों में से एक की पहचान वहाब आलम उर्फ राणा राउत के तौर पर हुई है। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर एसटीएफ ने पूर्वी कोलकाता के टोपसिया इलाके से मुहम्मद इजाज को गिरफ्तार किया। सूत्रों के मुताबिक, जांचकर्ताओं को शक है कि इजाज आलम के लिए एक अहम स्थानीय संपर्क के तौर पर काम करता था। हालांकि, एसटीएफ अधिकारी अभी तक गिरफ्तारी से जुड़ी सटीक परिस्थितियों, जैसे ऑपरेशन के समय और जगह के बारे में कुछ भी बताने से बच रहे हैं। शुरुआती जांच से पता चलता है कि ये दोनों आईएसआई के लोगों के संपर्क में थे। जांच से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ताओं को ऐसे संकेत मिले हैं जिनसे पता चलता है कि आलम पाकिस्तानी नागरिक है। हालांकि, उसकी नागरिकता पक्की करने और भारत में उसकी गतिविधियों का मकसद पता लगाने की कोशिशें जारी हैं। जांच करने वाले यह भी पता लगा रहे हैं कि आलम का साथी इजाज भारतीय नागरिक है या उसके पाकिस्तान से संबंध हैं।

डीएमआरसी ने स्वतंत्रता दिवस से पहले लोगों से एलिवेटेड मेट्रो लाइनों के पास पतंग न उड़ाने की अपील की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए एक एडवाइजरी जारी की। इसमें लोगों से एलिवेटेड मेट्रो लाइनों के पास पतंग न उड़ाने की अपील की गई है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि पतंग की डोर हाई-वोल्टेज ओवरहेड इक्विपमेंट में फंस सकती है, जिससे ट्रेन सेवा में रुकावट आ सकती है या सुरक्षा का गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में पतंग उड़ाना एक लोकप्रिय परंपरा है, खासकर 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के आसपास। हालांकि, डीएमआरसी ने कहा है कि इस दौरान पतंग उड़ाने की बढ़ती गतिविधियों से पतंग की डोर मेट्रो ट्रैक के साथ लगी ओएचई तारों में उलझने या चलती ट्रेन के पैंटोग्राफ में फंसने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी घटनाओं से ओएचई या पैंटोग्राफ को नुकसान हो सकता है या वे ट्रिप हो सकते हैं, जिससे मेट्रो सेवाओं में रुकावट आ सकती है। दिल्ली मेट्रो का नेटवर्क अभी दिल्ली-एनसीआर में 416 किलोमीटर तक फैला है और यह मुख्य रूप से एलिवेटेड है। एलिवेटेड हिस्सों में यात्रियों को ले जाने वाली ट्रेनों को बिजली देने के लिए 25,000-वोल्ट की लाइव ओएचई तारों का इस्तेमाल किया जाता है।

डीएमआरसीने चेतावनी दी है कि हाई-वोल्टेज उपकरणों के सीधे या अप्रत्यक्ष संपर्क में आना जानलेवा हो सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जो मैटेलिक मांझा का इस्तेमाल करते हैं। कॉर्पोरेशन ने अपनी एडवाइजरी में कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए डीएमआरसी आम जनता से अपील करता है और सहयोग मांगता है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए रिहायशी इलाकों से गुजरने वाली एलिवेटेड मेट्रो लाइनों के आसपास पतंग न उड़ाएं। 25,000 वोल्ट की ओएचई के सीधे या अप्रत्यक्ष संपर्क में आने से जान जा सकती है।

डीएमआरसी लोगों को यह भी सलाह दी है कि वे मेट्रो इंफ्रास्ट्रक्चर से सुरक्षित दूरी पर खुली जगहों पर ही पतंग उड़ाने का आनंद लें। यह अपील स्वतंत्रता दिवस से पहले की गई है।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में शहरीकरण अहम : अरविंद पनगढ़िया

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने बुधवार को कहा कि भारत के आर्थिक परिवर्तन और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल करने में शहरीकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राजभवन द्वारा आयोजित 'विकसित भारत 2047 के लिए विकास के इंजन के रूप में शहरी क्षेत्र' विषय पर लोक भवन कन्वर्सेशन के छठे संस्करण को संबोधित करते हुए पनगढ़िया ने कहा कि भारत के 30 ट्रिलियन डॉलर की विकसित और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य उत्पादक, मजबूत और कुशल तरीके से संचालित शहरों के बिना हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि लगभग हर विकसित देश में शहरीकरण का स्तर ऊंचा है। भारत का भी शहरी विकास का लंबा इतिहास रहा है और उसे शहरीकरण को आगे बढ़ाने को लेकर संकोच नहीं करना चाहिए। पनगढ़िया ने कहा कि शहरीकरण का उद्देश्य केवल मौजूदा शहरी आबादी की जीवन स्थितियों में सुधार तक सीमित नहीं होना चाहिए। शहरों को कारोबार और रोजगार के अनुकूल बनाना होगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों को आकर्षित किया जा सके और रोजगार के अवसर पैदा हों।

उन्होंने कहा, 'आर्थिक गतिविधियां शहरीकरण को बढ़ावा देती हैं।' उन्होंने जोर दिया कि रोजगार सृजन से ग्रामीण बस्तियों और बड़े शहरों एवं कस्बों के आसपास के क्षेत्रों को भी जीवंत शहरी क्षेत्रों में बदलने में मदद मिलेगी।

मराठी भाषा का कामकाजी ज्ञान नहीं रखने वाले ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द किए जाएंगे : मंत्री सरनाईक

विश्व केसरी

मुंबई। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को घोषणा की कि अगर मुंबई और पूरे महाराष्ट्र में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवर मराठी भाषा का कामकाजी ज्ञान नहीं रखते हैं, तो उनके लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे।

बताया जा रहा है कि सरकार बुधवार को एक आधिकारिक सरकारी आदेश जारी करने जा रही है, जिससे मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत महाराष्ट्र मोटर वाहन (संशोधन) नियम, 2026 लागू हो जाएंगे। संशोधित नियमों के तहत, जिन ड्राइवरों को मराठी बोलने का व्यावहारिक कौशल या काम-चलाऊ ज्ञान नहीं है, उन्हें पहले एक महीने का नोटिस दिया जाएगा। अगर कोई ड्राइवर उस महीने के भीतर भाषा नहीं सीख पाता है, तो उनके लाइसेंस का अधिकार तीन महीने तक के लिए सस्पेंड कर दिया जाएगा। सस्पेंशन के बाद भी नियमों का पालन न करने पर उनका ड्राइविंग लाइसेंस हमेशा के लिए रद्द कर दिया जाएगा।कानून और न्याय विभाग ने इस कानूनी कार्रवाई को लागू करने के लिए परिवहन विभाग के प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी दे दी है। मंत्री सरनाईक ने साफ किया कि यह आदेश 1989 के एक मौजूदा नियम पर आधारित है, जिसे पहले अधिकारियों ने सख्ती से लागू नहीं किया था।

उन्होंने कहा, 'यह कानून 1989 का है और इसमें कहा गया है कि महाराष्ट्र में काम करने के लिए मराठी जानना जरूरी है। हमने कुछ महीने पहले इसे सख्ती से लागू करने का आदेश दिया था लेकिन किसी के साथ अन्याय न हो, इसलिए हमने ड्राइवरों को मराठी सीखने के लिए 15 अगस्त तक का समय दिया। हालांकि कई ड्राइवरों ने इसमें हिस्सा लिया और भाषा सीखी लेकिन कुछ लोग अभी भी अकड़ दिखाते हुए कह रहे हैं कि वे नहीं सीखेंगे। हमने खास तौर पर ऐसी मनमानी को रोकने के लिए ये कानूनी संशोधन किए हैं।

फेम-2 योजना से 16.72 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री को मिला सपोर्ट : केंद्र

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की भारत में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली फेम इंडिया योजना के दूसरे चरण (फेम-द्वद्व) ने लगभग 16.72 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों (31 जुलाई, 2026 तक) की बिक्री को समर्थन दिया है। इनमें इलेक्ट्रिक दोपहिया, तिपहिया और चारपहिया वाहन शामिल हैं। इसके अलावा, योजना के तहत 5,299 इलेक्ट्रिक बसें (ई-बसें) तैनात की गई हैं।

भारी उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2024 तक पांच वर्षों के लिए लागू फेम-द्वद्व योजना के लिए कुल 11,500 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान किया गया था। इस योजना के तहत 9,583 सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने में भी मदद मिली।

सरकार ने इसके अलावा 29 सितंबर 2024 को 10,900 करोड़ रुपए के बजटीय प्रावधान के साथ पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रीवॉल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल इनहांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना शुरू की। यह योजना लगभग 28.30 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने का समर्थन करती है। इनमें इलेक्ट्रिक दोपहिया, तिपहिया, ट्रक, बस और एम्बुलेंस शामिल हैं।

इस योजना के तहत टेस्टिंग एजेंसियों के अपग्रेड के लिए अनुदान भी उपलब्ध है। 14,028 ई-बसों की तैनाती के लिए योजना के तहत 4,391 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिनमें से 14,000 ई-बसों का आवंटन किया जा चुका है।

देशभर में सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए 2,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। वहीं, चरणबद्ध मैन्युफैक्चरिंग प्रोग्राम (पीएमपी) के तहत बैटरी पैक समेत ईवी के विभिन्न घटकों का चरणबद्ध तरीके से घरेलू विनिर्माण अनिवार्य किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में प्रोजेक्ट की मंजूरी होगी आसान, अधिकारियों को मिले ज्यादा वित्तीय अधिकार

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने और फैसले लेने की शक्तियों के विकेंद्रीकरण की अपनी नीति के तहत, अलग-अलग कामों के लिए प्रशासनिक मंजूरी, तकनीकी मंजूरी और कॉन्ट्रैक्ट देने से जुड़ी वित्तीय शक्तियों के बंटवारे में काफी बदलाव किए हैं।

जम्मू-कश्मीर फाइनेंस डिपार्टमेंट ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 67 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए मौजूदा नियमों में बदलाव किया है। नए नियम 9 जनवरी 2020 को जारी पिछली अधिसूचना के संबंधित नियमों की जगह लेंगे।

नए नियमों के तहत प्रशासनिक विभाग 30 करोड़ रुपए तक के कामों को मंजूरी दे सकेंगे। इसके लिए वित्त विभाग के संबंधित अधिकारी की सहमति जरूरी होगी।

सरकार ने मूल कामों के विस्तृत अनुमानों के लिए तकनीकी मंजूरी देने की शक्तियों में भी बदलाव किया है, जिसमें विशेष मरम्मत, नवीनीकरण, अतिरिक्त निर्माण, बदलाव और सुधार शामिल हैं, जिनका खर्च रखरखाव के तहत नहीं आता है। नए नियमों के अनुसार, सुपरिटेंडिंग इंजीनियर को 2 करोड़ रुपए तक, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को 75 लाख रुपए तक, असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को 10 लाख रुपए तक का अधिकार दिया गया है। अधिसूचना में यह भी जिक्र है कि 5 लाख रुपए और 20 लाख रुपए से ज्यादा लागत वाले अलग-अलग कामों के प्लान और डिजाइन के लिए, सक्षम अधिकारी की तकनीकी मंजूरी से पहले सुपरिटेंडिंग इंजीनियर और चीफ इंजीनियर से मंजूरी लेनी होगी।

बाढ़ से क्षतिग्रस्त तटबंधों की मरम्मत को 'मिशन मोड' में काम कर रही राज्य सरकार : सीएम हिमंता

विश्व केसरी

गुवाहाटी। बाढ़ से क्षतिग्रस्त तटबंधों की मरम्मत के लिए असम सरकार 'मिशन मोड' में काम कर रही है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को बताया कि जोरहाट जिले में पांच में से टूटे हुए चार तटबंधों की मरम्मत का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि राज्य प्रशासन बाढ़ राहत कार्य अभियान के तहत प्राथमिकता के आधार पर तटबंधों की मरम्मत और मजबूती का काम कर रहा है ताकि आगे के नुकसान को रोका जा सके। उन्होंने कहा, 'जोरहाट में 5 में से 4 ब्रेक पॉइंट का काम पहले ही पूरा हो चुका है, सलमारा में बचा हुआ काम पूरा होने वाला है। बाढ़ से कई जगहों पर तटबंधों को नुकसान पहुंचा था। इसके बाद राज्य सरकार बाढ़ नियंत्रण ढांचे को मजबूत करने में जुटी है। तटबंध असम के बाढ़ प्रभावित गांवों और खेतों को बढ़ते पानी से बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इन ढांचों में दरार आने से गांवों, खेतों और बुनियादी ढांचों में तेजी से पानी भर जाता है। इसलिए समय पर मरम्मत करना बहुत जरूरी है।

सरकार ने अधिकारियों और फील्ड एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वे संवेदनशील जगहों पर मरम्मत का काम तेज करें और तटबंधों को इतना मजबूत बनाएं कि भविष्य की बाढ़ का सामना कर सकें। जोरहाट में चल रहा काम राज्य के व्यापक बाढ़ राहत प्रयासों का हिस्सा है। चार ब्रेक पॉइंट के पूरे होने से प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बढ़ेगी। वहीं, सलमारा का काम भी जल्द पूरा करने के लिए तेजी लाई गई है।

असम नदियों का जाल होने के कारण हर साल बाढ़ की चपेट में आता है। यहां ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियां बहती हैं। बाढ़ से कई जिलों में घर, खेती, सड़कें और अन्य सार्वजनिक ढांचे प्रभावित होते हैं।

फेम-II योजना से 16.72 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री को मिला सपोर्ट: केंद्र

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की भारत में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली फेम इंडिया योजना के दूसरे चरण (फेम-II) ने लगभग 16.72 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों (31 जुलाई, 2026 तक) की बिक्री को समर्थन दिया है। इनमें इलेक्ट्रिक दोपहिया, तिपहिया और चारपहिया वाहन शामिल हैं। इसके अलावा, योजना के तहत 5,299 इलेक्ट्रिक बसें (ई-बसें) तैनात की गई हैं।

भारी उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2024 तक पांच वर्षों के लिए लागू फेम-ढ्ढ योजना के लिए कुल 11,500 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान किया गया था। इस योजना के तहत 9,583 सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने में भी मदद मिली।

सरकार ने इसके अलावा 29 सितंबर 2024 को 10,900 करोड़ रुपए के बजटीय प्रावधान के साथ पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रीवॉल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल इनहांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना शुरू की। यह योजना लगभग 28.30 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने का समर्थन करती है। इनमें इलेक्ट्रिक दोपहिया, तिपहिया, ट्रक, बस और एम्बुलेंस शामिल हैं।

इस योजना के तहत टेस्टिंग एजेंसियों के अपग्रेड के लिए अनुदान भी उपलब्ध है। 14,028 ई-बसों की तैनाती के लिए योजना के तहत 4,391 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिनमें से 14,000 ई-बसों का आवंटन किया जा चुका है। देशभर में सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए 2,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। वहीं, चरणबद्ध मैन्युफैक्चरिंग प्रोग्राम (पीएमपी) के तहत बैटरी पैक समेत ईवी के विभिन्न घटकों का चरणबद्ध तरीके से घरेलू विनिर्माण अनिवार्य किया गया है। इसके अलावा, 28 अक्टूबर 2024 को अधिसूचित पीएम ई-बस सेवा-पेमेंट सिक्योरिटी मैकेनिज्म (पीएसएम) योजना के लिए 3,435.33 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान है। इसका लक्ष्य 38,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती को समर्थन देना है। 10 जुलाई 2026 तक पीएम-ईबससेवा- योजना के तहत 27,555 ई-बसें शामिल हैं। इनमें से 10,000 ई-बसें आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय की पीएम-ईबससेवा योजना के तहत, 14,000 ई-बसें पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत और 3,555 ई-बसें विभिन्न राज्य सरकारों की पहलों के तहत हैं।

फिलीपींस में बाढ़ के बाद संक्रमण रोग का खतरा बढ़ा, स्वास्थ्य अधिकारियों ने जारी किया अलर्ट

विश्व केसरी

मनीला। उत्तरी फिलीपींस में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने जलजनित और बारिश के मौसम में फैलने वाली बीमारियों को लेकर अलर्ट जारी किया है। इलोकोस क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिमी मानसून के कारण लगातार बारिश और बाढ़ की स्थिति बनी हुई है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, इलोकोस क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्र ने लोगों से बाढ़ के बीच स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। स्वास्थ्य विभाग (डीओएच) की इलोकोस क्षेत्रीय निदेशक डॉ. हेलेन डी. टोबियास ने लोगों को लेप्टोस्पायरोसिस, डेंगू और अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए सतर्क रहने को कहा है।

उन्होंने बताया कि बाढ़ का पानी जानवरों के मूत्र से दूषित होने पर लेप्टोस्पायरोसिस संक्रमण का कारण बन सकता है। बाढ़ के पानी में उतरने वाले लोगों को शरीर के संपर्क में आए हिस्सों को साबुन और साफ पानी से अच्छी तरह धोने तथा किसी तरह के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेने की सलाह दी गई है।

बारिश और बाढ़ के बीच फिलीपींस के बिजली क्षेत्र पर भी दबाव बढ़ गया है। बुधवार को देश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में बिजली ग्रिड के लिए रेड और येलो अलर्ट जारी किए गए। कई बिजली संयंत्रों के बंद रहने के कारण उपलब्ध बिजली क्षमता और मांग के बीच अंतर बढ़ गया है।

मध्य फिलीपींस के विसायस द्वीप समूह में बिजली आपूर्ति की स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। कई कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के बंद रहने से उपलब्ध क्षमता घट गई है। नेशनल ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ द फिलीपींस (एनजीसीपी) के अनुसार, अगस्त में विसायस क्षेत्र के छह बिजली संयंत्र जबरन बंद रहे हैं, जबकि 20 से अधिक अन्य संयंत्र 2021 से ही उपलब्ध नहीं हैं।

विसायस ग्रिड में बुधवार को रेड अलर्ट लागू किया गया। यहां उपलब्ध बिजली क्षमता करीब 2,153 मेगावाट है, जबकि अधिकतम मांग 2,394 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है।

दक्षिणी फिलीपींस के मिंडानाओ क्षेत्र में भी बिजली आपूर्ति पर दबाव है। अगस्त में नौ बिजली संयंत्र जबरन बंद हैं, जबकि 11 संयंत्र 2024 से उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा नौ अन्य संयंत्र कम क्षमता पर संचालित हो रहे हैं। क्षेत्र में करीब 2,779 मेगावाट बिजली उपलब्ध है, जबकि अधिकतम मांग लगभग 2,689 मेगावाट रहने का अनुमान है।

इस बीच, उष्णकटिबंधीय तूफानों लुइस और मायमाय तथा तेज दक्षिण-पश्चिमी मानसून से प्रभावित इलाकों में फिलीपींस नेशनल पुलिस (पीएनपी) ने राहत एवं पुनर्वास प्रयास तेज कर दिए हैं।

पीएनपी ने प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस इकाइयों को सतर्क रहने और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम करने के निर्देश दिए हैं, ताकि बाढ़ और तूफान से प्रभावित समुदायों में सामान्य गतिविधियां जल्द बहाल की जा सकें। पुलिस के अनुसार, मंगलवार दोपहर तक खराब मौसम से जुड़ी घटनाओं में 26 लोगों की मौत हो चुकी थी। इनमें 25 नागरिक और एक पुलिस अधिकारी शामिल हैं।

पीएनपी प्रमुख जनरल जोस मेलेंसियो नार्ताितेज जूनियर ने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी खोज एवं बचाव अभियान तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रभावित समुदायों के सामान्य स्थिति में लौटने तक पुलिस रिकवरी फेज में भी सक्रिय रूप से जुड़ी रहेगी।

शरीर के टॉक्सिन बाहर निकालता है कपालभाति, बढ़ती है एकाग्रता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में मोटापा, कब्ज, साइनस, अस्थमा और तनाव आम हो गया है। दवाओं के साथ-साथ अगर आप 10 मिनट कपालभाति करेंगे, तो कुछ शारीरिक समस्याओं से निजात पाने में मदद हो सकती है।

शास्त्रों में कपालभाति को 'षट्कर्म' और 'प्राणायाम' दोनों का हिस्सा माना गया है। माना जाता है कि कपालभाति से न सिर्फ शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं, बल्कि नकारात्मक सोच भी दूर होती है और एकाग्रता बढ़ती है।

यह एक ऐसी आसान, लेकिन बहुत असरदार योग क्रिया है, जिसको करने के दौरान तेजी से सांस छोड़नी होती है और सांस अपने आप अंदर आती है। रोजाना कुछ मिनट करने से ही शरीर और मन दोनों को फायदा मिलता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह पाचन क्रिया को मजबूत करता है। इससे पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जिससे आंतों में रक्त संचार बढ़ता है और पाचन एंजाइम बेहतर होते हैं। इससे गैस, कब्ज, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। नियमित अभ्यास से भूख बेहतर लगती है और शरीर में विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं। कपालभाति केवल पेट की सफाई नहीं करता, यह मानसिक शांति और याददाश्त को भी तेज करता है। जब हम जोर से श्वास छोड़ते हैं, तो फेफड़े साफ होते हैं और मस्तिष्क को ऑक्सीजन मिलती है। इससे याददाश्त, एकाग्रता और मानसिक स्पष्टता में वृद्धि होती है। यह तनाव, चिंता और बेचैनी को कम करता है, जिससे मन स्थिर और शांत होता है। इनके अलावा, यह रोग प्रतिरोधक क्षमता का रक्षक भी है। कपालभाति शरीर में मौजूद सभी विषैले तत्वों को बाहर निकालता है और रक्त संचार को बेहतर बनाता है। इसके चलते एंटीबॉडी का निर्माण तेज होता है और शरीर की बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है। यह वायरल संक्रमण, फ्लू, सर्दी-खांसी जैसी आम बीमारियों से बचाव में मदद करता है। उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के मरीज इसे न करें। गर्भवती महिलाओं और मासिक धर्म के दौरान इसे करना मना है। हर्निया या पेट की गंभीर सर्जरी वाले लोग विशेषज्ञ की सलाह के बिना न करें।

खाना खाते ही टॉयलेट जाने की इच्छा? जानें वैज्ञानिक कारण और कब है खतरा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। हमारे शरीर में खाना खाने के बाद कई तरह की प्रक्रियाएं शुरू हो जाती हैं। खाना पेट में पहुंचता है, पेट उसे पचाने का काम शुरू करता है और आंतें भी अपना काम तेज कर देती हैं। यही वजह है कि कुछ लोगों को खाना खाने के कुछ ही समय बाद टॉयलेट जाने की जरूरत महसूस होने लगती है।

खासकर सुबह नाश्ता करने के बाद ऐसा होना काफी आम है। कई लोग इसे देखकर सोचते हैं कि जो खाना अभी खाया है, वह तुरंत बाहर निकल रहा है। लेकिन ऐसा नहीं होता। हमारे शरीर को भोजन को पचाने और उसे मल में बदलने में कई घंटे लगते हैं।

खाना खाने के बाद जल्दी टॉयलेट जाने की इच्छा होने के पीछे शरीर की एक सामान्य प्रक्रिया काम करती है। इसे डॉक्टर गैस्ट्रोकोलिक रिफ्लेक्स कहते हैं। दरअसल, जब भोजन पेट में पहुंचता है, तो शरीर को संकेत मिलता है कि पाचन की प्रक्रिया आगे बढ़ानी है। इसके जवाब में, बड़ी आंत की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। बड़ी आंत में पहले से मौजूद मल आगे की तरफ खिसकने लगता है, और इसी वजह से व्यक्ति को शौच जाने की इच्छा महसूस होती है। इसलिए, भोजन के तुरंत बाद टॉयलेट जाना इस बात का संकेत नहीं है कि अभी खाया गया खाना शरीर से बाहर निकल रहा है। भोजन को पाचन तंत्र से गुजरने और मल बनने में काफी समय लगता है।

वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, गैस्ट्रोकोलिक रिफ्लेक्स हर व्यक्ति में एक जैसी ताकत से काम नहीं करता। कुछ लोगों में यह प्रतिक्रिया हल्की होती है, जबकि कुछ लोगों में भोजन के बाद आंतों की गतिविधि काफी बढ़ सकती है। सुबह के समय यह प्रभाव ज्यादा महसूस होना भी आम बात है। इसका एक कारण यह है कि रातभर खाली रहने के बाद जब पेट में भोजन पहुंचता है, तो पाचन तंत्र की गतिविधि दोबारा तेज हो जाती है। इसी दौरान बड़ी आंत भी सक्रिय होती है और शौच की इच्छा पैदा हो सकती है।

खाने की मात्रा और खाने का तरीका भी इस पर असर डाल सकता है। अगर कोई व्यक्ति एक बार में बहुत ज्यादा खाना खाता है, तो पेट ज्यादा भरता है और इसकी वजह से आंतों की हलचल बढ़ सकती है। बहुत तला-भुना, ज्यादा तेल वाला या भारी खाना खाने के बाद भी कुछ लोगों को जल्दी टॉयलेट जाने की जरूरत महसूस हो सकती है। चाय या कॉफी जैसे पेय भी कुछ लोगों की आंतों को ज्यादा सक्रिय कर सकते हैं। हालांकि, हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है, इसलिए किसी एक भोजन का असर सभी लोगों पर एक जैसा नहीं होता। खाना खाने के बाद टॉयलेट जाने की जरूरत केवल कभी-कभार होती है और मल सामान्य रहता है, तो आमतौर पर इसे शरीर की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा माना जाता है। चिंता तब बढ़ती है जब यह समस्या लगातार होने लगे और इसके साथ पेट दर्द, पेट में मरोड़, ज्यादा गैस या पेट फूलने जैसी परेशानी दिखाई दे। ऐसी स्थिति में इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम (आईबीएस) जैसी समस्या की संभावना देखी जा सकती है। इसमें आंतें कुछ ज्यादा संवेदनशील हो जाती हैं। खाना खाने के बाद पेट में हलचल बढ़ने पर ऐसे लोगों को तुरंत टॉयलेट जाने की जरूरत महसूस होती है। कुछ लोगों को दस्त की परेशानी होती है, जबकि कुछ लोगों को कब्ज हो सकता है।

उंगलियां, कोहनी और घुटने पड़ गए हैं काले तो न करें नजरअंदाज, ये हो सकते हैं संकेत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। चेहरे की देखभाल पर तो ज्यादातर लोग ध्यान देते हैं, लेकिन शरीर के कुछ हिस्से अक्सर नज़रअंदाज़ हो जाते हैं। हाथों की उंगलियों के जोड़, कोहनी और घुटनों पर जमा कालापन खूबसूरती को फीका कर देते हैं। इन हिस्सों के काले होने के पीछे केवल गंदगी या सफाई की कमी नहीं होती, बल्कि शरीर के अंदर कुछ ऐसे बदलाव होते हैं, जो इन हिस्सों को प्रभावित करते हैं। त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार, नकल्स, कोहनी और घुटनों की त्वचा शरीर के दूसरे हिस्सों की तुलना में थोड़ी मोटी होती है। इन जगहों पर बार-बार दबाव पड़ने से त्वचा की ऊपरी परत में केराटिन नामक प्रोटीन की मात्रा बढ़ने लगती है, जिससे वह हिस्सा गहरे रंग का दिखाई देने लगता है।

कई बार लगातार घर्षण के कारण शरीर उन जगहों पर मेलेनिन का उत्पादन बढ़ा देता है। मेलेनिन हमारी त्वचा के रंग को तय करता है। जब किसी हिस्से पर बार-बार दबाव या चोट जैसी स्थिति बनती है तो शरीर सुरक्षा के तौर पर वहां ज्यादा मेलेनिन बनाने लगता है, जिससे त्वचा का रंग गहरा हो सकता है। हालांकि, अगर नकल्स, कोहनी या घुटनों का कालापन अचानक बढ़ने लगे, तो इसे केवल बाहरी समस्या मानना सही नहीं है। कई मामलों में यह इंसुलिन रेजिस्टेंस से भी जुड़ा हो सकता है। इस स्थिति में शरीर इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाता और खून में इंसुलिन का स्तर बढ़ने लगता है। इसका असर त्वचा की कोशिकाओं पर भी पड़ सकता है। कुछ लोगों में विटामिन बी12 की कमी के कारण भी त्वचा पर गहरा रंग दिखाई दे सकता है, खासकर अगर उंगलियों के जोड़ों में ज्यादा कालापन आ रहा हो, तो यह शरीर में पोषण की कमी का संकेत हो सकता है। इसके अलावा, थायरॉइड की समस्या या एडिसन डिजीज जैसी कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी त्वचा में बदलाव लाती हैं। इसलिए, अगर कालापन लंबे समय से बना हुआ है या इसके साथ कमजोरी, वजन में बदलाव या दूसरे लक्षण दिखाई दें, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। इन समस्याओं में त्वचा की सही देखभाल के साथ कुछ प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल भी मददगार हो सकता है। आयुर्वेद में त्वचा की सफाई, नमी बनाए रखने और रूखेपन को कम करने के लिए कई घरेलू उपाय बताए गए हैं। हालांकि, किसी भी उपाय को अपनाने से पहले यह समझना जरूरी है कि हर व्यक्ति की त्वचा अलग होती है। दही और हल्दी का मिश्रण त्वचा के कालेपन को हटाने में उपयोगी माना जाता है।

दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है, जबकि हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन में सूजन कम करने और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। इसके लिए दो चम्मच दही में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर लगाया जा सकता है। कुछ देर बाद इसे पानी से साफ कर लें। आलू और नींबू का इस्तेमाल भी कई लोग त्वचा के कालेपन को कम करने के लिए करते हैं। आलू में कुछ ऐसे एंजाइम पाए जाते हैं जो त्वचा की रंगत को समान बनाने में मदद कर सकते हैं, वहीं नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में सहायक हो सकता है।

बादाम और मलाई का मिश्रण भी इसमें लाभकारी माना जाता है। बादाम में मौजूद विटामिन ई त्वचा को पोषण देता है और मलाई त्वचा में नमी बनाए रखने में मदद करती है। इसी तरह बेसन और एलोवेरा का मिश्रण भी त्वचा की सफाई करता है। एलोवेरा में पाए जाने वाले प्राकृतिक तत्व त्वचा को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं।

गट माइक्रोबायोम में बदलाव से कीमोथेरेपी हो सकती है ज्यादा असरदार, नई स्टडी में खुलासा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कीमोथेरेपी को और ज्यादा असरदार बनाने की दिशा में वैज्ञानिकों को बड़ी सफलता मिली है। अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर के शोधकर्ताओं ने एक ऐसी तकनीक खोजी है, जिससे शरीर में मौजूद आंतों के बैक्टीरिया यानी गट माइक्रोबायोम में बदलाव कर कीमोथेरेपी की दवाओं को ट्यूमर तक अधिक मात्रा में पहुंचाया जा सकता है। यह अध्ययन प्रतिष्ठित जर्नल नेचर मैटेरियल्स में प्रकाशित हुआ है। दरअसल, आजकल कई तरह के कैंसर के इलाज में नैनोपार्टिकल-आधारित कीमोथेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें दवा को बेहद छोटे कणों में पैक करके शरीर में भेजा जाता है, ताकि वह सीधे ट्यूमर तक पहुंच सके। लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि दवा का बड़ा हिस्सा ट्यूमर तक पहुंचने से पहले ही लिवर साफ कर देता है। लिवर में मौजूद खास प्रतिरक्षा कोशिकाएं, जिन्हें कुप्फर सेल्स कहा जाता है, इन दवा कणों को खून से तेजी से हटाने लगती हैं। इसका नतीजा यह होता है कि मरीज को दी गई दवा का पूरा फायदा नहीं मिल पाता।

शोधकर्ताओं ने पाया कि इस पूरी प्रक्रिया में हमारी आंतों के बैक्टीरिया की भी बड़ी भूमिका होती है। ये बैक्टीरिया बाइल एसिड नामक रसायन बनाते हैं, जो लिवर की कोशिकाओं को संकेत भेजते हैं कि वे दवा को कितनी तेजी से साफ करें। रिसर्च के दौरान वैज्ञानिकों ने मेट्रोनिडाजोल नाम की एक सामान्य एंटीबायोटिक का सीमित समय के लिए इस्तेमाल किया। इससे कुछ खास तरह के बैक्टीरिया कम हो गए और बाइल एसिड का स्तर भी घट गया। इसके बाद लिवर की कुप्फर कोशिकाएं कम सक्रिय हो गईं और उन्होंने दवा को पहले की तुलना में बहुत कम मात्रा में हटाया।

सिर्फ डाइट नहीं, सही आदतें भी हैं जरूरी...ऐसे रखें वजन पर कंट्रोल और रहें लंबे समय तक स्वस्थ

विश्व केसरी

नई दिल्ली, 5 अगस्त (आईएएनएस)। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ता वजन एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। मोटापा सिर्फ शरीर का आकार नहीं बढ़ाता, बल्कि यह कई गंभीर बीमारियों को भी न्योता देता है। टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारी और स्ट्रोक जैसी समस्याओं का खतरा मोटापे के साथ काफी बढ़ जाता है।

अक्सर लोग वजन घटाने के लिए खाना कम कर देते हैं या फिर कार्बोहाइड्रेट जैसी चीजें पूरी तरह छोड़ देते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि किसी एक चीज को पूरी तरह छोड़ना सही तरीका नहीं है। शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इसलिए कोशिश करें कि आपकी थाली में फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, दूध और प्रोटीन से भरपूर चीजें संतुलित मात्रा में शामिल हों।

हर समय कैलोरी गिनना जरूरी नहीं है, लेकिन यह जानना फायदेमंद हो सकता है कि आपके शरीर को रोज कितनी कैलोरी की जरूरत है। यह आपकी उम्र, लंबाई, वजन, लिंग और रोजाना की शारीरिक गतिविधि पर निर्भर करता है। अगर आप जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेते हैं और उतनी ऊर्जा खर्च नहीं करते, तो वजन बढ़ना तय है। अगर आपको लगता है कि आप जरूरत से ज्यादा खा रहे हैं, तो एक आसान तरीका अपनाइए। रोज क्या खाया, क्या पिया और लगभग कितनी मात्रा में लिया, इसे एक डायरी में लिखना शुरू कर दें। पैकेट वाले खाद्य पदार्थों के न्यूट्रिशन लेबल जरूर पढ़ें और सर्विंग साइज पर भी ध्यान दें। कई बार हमें लगता है कि हमने थोड़ा खाया है, लेकिन वास्तव में कैलोरी काफी ज्यादा ले चुके होते हैं।

हालांकि स्वस्थ रहने के लिए सिर्फ डाइट ही नहीं, नियमित शारीरिक गतिविधि भी उतनी ही जरूरी है। वयस्कों को सप्ताह में कम से कम 150 मिनट मध्यम तीव्रता वाली एक्सरसाइज करनी चाहिए। यानी रोज करीब 30 मिनट तेज चाल से चलना, साइकिल चलाना या हल्की दौड़ जैसी गतिविधियां काफी फायदेमंद होती हैं। इसके अलावा सप्ताह में कम से कम दो दिन मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाली एक्सरसाइज भी करनी चाहिए। बच्चों और किशोरों के लिए रोज कम से कम 60 मिनट की शारीरिक गतिविधि जरूरी मानी जाती है। वहीं, 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को संतुलन बनाए रखने वाली एक्सरसाइज, जैसे एक पैर पर खड़े होने का अभ्यास, भी करना चाहिए ताकि गिरने का खतरा कम हो।

कैनेडियन ओपनः बेन शेल्टन ने जैकब मेंसिक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

एजेंसी ■

मॉन्ट्रियल । बेन शेल्टन ने जैकब मेंसिक को 6-3, 6-1 से हराकर कैनेडियन ओपन के सेमीफाइनल में आसानी से जगह बना ली। 23 साल के इस अमेरिकी खिलाड़ी ने इस साल के कैनेडियन एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार चार सेट जीते। शेल्टन ने 18 विनर, तीन अनफोर्स्ड एरर और 89 प्रतिशत फर्स्ट-सर्व पॉइंट जीते। उन्हें एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा।

जीत के बाद शेल्टन ने कहा, 'बहुत अच्छा लगा। मैं अपने रिटर्न गेम से बहुत खुश था। जिस तरह से मैंने ग्राउंड से, पॉइंट वन से खेला, मेरे लिए, मैं वहीं पहुंचना चाहता हूं। मुझे लगता है कि पूरे मैच में मैंने जो लेवल बनाए रखा वह सच में बहुत ऊंचा था। मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। उम्मीद है कि सेमीफाइनल में भी इसे जारी रखूंगा।

मॉन्ट्रियल ड्रॉ में बचे अकेले टॉप-10 खिलाड़ी, शेल्टन का मुकाबला 12वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकन लर्नर टिएन से होगा। सेमीफाइनल के बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। पूर्व में हुए मुकाबले में में टिएन का पलड़ा भारी रहा है। टिएन इस जोड़ी की प्रतिस्पर्धा में 2-0 से आगे हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में इंडियन वेल्स में दूसरे राउंड में शेल्टन को हराया था।

टिएन ने डेनियल मेरिडा के खिलाफ 6-3, 6-2 से जीत दर्ज की। अपनी एक घंटे, 12 मिनट की जीत के साथ, 20 साल के टिएन अपने पहले मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए।

उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल, इंडियन वेल्स में पहला मास्टर्स क्वार्टरफाइनल और जिनेवा में अपना पहला क्ले-कोर्ट टाइटल जीता।

शेल्टन के साथ खेलने के बारे में टिएन ने कहा, 'बेन कैसा भी महसूस कर रहा हो, वह अच्छी सर्व करेगा। वह बेसलाइन से बड़ी बॉल मारेगा। वह अभी बहुत आत्मविश्वास के साथ खेल रहा है। मैंने उसे आज सुबह खेलते हुए देखा। वह बहुत अच्छा खेल रहा है।

सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डीः बैडमिंटन में भारत का वैश्विक चेहरा, चिराग के साथ कॉमनवेल्थ पुरुष डबल्स में देश को दिलाया पहला स्वर्ण

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी मौजूदा समय में भारतीय और विश्व बैडमिंटन का एक लोकप्रिय और प्रतिष्ठित नाम हैं। रंकीरेड्डी ने चिराग शेट्टी के साथ मिलकर न सिर्फ भारतीय बैडमिंटन की पहचान दुनियाभर में सशक्त की है, बल्कि एक ऐसी जोड़ी बनाई है जिसने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का मान बढ़ाया है।

सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी का जन्म 13 अगस्त 2000 को अमलापुरम, आंध्र प्रदेश में हुआ था। उन्होंने अपने पिता और बड़े भाई को देखकर बैडमिंटन खेलना शुरू किया। उनके पिता राज्य स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी थे। रंकीरेड्डी ने 2014 में हैदराबाद स्थित गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी ज्वाइन की और डबल्स में करियर बनाने का फैसला किया।

रंकीरेड्डी ने अपने जोड़ीदार चिराग शेट्टी के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। इसकी शुरुआत 2015 में हुई थी, जब दोनों ने एक साथ खेलना शुरू किया। उस समय चिराग भी गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे थे।

दोनों की जोड़ी ने सबसे पहले 2018 में गोल्ड कोस्ट में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में मिश्रित टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर विश्व बैडमिंटन में तहलका मचा दिया। इसके बाद से दोनों की जोड़ी ने एक साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलताएं अर्जित करते हुए भारतीय बैडमिंटन का लोहा पूरे विश्व में मनवाया है और पुरुष डबल्स केटेगरी में अपना दबदबा बनाया है।

सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने 2022 में बर्मिंघम में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों की डबल्स कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता था। कॉमनवेल्थ गेम्स बैडमिंटन के इतिहास में पुरुष डबल्स में यह भारत का पहला स्वर्ण था। इसके अलावा, सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी ने चिराग शेट्टी के साथ टोक्यो विश्व चैंपियनशिप 2022 और पेरिस विश्व चैंपियनशिप 2025 में पुरुष डबल्स में कांस्य पदक जीता था। बैंकॉक में आयोजित थॉमस कप 2022 में पुरुष टीम के साथ स्वर्ण और 2026 थॉमस कप में पुरुष टीम के साथ कांस्य पदक जीता था। दोनों ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में मिश्रित टीम के साथ स्वर्ण पदक जीता था। वह 2022 एशियन गेम्स में डबल्स में स्वर्ण और पुरुष टीम के साथ रजत पदक जीत चुके हैं। 2023 एशियन चैंपियनशिप में भी उन्होंने डबल्स में स्वर्ण पदक जीता था। 26 साल के हो रहे सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और उनके जोड़ीदार चिराग शेट्टी से भारत को भविष्य में बड़ी उम्मीदें हैं।

रंकीरेड्डी को भारत सरकार ने 2020 में अर्जुन पुरस्कार और 2023 में खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

चेल्सी ने किया स्पेन के खिलाड़ी पेप चावरिया को साइन, 2031 तक के लिए हुआ करार

विश्व केसरी ■

लंदन । प्रीमियर लीग क्लब चेल्सी ने ला लीगा की टीम रायो वैलेकानो के स्पेनिश खिलाड़ी पेप चावरिया को साइन करने की घोषणा की है। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने पांच साल के कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस स्पेनिश खिलाड़ी ने स्टैमफोर्ड ब्रिज में 2031 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है और कोभम में अपने नए टीम-साथियों के साथ काम करना शुरू करेंगे। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'मैं चेल्सी के साथ शुरुआत करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

यह मेरे लिए एक सपने जैसा है क्योंकि चेल्सी दुनिया के सबसे बड़े क्लबों में से एक है। यह एक बड़ा मौका है, लेकिन मैं तैयार हूं और टीम को सफलता दिलाने के लिए कड़ी मेहनत करूंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'बहुत से लोगों ने मुझे इस मुकाम तक पहुंचने में मदद की है, और मुझे अपने परिवार का शुक्रिया अदा करना है। उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है और आज जो कुछ भी हो रहा है, वह उन्हीं की वजह से है।' चावरिया ने अपने करियर की शुरुआत अपने गृहनगर की टीम यूई फिगेरेस के साथ की थी, जो उस समय स्पेनिश चौथे टियर (चौथे स्तर) में थी। उन्होंने 18 साल की उम्र में सीएफ पेरालाडा के खिलाफ अपना सीनियर डेब्यू किया और अगले दो सीजन में एक अटैकिंग-माइंडेड लेफ्ट-बैक के रूप में खुद को विकसित किया।

2018 में उन्होंने तीसरे टियर के क्लब यूई ओलोट के साथ करार किया और तुरंत ही खुद को शुरुआती लाइन-अप में जगह दिलाई और डिवीजन के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक बन गए। अगस्त 2020 में रियल जारागोजा (जो उस समय स्पेनिश दूसरे टियर में था) जाने से पहले उन्होंने ओलोट के लिए 52 मैच खेले। चावरिया का प्रोफेशनल डेब्यू अगले महीने हुआ, जब उन्होंने लास पाल्मास के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ हुए मैच में शुरुआत की।

एक बार फिर, चावरिया ने नए स्तर के हिसाब से खुद को ढाल लिया। अगस्त 2022 में रायो के लिए साइन करके शीर्ष लीग में पहुंचने से पहले उन्होंने जारागोजा के साथ पूरे दो सीजन बिताए। पिछले चार वर्षों में, चावरिया रायो टीम का एक अहम हिस्सा रहे हैं।

पॉल पोग्बा के साथ कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर सकता है एएस मोनाको क्लब : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फ्रांस के मिडफील्डर पॉल पोग्बा को चोट के कारण बड़ा झटका लग सकता है। लीग 1 क्लब एएस मोनाको पोग्बा का कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने पर विचार कर रहा है।

पोग्बा पिछले साल फ्री ट्रांसफर पर एएस मोनाको से जुड़े थे। इससे पहले जुवेंटस के साथ उनका कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था और उन पर डोपिंग के कारण 18 महीने का बैन लगा था। 32 वर्षीय फ्रांस के मिडफील्डर ने दो साल का करार किया था, जो आने वाले सीजन के अंत तक चलना था।

मोनाको में पोग्बा का पहला सीजन चोट के कारण बाधित रहा था, लेकिन उम्मीद थी कि इस सीजन में फ्रांस का यह खिलाड़ी नियमित रूप से खेलेगा।हालांकि, 'बीसीसी' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उन्हें जल्दी रिलीज करने के बारे में बातचीत चल रही है और उन पर फैसला जल्द ही होने की उम्मीद जताई जा रही है।

पोग्बा सितंबर 2023 से प्रतिस्पर्धी मैचों से बाहर थे। 20 अगस्त को 2023-24 सीजन के शुरुआती मैच में उडिनेस के खिलाफ जुवेंटस के लिए खेलने के बाद डोप टेस्ट में फेल होने पर उन पर बैन लगा दिया गया था। वह डीएचईए के लिए पॉजिटिव पाए गए थे, जो एक प्रतिबंधित पदार्थ है और शरीर में टेस्टोस्टेरोन के स्तर को बढ़ाता है। हालांकि, पोग्बा की मैनेजमेंट टीम ने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) में इस फैसले को चुनौती दी थी। सीएएस ने चार साल के सस्पेंशन को बरकरार रखा, लेकिन बैन को घटाकर 18 महीने कर दिया। यह बैन पिछले साल मार्च में खत्म हुआ, जिससे वह अपना प्रोफेशनल करियर फिर से शुरू करने के लिए तैयार हुए।

जून 2025 में पॉल पोग्बा को मोनाको ने साइन किया। हालांकि, मोनाको में उनके कार्यकाल का बमुश्किल एक साल ही बीता है कि उन्हें एक बार फिर किसी दूसरे क्लब की तलाश करनी पड़ सकती है। पोग्बा ने 2011 में मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ अपना प्रोफेशनल डेब्यू किया था। साल 2012 में वह जुवेंट्स से जुड़े और उन्होंने वास्तव में शीर्ष स्तर पर अपनी पहचान बनाई। जुवेंट्स के साथ उन्होंने लगातार चार सीरी ए खिताब (2013 से 2016 तक) जीते। 2016 में वह मैनचेस्टर यूनाइटेड लौट आए, जहां उन्होंने छह सीजन खेले। उन्होंने 233 मैचों में 39 गोल और 51 असिस्ट किए। रेड डेविल्स (मैनचेस्टर यूनाइटेड) के साथ उन्होंने 2017 में यूईएफए यूरोपा लीग और इंग्लिश लीग कप का खिताब भी जीता।

विश्व कप के बाद सफलता की भूख बढ़ी, चैंपियंस ट्रॉफी खास होगीः जेमिमा रोड्रिग्स

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के धाकड़ बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स का मानना ??है कि टीम की वनडे विश्व कप 2025 में जीत ने सफलता की भूख को और बढ़ा दिया है। जेमिमा पहले महिला चैंपियंस ट्रॉफी में भी खिताबी जीत को दोहराने के लिए उत्सुक हैं।

रोड्रिग्स ने जियोस्टार पर कहा, 'हमने एक बार सफलता का स्वाद चखा है। हम जानते हैं कि टॉप पर होना कैसा लगता है। आप जितना ज्यादा इसका स्वाद चखते हैं, उतना ही ज्यादा आप वहां पहुंचना चाहते हैं। हमारी टीम इसके लिए काम कर रही है। चैंपियंस ट्रॉफी बहुत खास होने वाली है। यह महिला क्रिकेट में पहली बार हो रहा है। मैं भी पहली बार इसका हिस्सा बनूंगी। इसलिए यह बहुत खास होगा। मैं सच में इसका इंतजार कर रही हूं।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मानसिकता के हिसाब से, कुछ भी नहीं बदलता है। यह टीम के बारे में है और टीम हमेशा जीत के बारे में सोचती है। चैंपियंस ट्रॉफी पर अपना पूरा फोकस करने से पहले, भारतीय टीम को दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेलनी है। सीरीज में 1 टेस्ट, 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाने हैं। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बारे में जेमिमा ने कहा, 'यह पक्का एक बहुत ही रोमांचक सीरीज होने वाली है।

दिल्ली में 'हर घर तिरंगा साइकिल यात्रा', मनसुख मांडविया बोले- साइकिल फिटनेस और प्रदूषण का समाधान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 'हर घर तिरंगा साइकिल यात्रा' का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने भी हिस्सा लिया।

मनसुख मांडविया ने कहा, 'दिल्ली में, 1,000 से ज्यादा 'माई भारत' वॉलंटियर्स ने 'हर घर तिरंगा साइकिल यात्रा' के जरिए देश को फिटनेस का संदेश दिया। किसी भी देश के विकसित बनने के लिए यह जरूरी है कि उसके नागरिक स्वस्थ रहें। साइकिल चलाने से फिटनेस बढ़ती है। यह प्रदूषण और ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान है, इससे ईंधन की बचत होती है और पर्यावरण की सुरक्षा में मदद मिलती है।'

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने कहा 'आजादी के इस शुभ अवसर पर, हमारे युवाओं ने केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया के नेतृत्व में एक साइकिल रैली, 'हर घर तिरंगा' यात्रा का आयोजन किया है। इस यात्रा का मकसद हर युवा को फिट रहने के लिए प्रोत्साहित करना है। जब हमारे युवा फिट रहेंगे, तो हमारा देश भी फिट रहेगा। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता रामित टंडन भी इस यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा, 'फिट इंडिया प्रोग्राम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी, और यहां इतने सारे लोगों को साइकिल चलाते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है। खेल मंत्री ने यह भी कहा कि फिटनेस बनाए रखने के लिए साइकिल चलाना बहुत जरूरी है। आजकल, जब ट्रांसपोर्ट और ईंधन की लागत बढ़ रही है, साइकिल चलाना ट्रांसपोर्ट का सबसे पर्यावरण-अनुकूल जरिया है। और 15 अगस्त मनाने से ज्यादा गर्व की बात और क्या हो सकती है, वह दिन जब हम उस आजादी का जश्न मनाते हैं जिसकी वजह से हम आज आजादी से जी पा रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस नजदीक आते ही दिल्ली पुलिस ने राजधानी भर में सुरक्षा बढ़ा दी है। उत्तम नगर में पुलिस टीम रातभर सघन जांच कर रही हैं। वाहनों की गहन तलाशी ली जा रही है और प्रमुख सड़कों पर नजर रखी जा रही है ताकि अवैध आवाजाही रोकी जा सके और कानून-व्यवस्था बनी रहे।

सिंकफील्ड कपः आर. प्रज्ञानानंद ने जावोखिर सिंडारोव पर हासिल की बड़ी जीत

विश्व केसरी■

सेंट लुइस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सिंकफील्ड कप के दूसरे राउंड में वर्ल्ड चैंपियनशिप चैलेंजर जावोखिर सिंडारोव पर बड़ी जीत हासिल की। सैम सेवियन के खिलाफ ड्रॉ के बाद, प्रज्ञानानंद ने सिंकफील्ड कप 2026 में अपनी पहली जीत हासिल की, और 1.5/2 पॉइंट्स के साथ चार अन्य खिलाड़ियों के लीडर्स ग्रुप में शामिल हो गए।

आर. प्रज्ञानानंद रूक-नाइट एंडगेम में दबाव बना रहे थे, और सिंडारोव ने गलती कर दी। प्रज्ञानानंद ने छह घंटे लंबा मैराथन गेम 95 चालों में जीत लिया। चाल 46 पर बहुत सारे एक्सचेंज के बाद, खिलाड़ियों ने रूक और नाइट को 2 पॉन्स बनाम रूक और नाइट बनाम

1 पॉन के साथ एंट्री दी। चाल 82 पर, सिंडारोव ने एक गलती की, और प्रज्ञानानंद ने बढ़त करते हुए जीत पक्की कर ली।

20 साल के इस खिलाड़ी ने अपने कैंपेन की शुरुआत अमेरिकन सैम सेवियन के खिलाफ ड्रॉ से की थी और आधे पॉइंट के साथ दूसरे राउंड में एंट्री की थी। सिंडारोव पर जीत ने अब उन्हें खिताब की दौड़ में ला दिया है।

टूर्नामेंट में तीन और अहम नतीजे आए। एरोनियन ने विंसेंट कीमर को हराया, एमवीएल ने सेवियन को हराया और वेस्ली सो ने जॉर्डन वैन फॉरेस्ट को हराया।

आर. प्रज्ञानानंद का अगला मुकाबला राउंड 3 में कीमर से होगा। यह मुकाबला बुधवार रात भारतीय समयानुसार 10:30 बजे से खेला जाएगा। दो राउंड के बाद, पांच खिलाड़ी 1.5/2 के साथ लीड साझा कर रहे हैं। टॉप पर लड़ाई पहले से ही तेज हो रही है।

आर. प्रज्ञानानंद की बात करें तो अपना पहला रैपिड और ग्रैंड चेस टूर के पहले यूएस लेग के तौर पर 2026 सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज में ब्लिट्ज खिताब जीता। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने 18 में से 12 पॉइंट्स के साथ रैपिड सेक्शन में टॉप करके अपनी जीत पक्की की, और ब्लिट्ज में ओवरऑल खिताब अपने नाम किया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित संपादक : सुजीत कुमार (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251